3 राजधानी
ऑटो, टैक्सी, ई-रिक्शा वालों को पांच-पांच हजार देगी सरकार

6 अभिमत
बना हुआ है चीन का प्रभुत्व

10 स्पोर्ट्स
खेल महासंघों की वित्तीय स्थिति गड़बड़ाई

11 विदेश
इजराइल के स्वास्थ्य मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 149
नई दिल्ली, शुक्रवार, 3 अप्रैल, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सारा अली खान ने शास्त्रीय नृत्य का वीडियो जारी किया

विविध-12

कोरोना ही नहीं जहालत से भी जंग

दिल्ली समेत तमाम शहरों में संक्रमितों की जांच-देखभाल कर रहे डॉक्टरों से बदसलूकी-मारपीट-पथराव, कई पर एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस की महामारी के खिलाफ जंग में डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, जांच टीमें और पुलिस शिद्दत से जुटी हैं। वहीं उन्हें जहालत भरी मानसिकता के लोगों से भी मुकाबला करना पड़ रहा है। महामारी से लड़ने के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात इन योद्धाओं पर पिछले तीन दिनों में आठ हमले हो चुके हैं। देश के अलग अलग हिस्सों से आ रहीं ये खबरें बेहद चिंतित करने वाली हैं। ऐसी ही एक घटना मध्य प्रदेश के इंदौर में हुई। यहां के एक मोहल्ले में महिला डॉक्टरों समेत जांच के लिए गई टीम को स्थानीय लोगों ने दौड़ा लिया और जमकर पथराव किया। हालांकि ये लोग किसी तरह जान बचाकर वहां निकलने में कामयाब रहे। पुलिस ने हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और 10 के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं बेंगलुरू में जांच के लिए पहुंची आशा कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया। हैदराबाद में कोरोना से मौत के बाद डॉक्टर को निशाना बनाया गया।

इंदौर में हुई घटना के बारे में टीम में शामिल महिला डॉक्टर ने आपबीती सुनाते हुए कहा, 'हमें पॉजिटिव कॉन्टेक्ट की हिस्ट्री मिली थी, इसलिए टाटपट्टी बाखल गए थे। हम लोगों ने जैसे ही पूछताछ शुरू की, उन लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। मेरे साथ डॉक्टर जकिया भी थीं। हमारे साथ एएनएम और आशा कार्यकर्ता भी थीं। साथ में तहसीलदार भी थे।' डाक्ट र ने कहा कि यह तो अच्छा था कि हमारे साथ में पुलिस फोर्स थी। हम बचकर आ गए, वरना बच नहीं सकते थे। हालांकि अच्छी बात यह रही कि इस घटना से बगैर विचलित हुए डॉक्टर जकिया और उनकी टीम अगले ही दिन फिर काम पर लौट आईं और आज उसी इलाके में जाकर स्क्रीनिंग का काम किया। डॉ. जकिया ने कहा कि हमें चोटें आई हैं लेकिन हम अपना काम करेंगे।

हमें कोई डर नहीं है। बहरहाल, कोरोना संदिग्ध की जांच के लिए गई मेडिकल टीम पर हमले के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद पुलिस ने हमला करने वाले लोगों की तलाश शुरू कर दी थी। डीआईजी हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि आरोपियों की पहचान वीडियो फुटेज के आधार पर की गई है। इंदौर के डीएम ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए 5 कंपनी फोर्स बुलाई गई है। टाटपट्टी बाखल में मेडिकल स्टा फ के साथ बद्तमीजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हमारा हेल्थ स्टाफ रोज 18-20 घंटे काम कर रहा है। इस तरह की घटना बेहद गलत है। जिन लोगों ने ये किया है वे लंबा जेल में रहेंगे, जल्दी छूटने वाले (शेष पेज 9)

इंदौर में जांच करने पहुंची डॉक्टरों की टीम पर पथराव करते लोग

गृहमंत्री शाह से डॉक्टरों ने लगाई मदद की गुहार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इंदौर, हैदराबाद, बेंगलुरू में हमले और पथराव की घटना के बाद देश भर से डॉक्टरों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सुरक्षा देने की मांग की है। इससे पहले भी दिल्ली में मकान मालिकों ने डॉक्टरों को धमकी दी थी और इसी तरह उन्होंने गृह मंत्री से सुरक्षा मांगी थी। एम्स, नई दिल्ली के रेजीडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने गृहमंत्री को हैदराबाद और अन्य स्थानों पर डॉक्टरों पर हमले के बारे में पत्र लिखा है। आरडीए ने हमला करने के वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक आपराधिक मामले दर्ज करने तथा डॉक्टर सुरक्षित माहौल में काम कर सकें इसके लिए सीआरपीएफ तैनात करने की मांग की है। साथ ही डॉक्टरों ने स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले सभी लोगों के लिए पर्सनल प्रोक्टेशन इक्विपमेंट (पीपीई) उपलब्ध कराने के लिए प्रावधान करने की मांग की है। एसोसिएशन ने गृहमंत्री और मुख्यमंत्रियों से इस मुद्दे पर आश्वासन मांगा है तथा मसले को तुरंत हल करने व जल्द से जल्द इसका जवाब देने का अनुरोध किया है।

देशभर में 50 डॉक्टरों-नर्सों में कोविड-19 की पुष्टि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस से डॉक्टर भी संक्रमित हो रहे हैं। पूरे देश मे अब तक 50 डॉक्टर और मेडिकलकर्मी इससे संक्रमित हो चुके हैं। गुरुवार को दिल्ली में एम्स एक डॉक्टर के इससे संक्रमित होने की खबर मिली है। यहां पर अब तक सात डॉक्टर इसकी गिरफ्त में आ चुके हैं। बुधवार को भी सफदरजंग अस्पताल के दो रेजिडेंट डॉक्टरों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। बताया गया था कि अस्पताल में कोविड-19 मरीजों का इलाज कर रही टीम में शामिल एक डॉक्टर ड्यूटी के दौरान संक्रमित हुआ है। वहीं, जैवरसायन विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में तृतीय वर्ष की छात्रा, महिला रेजिडेंट डॉक्टर के भी संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। वह हाल ही में विदेश यात्रा पर गयी थीं। दोनों में कोविड-19 के लक्षण दिखे और उनकी जांच रिपोर्ट दो दिन पहले पॉजिटिव आयी है। दोनों का सफदरजंग के पृथक वार्ड में इलाज चल रहा है। वहीं, दिल्ली सरकार के मोहल्ला क्लीनिक के दो डॉक्टर और कैंसर सेंटर का एक डॉक्टर भी संक्रमित पाया गया था।

लॉकडाउन के बाद अब साझा रणनीति बनाकर रोकनी होगी भीड़-भाड़

नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंसिंग से मुख्यमंत्रियों से बातचीत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्रियों से मांगे सुझाव, सोशल डिस्टेंसिंग व कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूकता फैलाने में धर्मगुरुओं से सहयोग लेने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तेरह अप्रैल को 21 दिनों का लॉकडाउन समाप्त करने का स्पष्ट संकेत देते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सरकारों से कहा है कि इसके बाद, एक साथ बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर न निकल पड़े यह सुनिश्चित करने के लिए साझा रणनीति बनानी होगी। जनता की आवाजाही को क्रमबद्ध तरीके से नियंत्रित कर जनजीवन को धीरे-धीरे सामान्य करना होगा। इस बाबत राज्यों से (शेष पेज 9)

आज भी राष्ट्र को देंगे संदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश दुनिया में कोरोना वायरस के बढ़ते संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की सुबह 9 बजे एक बार फिर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। हालांकि, उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि वे देशवासियों के लिए वीडियो संदेश जारी करेंगे। कोरोन मामले पर प्रधानमंत्री का (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	28,265
निफ्टी	8,253
सोना	/10g
चांदी	/kg

क्विक न्यूज

देश में बीएस-6 मानक के ईंधन का इस्तेमाल शुरू

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन आयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश मे अप्रैल 2020 से बीएस-6 ईंधन की आपूर्ति शुरू हो गई है लेकिन यह काम पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ाए बिना हुआ है। तेल कंपनी ने कहा है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यो मे एक अप्रैल से पेट्रोल, डीजल के दाम जो वृद्धि हुई है वह इन राज्यो मे राज्य बिक्री कर अथवा मूल्य वर्धित कर (वैट) दर बढ़ने की वजह से हुई है। भारत बीएस-4 मानक से सीधे बीएस-6 मानक के ईंधन की ओर बढ़ा है। यह यूरो-6 पेट्रोल और डीजल ईंधन के समकक्ष है। बीएस-6 मानक का स्वच्छ ईंधन तैयार करने पर तेल कंपनियो की लागत एक रुपए प्रति लीटर बढ़ी है लेकिन पेट्रोलियम कंपनियो ने इसका बोझ उपभोक्ताओ पर डालने के बजाय इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतो मे आई गिरावट मे समायोजित किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम इस समय 17 साल के निचले स्तर पर आ गए है। आईओसी ने कहा कि लागत मे उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद पेट्रोल-डीजल के दाम नही बढ़ाए गए है। कंपनी ने कहा कि कुछ राज्यो मसलन महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल मे एक अप्रैल से ईंधन के दाम मे बढ़ोतरी बिक्री कर या मूल्य वर्धित कर (वैट) मे बढ़ोतरी की वजह से हुई है।

धारावाहिक रामायण को रिकॉर्ड संख्या में देख रहे दर्शक

मुंबई। करीब तीन दशक पुराने व अपने जमाने मे बेहद लोकप्रिय रहे धारावाहिक रामायण के पुनः प्रसारण के महज चार शो को देश भर मे 17 करोड़ लोगो ने देखा है। बार्क ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। बार्क (ब्रॉडकास्ट ऑडिएंस रिसर्च काउंसिल) ने बताया कि इससे हिंदी मे यह अभी तक सबसे ज्यादा देखा जाने वाला धारावाहिक बन गया है। सरकार ने देश मे कोरोना वायरस की रोकथाम को लेकर लागू 21 दिनो के लॉकडाउन के दौरान इस धारावाहिक को पुनः प्रसारित करने का फैसला किया है। इसे पिछले शनिवार से प्रसारित किया जा रहा है।

मरकज से निकाले गए दो लोगों की मौत, 129 मरीज

- सीएम केजरीवाल ने कहा- एक-दो दिन में बढ़ सकते हैं कोरोना के मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निजामुद्दीन स्थित तबलीगी मरकज से निकाले गए दो लोगों की कोरोना से मौत हो गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन्हें मिलाकर अब तक राजधानी में मरने वालों की संख्या चार हो गई है। केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में कोरोना अभी तक नियंत्रण में है। इसे रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। अभी तक दिल्ली में कुल 293 मामले सामने आए हैं। इनमें 129 मरकज से हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अभी 293 कोरोना के मरीज हैं। इनमें 51 केस विदेशों से आए हुए लोग हैं, जो वहीं से कोरोना लेकर आए थे। इनके अलावा 129 केस मरकज के हैं। बीते एक अप्रैल तक सिर्फदो लोगों की मौत हुई थी और 2 अप्रैल को दो और लोगों की मौत हो गई है। जिन दो लोगों की मौत गुरुवार को हुई, वे मकरज से निकाले गए थे। उन्होंने बताया कि कोरोना के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जो लोग विदेशों से कोरोना लेकर आए थे, उनके सपंर्क में आने पर परिवार के 29 लोगों में कोरोना हो गया है। यह 29 का आंकड़ा कई दिनों से स्थिर है और यह नहीं बढ़ा है। लिहाजा, कहा जा सकता है कि अभी तक दिल्ली में कोरोना नहीं फैल रहा है। मरकज से 2346 लोगों को निकाला गया था, जिसमें से 1810 लोगों को क्वारंटाइन में भेजा गया है। कुल 536 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरकज से निकलने वाले लोगों की हालत गंभीर नजर आ रही है। इस वजह से मामले और बढ़ सकते हैं।

24 घंटे में 328 मामले सामने आए, 12 की मौत

- ऐसे 400 मामलों का पता चला है जिनका संबंध तबलीगी जमात से है: स्वास्थ्य मंत्रालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस के लगभग 400 ऐसे मामलों का पता चला है कि जिनका संबंध तबलीगी जमात के इज्तिमे (धार्मिक कार्यक्रम) से हो सकता है। मंत्रालय ने संकेत दिया कि वायरस की जांच और इससे संक्रमित लोगों का पता लगाने का काम तेज कर दिया है, लिहाजा संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने देश में कोरोना वायरस के ताजा हालात पर होने वाली दैनिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि देश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से संक्रमण के 328 नए मामले आए हैं और 12 लोगों की मौत हुई है। भारत में अब कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1,965 हो गई है। अग्रवाल ने कहा, कैबिनेट सचिव ने कल वीडियो काफ्रेंसिंग के जरिए मुख्य सचिवों और पुलिस महानिरीक्षकों को तबलीगी जमात कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों का तेजी से पता लगाने और युद्ध स्तर पर रोकथाम के उपाय लागू करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा, कोरोना वायरस से संक्रमित लगभग 400 ऐसे लोगों का पता लगाया गया है, जिनका संबंध तबलीगी जमात के इज्तिमे (धार्मिक कार्यक्रम) से हो सकता है। अग्रवाल ने कहा कि इनमें से तमिलनाडु के 173, राजस्थान के 11, अंडमान-निकोबार के नौ, दिल्ली के 47, पुडुचेरी के दो, जम्मू-कश्मीर के 22, तेलंगाना के 33, आध्र प्रदेश के 67 और असम के 16 लोग शामिल हैं। यह संख्या बढ़ सकती है क्योंकि और नमूनों की जांच की जा रही है।

लॉकडाउन तोड़ने वालों पर मुकदमा दर्ज हो, केंद्र ने राज्यों से कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों और झूठे दावे करने वालों पर भारतीय दंड संहिता और आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के संबंधित प्रावधानों के तहत मामले दर्ज होने चाहिए। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि 24 मार्च को जारी लॉकडाउन (बंद) संबंधी कदमों में स्पष्ट उल्लेख है कि इन पाबंदी वाले उपायों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर आपदा प्रबंधन कानून, 2005 की धारा 51 से 60 तक के तहत प्रावधानों के तहत और आईपीसी की धारा 188 के तहत कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्राधिकारों और नागरिकों के संज्ञान के लिए आपदा प्रबंधन कानून और आईपीसी के तहत दंडनीय प्रावधानों का व्यापक प्रसार होना चाहिए तथा लॉकडाउन के कदमों का उल्लंघन करने पर (शेष पेज 9)

केंद्र ने की कड़ी कार्रवाई, मरकज गए 960 विदेशियों के वीजा रद्द

- गृह मंत्रालय ने सभी को किया ब्लैक लिस्ट, राज्यों के डीजीपी को दिए जरूरी निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को कड़ा कदम उठाते हुए 960 तब्लीगी विदेशी नागरिकों को ब्लैक लिस्ट कर दिया और उनके वीजा भी रद्द कर दिए। यह कार्रवाई वीजा नियमों के उल्लंघन को देखते हुए की गई है। आरोप है कि ये लोग टूरिस्ट वीजा लेकर आते हैं और यहां धार्मिक गतिविधियों में लग जाते हैं। ऐसी संभावना है कि वीजा आवेदनों की जांच के बाद अभी 400 और विदेशी तब्लीगी उपदेशकों पर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार जिन विदेशी तब्लीगी उपदेशकों को ब्लैकलिस्ट किया गया है, उनमें सबसे ज्यादा संख्या इंडोनेशिया, फिर बांग्लादेश की है। उसके बादे मलेशिया के लोग हैं। अन्य लोग नाइजिरिया, कजाखिस्तान और ताजिकिस्तान से ताल्लुक रखते हैं। गृहमंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इन उपदेशकों को मिशनरी वीजा लेकर भारत आना चाहिए था जबकि ये साधारण टूरिस्ट वीजा लेकर आए। इसलिए इनके खिलाफ वीजा नियमों के उल्लंघन करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि देश में इस समय मौजूद सभी 960 तब्लीगी उपेदशकों को ब्लैक लिस्ट कर दिया है। मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी, दिल्ली पुलिस उपायुक्त को वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी विदेशी लोगों के खिलाफविदेशी अधिनियम 1946 और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इससे पहले गृह मंत्रालय के अधिकारी पुण्य सलिल श्रीवास्तव ने बताया कि देशभर में करीब 9000 तब्लीगी उपदेशकों को क्वारंटीन किया गया है। इनमें 1306 विदेशी हैं।

तीसरा पक्ष मोटर बीमा प्रीमियम का भुगतान करने को और समय दिया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वाहन मालिकों को तीसरा पक्ष मोटर बीमा प्रीमियम के भुगतान के लिए और समय दिया गया है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के एक सर्कुलर में यह जानकारी दी गई है। सर्कुलर के अनुसार देश में लागू राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान जिस प्रीमियम के भुगतान की तिथि पड़ रही है और भुगतान संभव नहीं हो सकता है उसके लिए अब 21 अप्रैल तक का समय दिया गया है। इरडा ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस दौरान नवीनीकरण किए जाने वाले मोटर वाहन बीमा का नवीनीकरण उसकी उसी तिथि से किया जाएगा जिसमें इसका नवीनीकरण होना (शेष पेज 9)

विशेष उड़ानें संचालित करेगी एयर इंडिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एयर इंडिया की कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन (बंद) के बीच देश में फंसे विदेशियों को उनके देश भेजने के उद्देश्य से, चार से सात अप्रैल के बीच लंदन तक विशेष उड़ानें संचालित करने की योजना है।

भारत में 21 दिन का बंद 14 अप्रैल तक है और इस अवधि के लिए सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, विमानन नियामक डीजीसीए की अनुमति से इस अवधि के दौरान मालवाहक विमान और अन्य विशेष विमान उड़ान भर सकते हैं। एयर इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि चार अप्रैल से सात अप्रैल के बीच दिल्ली-लंदन मार्ग पर चार उड़ानें संचालित होंगी। अधिकारियों ने बताया कि पांच अप्रैल से सात अप्रैल के बीच मुंबई-लंदन मार्ग पर भी विमान उड़ान भरेंगे।

लंदन भेजी जा रही उड़ानों की वापसी में वहां फंसे भारतीयों को वापस लाने के सवाल पर अधिकारियों ने कहा, अभी तक सा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। अब तक की योजना के अनुसार लंदन से खाली विमान वापस आएंगे। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी को सोमवार को लिखे पत्र में एक एयरलाइन पायलट (शेष पेज 9)

डब्ल्यूएचओ ने लॉकडाउन-गरीबों की मदद पर मोदी को सराहा

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई और मोदी सरकार के जज्बे को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने खुले दिल से सराहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्ण लॉकडाउन के फैसले और इस दौरान गरीबों और जरूरतमंदों के लिए सरकार की तरफ से उठाए जा रहे कदमों की तारीफ करते डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेडरोस अधनोम घेबरेयेसस ने गुरुवार को कहा कि लॉकडाउन जैसे कदमों के गंभीर नतीजे सबसे ज्यादा गरीबों व हाशिए पर रहने वाले तबकों को प्रभावित करते हैं। टेडरोस के अनुसार, कोरोना वायरस की महामारी की रोकथाम के लिए दुनिया के सभी देश अपने नागरिकों से घरों में बने रहने को कह रहे हैं। साथ ही लोगों की आवाजाही बंद करने के हरसंभव कदम भी उठाए जा रहे हैं। इन उपायों का सबसे ज्यादा असर गैर इरादतन, गरीब लोगों पर पड़ता है।

- गरीबों के लिए 24 बिलियन डॉलर के पैकेज की घोषणा के लिए मोदी प्रशंसा के पात्र: टेडरोस

डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेडरोस अधनोम घेबरेयेसस

भारत सरकार द्वारा लॉकडाउन में हो रही परेशानियां कम करने के लिए गरीबों को मुफ्त राशन, नकदी, गैस सिलिंडर आदि मुहैया कराने का उल्लेख करते टेडरोस ने आगे लिखा है कि गरीबों के लिए 24 बिलियन डॉलर के पैकेज की घोषणा के लिए पीएम मोदी प्रशंसा के पात्र हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 800 मिलियन जरूरतमंदों को मुफ्त राशन, 204 मिलियन गरीबों को आर्थिक मदद व 80 मिलियन घरों को मुफ्त कुकिंग गैस देने की व्यवस्था की है। कई विकासशील देश इस स्तर पर जनहित कार्यक्रमों को लागू करने के लिए संघर्ष करते हैं। गरीबों के हित में इस तरह के प्रयास सामाजिक और आगे चलकर आर्थिक तौर पर भी देश को मजबूत बनाते हैं।

उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण से पैदा हुई आपदा की घड़ी को ध्यान में रखते हुए पिछले गुरुवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.7 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा था कि देश में कोई भी भूखा नहीं सोएगा। सरकार का पूरा फोकस इस समय गरीब जनता, मजदूरों व कामगारों को राहत देने पर है। उन्हें मुफ्त राशन, सिलिंडर व आर्थिक मदद दी जाएगी। तमाम राज्य सरकारें व सामाजिक संगठन भी जरूरतमंदों को भोजन व आवश्यक सामान देने के काम में जुटी हुई हैं।

जबरन सैलून खुलवा रहे दबंग, बाल काटने से संक्रमण का खतरा

हरियाणा के गांवों में हजारों लोग घरों में चलाते हैं सैलून

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

एक तरफ जहां लॉकडाउन है वहीं हरियाणा के गांवों में कुछ दबंग प्रवृत्ति के लोग जबरन सैलून (नाई की दुकान) खुलवाकर रोजाना कटिंग व शेव का काम करा रहे हैं। औजारों में सफाई के अभाव में संक्रमण का खतरा पैदा हो गया है।

सैन समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले सामाजिक न्याय मोर्चा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को एक पत्र लिखकर गांवों में पुलिस की गश्त बढ़ाने और जबरन दुकानें खुलवाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

गांवों में लॉकडाउन का उल्लंघन

हरियाणा में अभी भी हजारों की संख्या में ऐसे लोग हैं जो पुश्तैनी कार्य के चलते गांव स्तर पर अपने घरों में ही सैलून चलाते हैं। गांवों में जातियों के आधार पर इन नाइयों को अनुबंधित किया जाता है और पूरा साल कटिंग व शेव के बदले पैसों की बजाए गेहूं और चावल आदि दिए जाते हैं।

पुलिस थानों में जमा कराए जाएं औजार

अखिल भारतीय सैन समाज एवं सामाजिक न्याय मोर्चा के अध्यक्ष रामकिशन सैन ने बताया कि गांवों में सैलून चलाने वालों की दुकानें तो कई दिनों से बंद हैं, लेकिन जो लोग गांवों में घरों में जाकर कटिंग व शेव आदि करने का काम करते हैं उन्हें कुछ दबंगों द्वारा लॉकडाउन में भी यह काम करने के मजबूर किया जा रहा है। कटिंग व शेव में इस्तेमाल होने वाले लोहे के औजारों से संक्रमण का खतरा है। रामकिशन सैन ने मुख्यमंत्री से आह्वान किया कि गांवों में घर से पुश्तैनी काम करने वाले सैन समाज के लोगों के सभी औजार पुलिस थानों में जमा कराए जाएं और लॉकडाउन में भी गेहूं के सीजन का हवाला देकर मजबूर काम कराने वाले दबंगों के विरुद्ध कार्रवाई जाए।

पीएम जनधन योजना में महिलाओं के खाते में 500 रुपये डाले जाएंगे

कैथल। उपायुक्त सुजान सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस को लेकर देश में किए गए 14 अप्रैल तक के लॉकडाउन के तहत भारत सरकार द्वारा आर्थिक व सामाजिक संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत खोले गए प्रधानमंत्री जनधन योजना में महिलाओं के बैंक खाते में प्रति माह 500 रुपए डाले जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह राशि आगामी 3 माह यानि अप्रैल, मई, जून 2020 तक महिलाओं के जनधन खातों में डाली जाएगी। यह राशि महिला लाभार्थियों को अप्रैल के प्रथम सप्ताह में स्थानांतरित कर दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

राजपूत सभा ने डीसी को सौंपा 1.50 लाख रुपये का चेक

असंध। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में राजपूत सभा करनाल भी कूद गई है। राजपूत सभा के संरक्षक कर्नल देवेंद्र सिंह (वीर चक्र) व अन्य पदाधिकारियों ने डीस. निशांत यादव को 1.50 लाख रुपये का चेक सौंपा। ताकि संकट के इस दौर में जरूरतमंदों तक मदद पहुंच सके। कर्नल देवेंद्र सिंह व सभा के जिला अध्यक्ष रिछपाल सिंह राणा कहा कि आपदा के इस समय में राजपूत सभा प्रशासन के साथ खड़ी है। कोविड-19 को जड़ से मिटाने के लिए प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। उन्होंने बताया कि उन्होंने उपायुक्त से कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रशासन महाराणा प्रताप भवन सेक्टर-8 व रेलवे रोड का भवन दोनों को प्रयोग कर सकता है। इधर, सभा के सदस्य दिनेश ठाकुर ने 2100 मास्क प्रशासन को नि:शुल्क दिए। ताकि इन्हें जनता के लिए जुटे प्रशासन के कर्मचारियों व जरूरतमंद लोगों में बांटा जा सके। इस अवसर पर तेजपाल राणा, जंग सिंह राणा, मनोज राणा, कंवरपाल राणा, भूपेंद्र राणा, विकास राणा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कोरोना आपदा में सीएम फंड को देंगे कर्मी एक दिन का वेतन

नारनौल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कस यूनियन के सदस्य वैश्विक महामारी कोरोना वायरस आपदा के तहत सीएम राहत कोष में संगठन के समस्त फील्ड कर्मचारी अपना एक दिन का वेतन देंगे। यह निर्णय संगठन के राज्य प्रधान सत्यपाल वर्मा, राज्य चेयरमैन सीताराम सुधार की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है। प्रधान छोटेलाल नांगलिया व जिला प्रधान राजेन्द्र ने बताया कि विषम परिस्थितियों में कर्मचारी लोगों की सेवा में लगे है। ऐसे में लोगों को घरों में रहकर लॉकडाउन का पालन करना चाहिए।

गुरुद्वारा बैकुंठ धाम पहुंचा रहा जरूरतमंदों तक भोजन

कुरुक्षेत्र। गुरुद्वारा श्री बैकुण्ठ धाम सेवा ट्रस्ट जरूरतमंद परिवारों तक भोजन पहुंचा रहा है। इस सेवा प्रकल्प में समाज अन्य संस्थाएं भी ट्रस्ट का सहयोग कर रही है। इस कार्य में ट्रस्ट के संरक्षक कवलजीत सिंह अजराना, चेयरमैन लखविंदर सिंह संधू, प्रधान जसबीर सिंह वड़ैच, कार्यकारी प्रधान परमजीत सिंह मक्कड़, शिरोमणि अकाली दल के शहरी प्रधान तजिंदर सिंह मक्कड, हरजीत सिंह खालसा, सतनाम सिंह, हरदीप सिंह, सुखविंदर सिंह सिद्धू, गुरदेव सिंह, बाबा गुलजार सिंह, कुलबीर सिंह ढिल्लो, मास्टर सुखदेव सिंह, करनैल सिंह, सोहन सिंह, पूर्ण सिंह, रतन सिंह, आदित्य सिंह, हरी सिंह सहित अन्य भरपूर सहयोग दे रहे हैं।

झूठी सूचना देने पर युवक गिरफ्तार, घर मिला पूरा राशन

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने बताया कि गुरुवार को अकबरपुर बरोटा गांव के एक युवक अमित ने उनके मोबाइल फोन पर सूचना दी कि उनके पड़ोस में रहने वाला एक श्रमिक परिवार खाने की कमी झेल रहा है। सूचना मिलते ही ड्यूटी मजिस्ट्रेट प्रवीण छिक्कारा को कार्रवाई कर जरूरतमंद को मदद करने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्र के पटवारी राजेश को तुरंत मौके पर रवाना किया। पटवारी राजेश ने संबंधित श्रमिक के घर जाकर जांच की तो पाया कि वहां पर खाने पीने का पूरा सामान रखा हुआ है। घर में दूध व अन्य खाद्य सामग्री भी मौजूद थी। पटवारी राजेश ने अपनी रिपोर्ट बनाकर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से उपायुक्त डा. अंशज सिंह को सौंपी। उपायुक्त ने झूठी सूचना देने वाले अकबरपुर बरोटा गांव निवासी अमित को तुरंत प्रभाव से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ झूठी सूचना देने का मामला दर्ज करने के आदेश दिए। उपायुक्त के निर्देश पर बारोट चौकी पुलिस ने अमित को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ झूठी सूचना देने का मामला दर्ज किया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला के सभी नागरिकों से अपील है कि वह किसी भी तरह की झूठी सूचना न दें। उपायुक्त ने कहा कि झूठी सूचना देने वालों के खिलाफ तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी। ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आईपीसी के धारा 188 तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम सेक्शन 54 के तहत मामला दर्ज किया गया।

उल्लंघन करने पर कंपनी निदेशक व कर्मचारियों पर मामला दर्ज

पलवल। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन के पालन में जिलाधीश एवं उपायुक्त नरेश नरवाल द्वारा धारा 144 के बावजूद गांव पातली खुर्द स्थित आरबीएस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में काम बंद न करने पर संबंधित कंपनी के निदेशक व दो कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जिलाधीश द्वारा पलवल थाना क्षेत्र के लिए नियुक्त ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार रोहताश की शिकायत पर कंपनी के निदेशक गौरव जटवानी, सुपरवाइजर रामबीर व गार्ड कृष्ण के खिलाफ धारा 188, 210 व 34 आईपीसी के तहत पलवल थाना में मामला दर्ज किया गया है। तहसीलदार रोहताश की शिकायत में बताया गया कि सूचना मिलने पर मौके पर मौजूद कर्मचारियों से किसी प्रकार का संतोषजनक जवाब नहीं मिला। जिसके चलते ड्यूटी मजिस्ट्रेट के नाते आवश्यक कार्रवाई करते हुए पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत मिलने पर संबंधित कंपनी के निदेशक व कर्मचारियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई आरंभ कर दी है।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले हो जाएं सावधान...

शम्भू दयाल मॉर्डन स्कूल के कमरों में रखे जाएंगे उल्लंधन करने वाले

सरकारी आदेशों की अवहेलना करने पर खानी पड़ेगी जेल की हवा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा के निर्देशानुसार सोनीपत पुलिस द्वारा लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करके अस्थाई जेल में किया जाएगा बंद। जिला प्रशासन द्वारा शम्भू दयाल मॉर्डन स्कूल गोहाना रोड सोनीपत में दो मंजिला भवन के अंदर लगभग 80-90 कमरों की अस्थाई जेल बना दी गई है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार कोरोना वायरस को लेकर चल रहे लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को अब जेल की हवा खानी पड़ेगी। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा शम्भू दयाल मॉर्डन स्कूल गोहाना रोड सोनीपत में दो मंजिला भवन के अन्दर लगभग 80-90 कमरों की अस्थाई जेल बना दी गई है। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करके उन्हें अस्थाई जेल में बंद किया जाएगा। इसलिए प्रशासन द्वारा आम जनता से अपील की जाती है कि लॉकडाउन में प्रशासन का सहयोग करें, खुद सुरक्षित रहें और दूसरों को सुरक्षित रखें।

शम्भू दयाल स्कूल जहां पर बनाई है अस्थाई जेल।

शम्भूदयाल स्कूल में किया अस्थाई जेल का निर्माण

कोविड-19 की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन की अवेहलना करने वालों पर उपायुक्त डा. अशंज सिंह ने कड़ी आपत्ति दर्ज की है। उपायुक्त ने ऐसे लोगों को गिरफ्त में लेकर अस्थाई जेल में बंद करने के आदेश दिए हैं। इसके लिए शम्भूदयाल मॉर्डन स्कूल में अस्थाई जेल की स्थापना की है। उपायुक्त ने कहा कि बिना अनुमति व उचित कारण के इधर-उधर घूमने वालों को पकड़कर यहां बंद किया जाएगा। इस समय लॉकडाउन और धारा-144 लागू है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे लॉकडाउन की पूर्ण रूप से अनुपालना करें।

हर जरूरत मंद को मिलेगा भोजन

करनाल। कोरोना वायरस के कारण आई इस वैश्विक आपदा से निपटने के लिए की गई व्यवस्थाओं का मेयर रेणु बाला गुप्ता ने वीरवार को निरिक्षण किया उन्होंने जिले की सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही राषन वितरण सेवाओं की मुक्तकण्ठ प्रशंसा की, इस दौरान उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के आदेशानुसार और निर्देशन में हर गरीब व जरूरतमंद परिवार को घर द्वार पर ही राशन सामग्री के पैकेट व पका हुआ खाना पहुंचाया जा रहा है।

हमारा पूरा प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति आपदा की इस घड़ी में भूखा न रहे इसी के नियमित रोजाना समीक्षा बैठक भी की जा रही है। रेणु बाला गुप्ता ने बताया की बीस के बीस वार्डों में सामाजिक व धार्मिक संस्थाओ से सामंजस्य स्थापित कर राशन वितरण किया जा रहा है। उन्होंने आम शहरियों का भी लॉकडॉउन में घर से न निकलने पर सहयोग के लिए धन्यवाद किया। कहा कि, लोगो की सहभागिता के बिना इस वैश्विक संकट से पार नहीं पाया जा सकता है। करनाल के लोग जागरूक है इसी का नतीजा है की अब तक जिले में एक भी केस पोजिटिव नहीं मिला है। मेयर रेणु बाला गुप्ता ने विशेष तौर पर कहा कि प्रशासन सेवाभाव से काम कर रहा है।

प्रवासी मजदूर न करें पलायन, सरकार ने शुरू की कांउसलिंग

सभी जिलों में तैनात किए मनोचिकित्सक

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा प्रवासी मजदूरों का पलायन रोकने के लिए बनाए गए सेफ हाउस में रह रहे प्रवासियों को किसी तरह के मनोरोग से बचाने के लिए प्रदेश सरकार ने गुरुवार से उनकी कांउसलिंग शुरू कर दी है। राज्य के सभी जिलों में मनोचिकित्सकों के नेतृत्व में कांउसलरों की टीम तैनात की गई है।

हरियाणा से पिछले सप्ताह भारी संख्या में उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, राजस्थान राज्यों की तरफ पलायन करने की खबरें आ रही थी। सरकार ने पलायन रोकने के लिए प्रदेश के सभी जिलों तथा कस्बों में चार सौ सेफ हाउस बनाए और इनमें 13 हजार के करीब प्रवासी मजदूरों को रखा गया है। सरकार के पास सूचना आई थी कि सेफ हाउस में पहुंचने के बावजूद यह मजदूर अपने पैतृक राज्यों में वापस जाने की फिराक में हैं। इनमें से कई लोगों के मानसिक रोगी होने की आशंका भी जताई जा रही थी। जिसके चलते हरियाणा की मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा ने बुधवार को सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए थे कि वह अपने-अपने क्षेत्र में चल रहे सेफ हाउस में रहने वाले प्रवासियों की कांउसलिंग शुरू कराएं। मुख्य सचिव के निर्देशों के बाद गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग ने मनोचिकित्सकों के नेतृत्व में कांउसलरों की टीम का गठन किया है।

सरकार द्वारा जारी सूचना के अनुसार अंबाला जिला में मनोचिकित्सक डॉ. पवन के नेतृत्व में 11, भिवानी में डॉ. मीना के नेतृत्व में 20, फतेहाबाद में गौरव कुमार के नेतृत्व में पांच, फरीदाबाद में डॉ. शीला भगत के नेतृत्व में तीन, गुरुग्राम में डाक्टर अजीत दीवान के नेतृत्व में 11, हिसार में डॉ. तुषार के नेतृत्व में पांच, झज्जर में डॉ.जसदीप सलूजा के नेतृत्व में पांच, जींद में डॉ.संकल्प डोडा के नेतृत्व में पांच, कैथल में डॉ. डीसी ठुकराल के नेतृतव में चार, कुरुक्षेत्र में डॉ. सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पांच कांउसलरों को तैनात किया है। इसी तरह महेंद्रगढ़ नारनौल में डॉ. पवन, नूंह में डॉ. आशीष सिंगला, पलवल में डॉ. अजय, पंचकूला में डॉक्टर अनु बंसल, पानीपत में डॉक्टर ललित के नेतृत्व में 40 कांउसलरों की टीम को उतारा है।

खेल मंत्री ने शेल्टर होम में प्रबंधों का जायजा लिया

पायनियर समाचार सेवा। पिहोवा

खेल मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि कोरोना से बचाव का लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। यदि सोशल डिस्टेसिंग और लॉकडाउन का पालन जारी रहा तो जल्द ही संकट से छुटकारा पाया जा सकता है। संदीप सिंह तैयारियों का जायजा लेने पिहोवा पहुंचे थे।

उन्होंने कैथल रोड पर सुरजीत सिंह भुल्लर से सहयोग से उपलब्ध कराई गई खाद्य सामग्री को जरूतमंद परिवारों में वितरित किया। खेल मंत्री ने कहा कि राशन के अलावा इस समय लोगों को दवाइयों की भी जरूरत है। इसलिए सामाजिक व धार्मिक संगठन सुनिश्चित करें कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक उसके घर पर ही दवा भी पहुंचाई जाए। कैथल रोड के बाद संदीप सिंह ने गांव थाना में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मदजूरों में राशन सामग्री बांटी। सामाजिक धार्मिक संस्थाओं व व्यापारियों ने खेल मंत्री को सरकार के राहत कोष के नाम सहायता राशि के चेक दिए। गांव जरासी स्थित डेरा में संत बाबा मान सिंह की तरफ से, गांव गढ़ी सिंहा स्थित सदासत कोर्न प्रोडक्टस प्रा. लि. माता बाला सुंदरी मंदिर कार्यकारिणी कमेटी, सीता देवी सदन कैथल रोड, पंजाबी धर्मशाला गुरुद्वारा रोड, बाबा खाटू श्याम सेवा समिति, समाजसेवी विक्रम चक्रपाणी परिवार व ग्राम पंचायत कमोदा की तरफ से कोरोना रिलीफ फंड के लिए चेक खेल मंत्री को सौंपे।

इसके अलावा छोटी बच्ची छवि, उसका भाई अविश अपने पिता संदीप शर्मा सिप्पा के साथ मंत्री से मिलने पहुंचे। छवि ने अपनी गुल्लक खेल मंत्री को सौंपते हुए कहा कि वह अपनी गुल्लक के पैसे कोरोना से बचाव के लिए सरकार को देना चाहती है। खेल मंत्री ने बच्ची के इस जज्बे की सराहना की। इसके अलावा खेल मंत्री ने गांव भेरियां में राजकीय कॉलेज के निकट बनाए गए शेल्टर होम का दौरा करके वहां प्रबंधों का जायजा लिया।

रिटायर्ड शिक्षक समाज ने दिया तीन लाख रुपये का योगदान

करनाल। शिक्षक हमेशा ही शिक्षा देने का कार्य करता है ऐसा ही उदाहरण देखने को मिला जब शिक्षा जगत के रिटायर्ड शिक्षकों ने कोरोना से पीड़ित परिवार के लोगों को तीन लाख रुपये का महत्वपूर्ण सहयोग मुख्यमंत्री कोरोना रिलीफ फण्ड में देकर समाज के लोगों को आइना दिखाने का कार्य किया एवं महामारी से पीड़ित परिवारों को सहायता देकर समाज सेवा की भावना को जगा कर लोगों को शिक्षा देने का अभूतपूर्व कार्य किया। वैसे तो समाज के सभी वर्ग जैसे व्यापारी हो या समाज से जुड़े अन्य लोग इस कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से जूझने के लिए अलग अलग दिशा से सहयोग कर रहे हैं मगर इन रिटायर्ड टीचर्स का सहयोग अत्यंत ही सराहनीय है और यह सहयोग समाज को दिशा देने का काम करेगा। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से निपटने के लिए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के कारण आज पूरे देश मे लाकडाउन है जिसका देश की जनता बखूबी पालन कर रही है और इसके साथ साथ देश की जनता अपनी आर्थिक सहायता भी कर रही है।

एक घरेलू गैस सिलेंडर मुफ्त देगी इंडेन कंपनी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

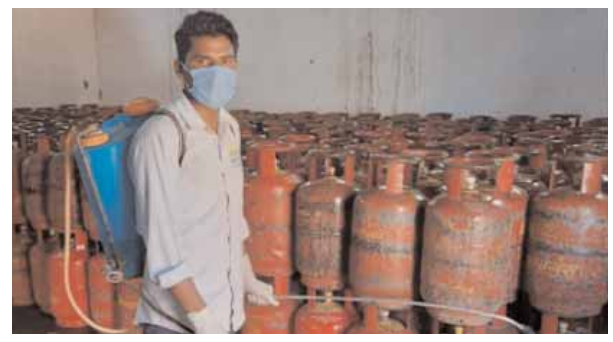

देश में लॉकडाउन होने के कारण गरीब परिवारों को दिक्कत न आए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एलपीजी कंपनियों को तीन महीने तक गैस सिलेंडर मुफ्त देने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी इंडेन कंपनी ने करनाल के करीब 47 हजार परिवारों को अगले तीन महीने तक प्रतिमास एक घरेलू गैस सिलेंडर मुफ्त देने का निर्णय लिया है।

पहले कंपनी उपभोक्ताओं के खाते में सिलैंडर की राशि जमा करवाएंगे, उस राशि से उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार गैस सिलेंडर खरीद सकेंगे। यह जानकारी इंडेन गैस के जिला नोडल अतुश बदयाल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के आदेशानुसार इंडियन आयल कार्पोरेशन ने देश की महत्वाकांक्षी उज्जवला के लिए सभी उपभोक्ताओं के लिए अगले तीन महीने अप्रैल से जुन 2020 तक रसोई गैस रिफिल मुफ्त दी जाएगी। नोडल अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत करीब 47 हजार इंडियन आयल,भारत पेट्रोलियम और हिन्दूस्तान पट्रोलियम के ग्राहक है। जिन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा लाभार्थियों को पहले कंपनी द्वारा उनके खाते में गैस सिलेंडर की कीमत की राशि डाली जाएगी। इस राशि से वह सिलैंडर खरीद सकता है। लाभार्थी महीने में एक ही सिलैंडर खरीद सकता है परन्तु सिलैंडर प्राप्त करने के 15 दिन बाद ही अगला सिलैंडर बुक कर सकते हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सिलैंडर की बुकिंग आईवीआरएस या पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से ही की जानी चाहिए। इसके लिए सभी उज्जवला लाभार्थियों को अपना मोबाइल नंबर गैस कंपनी में रजिस्टर्ड करना होगा।

उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वह घबराए नहीं स्थानीय प्रशासन के आदेशानुसार गैस का वितरण ठीक प्रकार चल रहा है। सभी उपभोक्ताओं के घर पर ही गैस रिफिल भेजी जा रही है। किसी भी उपभोक्ता को कंपनी के गोदाम में जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी को कोई दिक्कत हो एलपीजी हेल्प लाइन नंबर 1906 से सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ग्राहक इन लाइन भी गैस सिलेंडर बुक कर सकते हैं।

क्या मौजूदा अस्थिर बाजार में रियल एस्टेट एक बेहतर अवसर है? : सुनील मिश्रा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोनवायरस के प्रकोप को महामारी घोषित किया और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए मानो मुसीबतों का पिटारा ही खुल गया।

दुनियाभर के बाजारों में घबराहट है, यहां तक कि डॉलर के मुकाबले रुपया और गिर गया और सोने का कारोबार फीका रहा। इसके चलते स्टॉक, सोना और म्यूचुअल फंड जैसे परिसंपत्ति वर्गों में निवेशक का विश्वास तेजी से कम हो रहा है। ज्यादातर अन्य परिसंपत्ति वर्गों की अस्थिर प्रकृति देखते हुए, रियल एस्टेट अधिकांश खरीदारों के लिए एक सुरक्षित दांव साबित हो रही है, बशर्ते वे लंबे समय के लिए निवेश में रहें। तीन तिमाहियों में ज्यादातर शहरों में प्रॉपर्टी की कीमतें अपने सबसे कम स्तर पर रही हैं। स्थिर कीमतों,

लेखक सुनील मिश्रा ट्रेस्पेक्ट के सीईओ हैं

डेवलपर्स द्वारा आकर्षक पेशकशों और सरकार द्वारा सेक्टर के लिए मददगार उपायों की घोषणा के चलते वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में घर खरीदना सबसे सुरक्षित निवेश दांव साबित हो सकता है।

ट्रेस्पेक्ट के सीईओ सुनील मिश्रा के अनुसार, जब अधिकांश आधुनिक शेयर बाजारों ने कारोबार शुरू भी नहीं किया था, तब से ही रियल एस्टेट परंपरागत रूप से बहुत-से निवेशकों का पसंदीदा रहा है। यह पसंदगी तीन अंतर्निहित लाभों पर आधारित है- किराए के रूप में नियमित आय, सुरक्षा और मूल्य में दमदार बढ़ोतरी। रियल एस्टेट निवेश द्वारा किराए के रूप में उत्पन्न आय नियमित होती है और मुद्रास्फीति की दर के अनुकूल रहती है। इसके विपरीत, केवल उच्च लाभांश देने वाले स्टॉक्स ही भरोसेमंद आय उत्पन्न करते हैं और उच्च रिटर्न पाने के लिए ऐसे स्टॉक्स में अच्छा-खासा निवेश करना होता है।

भारतीय परिवारों ने पीढ़ियों से स्वर्ण को महत्व दिया है, सोना खरीदारों को ऊंचे स्तर का लचीलापन और उच्च तरलता भी देता है, क्योंकि इसे बेचना अपना निवेश वापस पाना आसान है। हालांकि, सोने के मूल्य में हाल के उतार-चढ़ाव ने खरीदारों को चौकन्ना कर दिया है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि कुछ निवेशकों ने मौजूदा आर्थिक संकट में नकदी जुटाने के लिए कीमती धातु बेच दी। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि रियल एस्टेट निवेश के लिए बहुत अधिक रिचर्स की जरूरत होती है।

घर में रहकर ही बच्चों को दें शिक्षा का ज्ञान : जिला बाल कल्याण समिति

गांव नूनी शयोपुरा में बच्चों को जागरूक करते हुए जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य।

नारनौल। जिला बाल कल्याण समिति नारनौल के चेयरमैन श्याम शुक्ला के नेतृत्व में गांव नूनी शयोपुरा के आस-पास झुग्गी झोपड़ियों में रह रहे बच्चों से संपर्क कर उन्हें कोरोना नामक बीमारी के बारे में जागरूक किया।

जिला बाल कल्याण समिति के सदस्यों ने झुग्गी में रह रहे बच्चों एवं उनके माता-पिता को कोरोना नामक बीमारी के चलते घर से बाहर न निकलने के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बहुत जरूरी हो तो ही घर से निकले अन्यथा घर पर ही रहें। जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेश गोयल ने बताया कि उपायुक्त के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा लोकडाउन के दौरान जिले में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से प्रत्येक जरूरतमन्द को भोजन पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा अकेला अथवा लावारिस मिलता है तो तुरन्त जिला बाल कल्याण समिति अथवा पुलिस को सुचित करें। बच्चे से सबन्धित किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना अथवा शिकायत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें ताकि उस बच्चे की सुरक्षा एवं पुर्नवास के उचित इन्तजाम किए जा सकें।

हाउसजॉय ने गुरुग्राम और नोएडा में घरों के रखरखाव की सेवाएं शुरू की

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रमुख टेक-चालित कंस्ट्रक्शन, रेनोवेशन, इंटिरियर्स और होम मेंटेनेंस कंपनी हाउसजॉय ने गुरुग्राम और नोएडा में आवश्यक रखरखाव सेवाओं को फिर से शुरू किया है। कोविड 19 के प्रकोप के साथ, अधिक से अधिक लोग अपने घर के रखरखाव की जरूरतों के लिए वन-स्टॉप समाधान प्राप्त कर रहे हैं। यह अधिक इसलिए है क्योंकि लॉकडाउन के परिणामस्वरूप कई सेवा प्रदाताओं को दुकान बंद करनी पड़ी हैं।

इस बारे में बात करते हुए, संचित गौरव, संस्थापक और सीईओ, हाउसजॉय ने कहा, कम अवधि के बाद, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि गुरुग्राम और नोएडा में हमारी सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। हमें पहले ही इन क्षेत्रों में बुनियादी रखरखाव सेवाओं के लिए कई कॉल प्राप्त हुई हैं और घर की सफाई, एसी सर्विसिंग और मरम्मत की मांग भी बढ़ी हुई है। 21 दिनों से चल रहे लॉकडाउन को देखते हुए, इन क्षेत्रों के निवासियों को आवश्यक सेवाएं प्राप्त करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उन्हें अब चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम उनकी सेवा में हैं। हमारे ग्राहकों की सुरक्षा हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है और हमारे सभी विशेषज्ञों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी किट को साफ करें, अपने हाथों को बार-बार धोएं और यदि किसी के घर जाएं तो दस्ताने और मास्क पहनें। हमने पहला कदम उठाया है और सामान्य स्थिति में जल्दी लौटने और समय के साथ अन्य क्षेत्रों में फिर से तेजी लाने के लिए तत्पर हैं।

गुरुग्राम और नोएडा प्रशासन से मंजूरी मिलने के बाद, हाउसजॉय एसी सर्विसिंग और मरम्मत, घर की सफाई, किट नियंत्रण, उपकरणों की मरम्मत, प्लंबिंग और इलेक्ट्रिकल जैसी सेवाओं की पेशकश करेगी। हाल ही में जो स्वास्थय महामारी की शुरुआत हुई है, उसे देखते हुए सफाई संबंधी सेवाओं की भारी मांग हैं। दिल्ली और गाजियाबाद में सेवाएं अभी भी जारी हैं।

हाउसजॉय ने हाल ही में सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ करने के लिए कर्नाटक राज्य में धुएं द्वारा सेवाएं प्रदान करना शुरू किया। इस पहल के माध्यम से, ब्रांड कोविड 19 के प्रकोप के खिलाफ चल रही लड़ाई में राज्य का समर्थन कर रहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2020

ऑटो, टैक्सी व ई रिक्शा वालों को 5-5 हजार देगी सरकार

मुख्यमंत्री केजरीवाल का ऐलान, कहा- दिल्ली में 10 लाख लोगों को रोज भोजन कराने का किया है इंतजाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन के कारण शहर में ऑटो रिक्शा, टैक्सी, ग्रामिण सेवा, आरटीवी और ई-रिक्शा सहित सार्वजनिक परिवहन वाहनों के चालकों को पांच-पांच हजार रुपए की आर्थिक सहायता देगी दिल्ली सरकार मदद देगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस काम को पूरा करने के तरीके के बारे में विचार कर रही है क्योंकि इनके चालकों के बैंक खाते सरकार के परस उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के पास रोजगार, पैसा और छत नहीं है, उनके लिए दिल्ली सरकार ने विभिन्न स्थानों पर 2800 भोजन केंद्र खोल कर 10 से 12 लाख लोगों को मुफ्त खाना मुहैया

वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए प्रेस वार्ता करते सीएम केजरीवाल।

कराने की व्यवस्था कर रही है। अभी रोजाना 6 लाख से अधिक लोगों को खाना खिला रही है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कुद दिन पहले ऑटो, टैक्सी और आरटीवी वालों ने संपर्क कर बताया कि लॉकडाउन के चलते उनकी रोजी-रोटी का कोई साधन नहीं। ऐसे में परिवार भूखमरी की कगार पहुंच गया है। उन्होंने सरकार से मदद की गुहार लगाई थी।

इस पर उन्होंने उन सभी को भरोसा दिया कि वे लोग उनके भाई की तरह हैं। दिल्ली का एक-एक व्यक्ति उनका अपना है। वह किसी भी व्यक्ति को भूखा नहीं सोने देंगे।

जैसे अन्य लोगों का मदद कर रहे हैं, उसी तरह ऑटो, आरटीवी, ग्रामीण सेवा और टैक्सी समेत सभी सार्वजनिक सेवा से जुड़े लोगों के लिए सरकार योजना बना रही है। सरकार के सामने एक समस्या यह आ रही है कि बहुत सारे लोगों के बैंक खाना नंबर नहीं है। सभी लोगों के बैंक खाता नंबर कैसे लिए जाएं, इसकी व्यवस्था की जाएगी। इसके बाद सभी के बैंक खाते में 5-5 हजार रुपये सरकार डाल देगी।

यह सरकार की जिम्मेदारी है कि अपने गरीबों का ख्याल रखे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 1 अप्रैल को करीब 6 लाख लोगों को दोपहर और रात का खाना खिलाया गया। यह प्रक्रि या आगे भी जारी रहेगी। 1 अप्रैल को दिल्ली सरकार ने करीब 1,423 केंद्रों पर 585386 लोगों को दोपहर का और 579162 लोगों को रात में खाना दिया। सरकार के पास दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से भोजन के लिए फोन भी आ रहे हैं। 0बुधवार को विभिन्न स्थानों से भोजन के लिए 1367 कॉल आई हैं। इन्हें भी दिल्ली सरकार ने खाना मुहैया करह्वाया।

उन्होंने 31 मार्च को ऐलान किया किया था कि उनकी सरकार 1 अप्रैल से रह्वोजाना 10 से 12 लाख लोगों को खाना खिलाने की व्यवस्था कर रही है। सरकार करीब 2800 केंद्र बना रही है और प्रत्येक केंद्र पर प्रतिदिन 500-500 लोगों के खाने की क्षमता है। प्रतिदिन करीब 2,500 स्कूलों और 250 रैन बसेरों में 500-500 लोगों को भोजन वितरित करना शुरू कर दिया।

स्कूलों-रैन बसेरों में दिया जाएगा खाना

अभी 3.5 से 4 लाख लोगों को भोजन दे रहे थे। उनकी जानकारी में आया है कि केंद्रों पर लोग भीड़ लगा रहे थे। इसलिए और केंद्र बनाने का फैसला किया। लिहाजा, इसकी क्षमता बढ़ा कर अब 10-12 लाख लोगों को खाने खिलाने की करेंगे। ताकि उन्हें भोजन की तलाश में मीलों पैदल न चलना पड़े। दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों और रैन बसेरों को भोजन वितरण का केंद्र बनाया है। उन्होंने लोगों से सामाजिक दूरी, सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने की अपील की है।

राजधानी में सीएपीएफ की 100 कंपनियां हुई तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर जारी लॉकडाउन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में सीएपीएफ की तैनाती बढ़ाते हुए सौ कंपनियों को तैनात किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को आदेश जारी कर दिल्ली में लॉकडाउन के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए इन कंपनियों में करीब 10,000 जवानों की तैनाती बढ़ा दी है। सीएपीएफ की एक कंपनी में करीब 100 जवानों की क्षमता होती है।

अधिकारी ने बताया कि फरवरी से अलग-अलग बैचों में राष्ट्रीय राजधानी में इन इकाइयों को तैनात किया गया था। तैनाती 15 अप्रैल तक

के लिए बढ़ाई गई है। इन 100 कंपनियों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 41, दृरुत कार्य बल (आरएएफ) की 7, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 17, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की 6, सशस्त्र सीमा बल की 16 और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 13 कंपनियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए 24 मार्च को 21 दिन के बंद की घोषणा की थी।

जमातियों की तलाश कर रही दिल्ली पुलिस

फायर ब्रिगेड-एमसीडी कर्मियों ने किया मरकज के इलाके-थाने को सैनिटाइज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तबलीगी जमात के प्रमुख मौलाना साद का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। मौलाना के साथ ही उसके 6 जमातियों को भी दिल्ली पुलिस तलाश कर रही है। इन लोगों के खिलाफ निजामुद्दीन थाने में प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

पूरे मामले की जांच अपराध शाखा कर रही है। इस बीच फायर ब्रिगेड, एमसीडी कर्मियों ने मरकज निजामुद्दीन के आसपास के इलाके व थाने को सैनिटाइज किया। दिल्ली अग्निशमन विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि पूरे इलाके में कीट नाशक का छिडकाव करने की मुहिम बृहस्पतिवार से शुरू की गई है। अतुल गर्ग ने बताया कि दमकलकर्मियों को मास्क और दस्ताने उपलब्ध कराकर इस अभियान में लगाया गया है। निजामुद्दीन स्थित मरकज में 108 लोग अब तक कोरोना से संक्रमित पाये गये हैं।

लापता मौलाना साद का यू-टर्न, साथ देने की अपील

नई दिल्ली। तबलीगी जमात के दिल्ली प्रमुख मौलाना मोहम्मद साद ने यू-टर्न लिया है। लापता चल रहे मौलाना ने ऑडियो संदेश जरिए खुद को क्वारंटाइन करने की जानकारी दी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि लॉकडाउन में सरकार के आदेश का पालन करें। मौलाना ने यह भी अपील की है कि मरकज में आए लोग अपने-अपने जिले के अधिकारियों और डॉक्टर के पास जाकर उनका सहयोग करें। नए ऑडियो संदेश में मौलाना साद ने खुद के दिल्ली में और क्वारंटाइन होने का दावा किया है। साद ने जमात के सभी सदस्यों से अपील कि है कि वे सरकारी आदेश और कानून का पालन करे। मस्जिदों में न जाएं, कहीं भी भीड़ जमा न करें।

चरक पालिका अस्पताल में बना आइसोलेशन वार्ड

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जंग की तैयारी नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने तेज कर दिया है।

एनडीएमसी के स्वास्थ्य विभाग ने नई दिल्ली के मोती बाग में चरक पालिका अस्पताल में आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष रूप से छह बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाया है।

इसके अलावा अस्पताल में कुल 156 बेड की सेवाएं भी मुहैया करा रहा है। यहां चौबीस घंटे आपातकालीन सेवाएं भी उपलब्ध हैं। एनडीएमसी के अनुसार चरक पालिका अस्पताल में 27 से अधिक जनरल ड्यूटी मेडिकल अफसर भी तैनात हैं। विभिन्न डिस्पेंसरीयों में तैनात जीडीएमओ को यहां और पालिका मैटरनिटी हॉस्पिटल में आपातकालीन ड्यूटी पर लगाया जाता है।

संक्रमित पाए गए लोगों की सोसायटी सील

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतम बुद्ध नगर में कोरोना वायरस से संक्रमित 10 मरीज मिलने के बाद जिला प्रशासन ने उन जगहों को सील कर दिया है। जहां पर यह लोग रहते थे। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग उन कॉलोनियों को सैनिटाइज भी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, कोरोना वायरस से बुधवार को 10 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने की थी। जिसके बाद गौतम बुद्ध नगर में एक दिन में सबसे अधिक लोगों के संक्रमित होने के मामले मिले थे।

इससे पहले एक दिन में नौ मरीजों की पुष्टि की जा चुकी है। गौरतलब है कि नए मरीजों में से आठ सेक्टर 135 स्थित कंपनी के लोगों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से संक्रमित

हुए। कोरोना वायरस से बीमार हुए 32 लोगों का जुड़ाव इस कंपनी से है। गौतम बुद्ध नगर में अब मरीजों की संख्या 48 पहुंच चुकी है। दो मरीजों में संक्रमण का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर में कोरोना वायरस से संक्रमित बुधवार को 10 मरीज मिले थे। जिनमें सेक्टर 74 स्थित सुपरटेक सोसायटी में एक, ग्रेटर नोएडा स्थित पालम ओलंपिया गौर सिटी.2 सोसायटी में 4, नोएडा के सेक्टर 22 स्थित चौड़ा गांव में 2 तथा नोएडा के सेक्टर 37 और सेक्टर 28 में तीन मरीज शामिल हैं।

जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि उप जिलाधिकारी दादरी राजीव राय ने एक अप्रैल से तीन अप्रैल तक तत्काल प्रभाव से इन सोसायटी, गांवों और सेक्टरों को सील कर दिया है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन द्वारा इन सोसायटी, गावों और सेक्टरों को सेनेटाइजेशन का काम शुरू हो गया है। वहीं जांच केंद्रों से 34 रिपोर्ट आई। जिले में 317 कोरोना पीड़ित, संदिग्ध भर्ती और निगरानी में हैं। इनमें जीबीयू स्थित अंबेडकर हॉस्टल में 97, चाइल्ड पीजीआई में 22, सेक्टर.39 में 183 व जिम्स में 18 मरीज भर्ती हैं।

'लॉकडाउन का करें सख्ती से पालन : जिलाधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोविड-19 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने कहा कि लॉकडाउन का पालन करे। यदि 0.1 प्रतिशत भी संक्रमण का शिकार होता है और उसकी जानकारी नहीं दी जाती। तो समस्या बड़ी हो सकती है।

जनपद में कोविड-19 के 48 मरीज है। इसमे छह मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। 42 सक्रिय मरीज है जिनका इलाज जिम्स व चाइल्ड पीजीआई में किया जा रहा है। डीएम ने बताया कि शहर में दो और उससे अधिक हॉट स्पॉट तय किए गए

प्रेसवार्ता को संबोधित करते डीएम सुहास एलवाई और सीएमओ एपी चतुर्वेदी

है। जहां से संक्रमण फैला है। इन हॉट स्पॉट और जहा भी संक्रमित मरीज मिले है। उनके लिए अलग से अधिकारियों की टीम काम कर रही है। हिस्ट्री के आधार पर लोगों को ट्रेक किया जा रहा है। एक चेन तैयार की जा रही है इस आधार पर नमूने लेकर जांच की जा रही है। कम्यूनिटी स्प्रेड नहीं है। जितने भी है सभी को ट्रेक किया जा चुका है।

ग्रीवेंस कॉल सेंटर से लोगों को मिलेगी सहुलियत

डीएम सुहास एलवाई ने बताया कि आगामी 48 घंटो के अंदर एक ऐसा सेटअप या कॉल सेंटर बनाने जा रहे हैं। जिसमे शहरवासियों को बेहतर सुविधा मिल सकेंगे। इसमें हर विभाग के प्रोफेशनल की टीम होगी। जिसमे काउंसलिंग भी की जाएगी। इसके अलावा डाक्टरों का एक टीम और ट्रैकिंग टीम के लोग भी रहेंगे। नंबर पर फोन करने के बाद विकल्प दिए जाएंगे। इन विकल्पों को चुनने के बाद आप अपनी समस्या ग्रीवेंस सेल तक पहुंचा सकेंगे। इस कॉल सेंटर से 14 रैपिड एक्शन टीम को भी जोड़ा जाएगा।

गाजियाबाद में एक और मरीज निकली कोरोना पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सीजफायर कंपनी के पॉजिटिव कर्मचारियों के संपर्क में आने वाले लोगों में भी कोरोना वायरस के संक्रमण मिलने शुरू हो गए हैं। इसी कड़ी में एक और युवती में कोरोना पॉजीटिव की पुष्टि हुई है। युवती वसुंधरा क्षेत्र की रहने वाली है।

अब तक जिले में कोरोना पॉजीटिव मरीजों की संख्या नौ पहुंच गई हैं। इनमें से दो मरीज ठीक हो चुके हैं तो वहीं बाकी मरीजों का इलाज दिल्ली व जिला अस्पताल में चल रहा है। नोएडा की सीजफायर कंपनी के कर्मचारियों में पॉजीटिव मामले सामने के आने स्वास्थ्य विभाग ने उनके संपर्क में आने वालों की तलाश शुरू की थी। कर्मचारियों की संख्या 17 थी जिसमें से अब तक चार लोगों में कोरोना पॉजीटिव होने की पुष्टि हो चुकी है। जिला संक्रामक रोग नियंत्रण विभाग के नोडल प्रभारी डॉ. ज्ञानेन्द्र मिश्रा ने बताया कि एक ओर युवती में कोरोना पॉजीटिव की पुष्टि हुई है। यह युवती सीज फायर कंपनी में कार्यरत एचआर मैनेजर के साथ कैब शेयर करती थी।

संक्षिप्त समाचार

सुपरटेक ने अपने मजूदरों को खिलाया खाना

नोएडा। सुपरटेक लिमिटेड कोरोनावायरस से लड़ने में नोएडा प्रशासन का कंधे से कंधा मिलाकर साथ दे रहा है। मजदूरों को बाहर जाने से रोकने के लिए कंपनी ने अपनी सभी साइट पर भोजन की व्यवस्था की है। सोशल डिस्टेंस को मेंटेन करते हुए सुपरटैक कैपटाउन प्रोजेक्ट,

लिविंगस्टन साइट, इको विलेज अप कंट्री प्रोजेक्ट, रोमानो प्रोजेक्ट आदि साइट पर भोजन की व्यवस्था की है। हर प्रोजेक्ट में काफी संख्या में मजदूर भोजन के लिए आ रहे हैं, भोजन देने के लिए कंपनी ने सारे कर्मचारियों को कुछ विशेष सावधानियां बरतने का निर्देश दिया है। कंपनी ऑफिस को नियमित तौर पर सैनिटाइज किया जा रहा है साथ ही कर्मचारियों को मास्क लगाने की सलाह दी गई है। कंपनी के चेयरमैन आरके अरोड़ा ने बताया कि कोरोनावायरस से बचाव के लिए कंपनी द्वारा सभी उपाय किए गए हैं साथ ही लोगों को हर स्तर पर जागरूक किया जा रहा है।

राशन नहीं देने पर किया हंगामा

राशन ना मिलने पर प्रदर्शन करते लोग।

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन स्थित एक सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानदार पर राशन देने से मना करने के आरोपी लगाते हुए राशन कार्ड धारकों ने दुकान के बाहर हंगामा किया। कार्डधारकों का कहना है कि शटडाउन का फायदा उठाकर उसे काला बाजार में बेचने की फिराक में है। जानकारी के अनुसार बी-160 विक्रम एनक्लेव वार्ड 37 पप्पू कॉलोनी शालीमार गार्डन में एक सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान है। राशन कार्ड धारक महिलाओं का आरोप है कि इस संबंध में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग गाजियाबाद के अधिकारियों की चुप्पी दुकानदारों के मनोबल को बढ़ा रही है।

कोरोना संकट में रेलवे से जुड़े वेंडरों ने मांगी मदद

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशनों पर खाने के स्टॉल लगाने वाले वेंडरों ने कोरोना वायरस के चलते ठप हुए धंधे की चोट से उबरने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री पीयूष गोयल से मदद मांगी है। अखिल भारतीय रेलवे खानपान लाइसेंस वेलफेयर एसोसिएशन ने पीएम मोदी से अनुरोध किया है कि उन्हें वेंडरों की लाइसेंस फीस में छूट दी जाए, क्योंकि रेलसेवा रुकने से देशभर के स्टेशनों पर उनका काम भी बंद हो गया है।एसोसिएशन के अध्यक्ष राजिंद्र गुप्ता ने कहा कि छोटे वेंडरों ने लाइसेंस फीस के तौर पर अच्छी-खासी रकम जमा कराई है। इसलिए इन वेंडरों की फौरन मदद की जाए और लाइसेंस फीस व रेलवे को दी जाने वाली 18 प्रतिशत जीएसटी माफ की जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना से उत्पन्न हुए इस महा संकट में जिस तरह वित मंत्रालय ने कमजोर तबकों की मदद के लिए पैकेज का ऐलान किया है, उसी तरह रेलवे स्टेशनों पर खानपान के धंधे से जुड़े लाखों वेंडरों की सहायता के लिए कदम उठाया जाए।

गांव रईसपुर में बाहरी लोगों की एंट्री बंद

गाजियाबाद। गांव रईसपुर में बाहरी लोगों की एंट्री बंद हो गई है। गांव के लोगों ने मुख्य रास्ते को रस्सी और लकड़ी के लठ्ठे तथा वाहन खड़ा कर रास्ता बंद कर दिया। इस गांव में आने-जाने के लिए तीन और भी रास्ते है। इन सभी रास्तों पर गांव वालों ने पहरा और बैठा दिया है। गांव में यह कसरत कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता के महत्व को बता रहा है। गांव वालों का कहना है कि लॉकडाउन तक गांव में बाहरी लोगों की एंट्री पूरी तरह से बंद रखी जाएगी।

छत पर नमाज पढ़ने के आरोप में मौलवी समेत बारह लोग गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लॉकडाउन के दौरान सेक्टर-16 की जेजे कॉलोनी के एक घर की छत पर सामूहिक रूप से लोगों को नमाज पढ़वाने के आरोप में पुलिस ने मौलवी समेत बारह नमाजियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक, कोरोना लॉकडाउन के दौरान सोशल मीडिया पर बुधवार शाम करीब 6 बजे एक वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में कुछ लोग छत पर नमाज पढ़ते हुए नजर आ रहे थे। पुलिस जांच में पता चला कि वीडियो नोएडा के सेक्टर-16 की जेजे कॉलोनी का है। इसके बाद नोएडा पुलिस ने तुरंत इस पर कार्रवाई करते हुए धारा-144 और लॉकडाउन का उल्लंघन करने के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।,

पुलिस ने गुरुवार को इस सिलसिले में सभी को गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब है कि 25 मार्च से देशभर में लॉकडाउन लागू है। इसमें लोगों के बिना उचित कारण घरों से बाहर निकलने और एकत्रित होने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

काला बाजारी के आरोप में दुकानदार पर मामला दर्ज

गाजियाबाद। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते लॉकडाउन के दौरान हो रही कालाबाजारी पर अंकुश के लिए जिला प्रशासन के डिकॉय स्क्वायड ने क्रॉसिंग रिपब्लिक में एक स्टोर में छापा मारा और कालाबाजारी पकड़ी है।

अरहर की दाल व काले चने की कीमत सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यों से ज्यादा वसूली करने पर दुकानदार के खिलाफ विजय नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिलाधिकार ने बताया कि कुछ जमाखोरों व कालाबाजारी पर अंकुश के लिए डिकॉय कस्टमर का स्क्वायड गठित किया गया है।

मरीजों का इलाज जारी रखे निजी अस्पताल : डीएम

- मरीजों को उपचार देते समय रखें सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिला अधिकारी अजय शंकर पांडेय ने निजी चिकित्सालयों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

डीएम ने कहा है कि निजी चिकित्सालय न केवल क्रियाशील रखें जाएं, बल्कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मरीजों को उपचार भी दिया जाए। बता दें कि

जिला अधिकारी अजय शंकर पांडेय

निजी चिकित्सालयों में मरीजों को उपचार नहीं मिलने की शिकायतों के बाद प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने सभी जिलाधिकारियों को आदेश जारी किए हैं। उन्होंने इस प्रकार की शिकायतों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश जिलाधिकारियों को दिए हैं। इस संबंध में जारी शासनादेश का हवाला देते हुए जिलाधिकारी ने निजी चिकित्सालयों के प्रबंधकों को निर्देश जारी कर कहा है कि सभी चिकित्सकीय उपकरण क्रियाशील रखे जाएं।

डीएम ने आदेश दिए हैं कि एक निश्चित समयावधि के लिए चिकित्सालय में चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करें। जिला अधिकारी ने इन चिकित्सालयों को स्पष्ट आदेश दिए हैं कि शिकायत मिलने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बाहर से आए लोगों पर नजर रखेगीं आशा बहनें

कोरोना वायरस से बचाव और रोकथाम की देंगी जानकारी, मिलेगी अतिरिक्त राशि

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम को लेकर पूरे देश में किये गए लाक डाउन के बीच दूसरे राज्यों और जनपदों से गाँव लौट रहे लोगों की आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से ट्रैकिंग कराई जाएगी।

सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बताया इस संबंध में प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजकर इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। इस काम के लिए आशा कार्यकर्ताओं को अप्रैल और मई में एक-एक हजार रुपये अतिरिक्त प्रतिपूर्ति राशि दी

सीएमओ डॉ. एन.के गुप्ता

जाएगी। आशा संगिनी को भी इस दौरान क्षेत्र के प्रति अतिरिक्त भ्रमण पर 100 रुपये और अधिकतम 500 रुपये प्रतिमाह दिए जायेंगे।

आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने क्षेत्र के सभी घरों का भ्रमण करें और ऐसे घरों को चिन्हित करें (लाइन लिस्टिंग) जहाँ 14 दिनों के भीतर अन्य राज्यों या शहरों से लोग आये हैं। ऐसे लोगों की भी लाइन लिस्टिंग करें जो किसी कोरोना संक्रमित के संपर्क में आये हों। ऐसे लोगों व परिवारों की सूची आशा कार्यकर्ता आशा संगिनी के माध्यम से ब्लाक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम) को दें, जिसे वह अपलोड करेंगे ताकि उसको ब्लाक, जिला व मंडल से लेकर प्रदेश स्तर तक के अधिकारी देख सकें। इसके अलावा वह कोरोना के संदिग्ध केसों की पहचान कर समय से रेफर करने का भी काम करेंगी। होम क्वेरेनटाइन किये गए लोगों का फालो-अप करेंगी।

आशा कार्यकर्ताओं पिछले 15 दिनों के भीतर बाहर की यात्रा करने वालों पर भी नजर रखेंगी। इसके साथ ही 60 साल से अधिक उम्र के लोगों और पहले से ही डायबिटीज, हाईपरटेंशन, हृदय और स्वसन सम्बन्धी बीमारी से ग्रसित लोगों के घरों का प्राथमिकता पर भ्रमण करेंगी। ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं को प्रतिदिन 25 से 30 घरों का भ्रमण करना होगा ताकि आठ कार्य दिवसों में वह अपने कार्यक्षेत्र का गृह भ्रमण पूर्ण कर सकें। शहरी क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं को 16 कार्यदिवसों में अपने कार्य क्षेत्र में गृह भ्रमण का कार्य पूर्ण करना है। यदि किसी कार्य क्षेत्र में आशा नहीं हैं तो अन्य किसी कर्मी/वालंटियर के द्वारा कार्य कराया जाएगा। इसके अलावा संदिग्ध केसों के घरों का फालो-अप करेंगी,।

मृतक के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस परिवार को उपलब्ध कराया राशन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- लॉकडाउन के कारण बुजुर्ग को कांधा देने नहीं पहुंच सके अपने

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस लॉकडाउन में मरने वाले को अपनों के चार कंधे तक नसीब नही हो रहे हैं। ऐसा ही मामला गाजियायाबाद के शालीमार गार्डन चौकी क्षेत्र में सामने आया है। जहां एक बुजुर्ग की मौत होने के बाद जब उसका कोई अपना नहीं पहुंचा तो ऐसे में पुलिस ने आगे आते हुए उसका अंतिम संस्कार कराया।

इतना ही पुलिस ने घर में रह रहे लोगों को राशन भी उपलब्ध कराया। शालीमार गार्डन पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने यह कार्य करते हुए मानवता की एक अनोखी मिसाल पेश की है।

आपने हमेशा खाकी पर पैसे लेने की तस्वीरें देखी होंगी, लेकिन गाजियाबाद के साहिबाबाद थाने की शालीमार गार्डन पुलिस चौकी चौकी के इंचार्ज शशि चौधरी और कांस्टेबल सौरभ सोलंकी ने एक बेटी की पीड़ा सुनकर इस तरह मदद की जैसे कोई अपने परिवार की करता है। हुआ यूं कि 93 साल के रामेश्वर का लंबी बीमारी के बाद बुधवार दोपहर निधन हो गया था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

गुरुवार को गुरुग्राम में लॉकडाउन रहा ढीला, आवाजाही बढ़ी

प्रशासन ने लॉकडाउन में किसी तरह की ढील से किया इंकार

लोग घरों से बाहर निकलकर ले रहे हैं मुसीबत मोल

अभी लॉकडाउन 14 तक है, कोई बाहर निकलकर रिस्क न लें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुवार को मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में लॉकडाउन कुछ ढीला नजर आया। मतलब लोगों की सड़कों पर आवाजाही पहले के कुछ दिनों के मुकाबले काफी अधिक रही। जगह-जगह पर लगाए गए पुलिस नाकों पर भी पुलिस तैनाती की बजाय एक तरफ आराम फरमाती नजर आई। रास्ते से बैरिकेड भी हटे हुए थे।

वहीं इस बारे में सरकारी प्रवक्ता ने किसी भी तरह की ढील दिए जाने से इंकार किया है। गुरुग्राम में गुरुवार का माहौल कुछ बदला-बदला सा नजर आया। यहां लोगों की काफी आवाजाही सड़कों पर रही। लॉकडाउन के बीच पूरी तरह घरों में रहने की बजाय लोग बाहर ही घूमते दिखाई दिए।

यह नजारा सुबह से लेकर शाम तक ही रहा। लोग स्कूटी, बाइक व गाड़ियों में इधर-उधर घूमते रहे। बहुत से लोगों को हो सकता है काम हो, लेकिन बहुत से लोग तो घरों से निकलकर अपने दोस्तों यहां जाकर, सड़कों के किनारे बतियाते नजर आए। पिछले कुछ दिनों से सुनसान रहने वाली सड़कों पर गुरुवार को वाहन चलते ही रहे। गुरुग्राम में कोरोना संक्रमण के 10 में से 9 मरीज ठीक हो चुके हैं। यह तो बड़ी उपलब्धि है, लेकिन अभी भी ऐहतियात बरतनी जरूरी है। इस तरह से लोगों का बाहर निकलकर घूमना किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकता।

लॉकडाउन में नहीं दी गई है छूट

लोगों की सड़कों पर आवाजाही को लेकर जब सरकारी प्रवक्ता से बात की गई तो उन्होंने ऐसे किसी भी निर्णय, आदेश से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन पूरी तरह से है। किसी तरह की छूट नहीं दी गई है। जरूरी सामान, दवाओं समेत कुछ श्रेणियों को छोड़कर सभी की आवाजाही पर रोक है।

दिल्ली निजामुद्दीन में मरकज से भागे 10 संदिग्ध गुरुग्राम में पकड़े

दिल्ली की इस घटना ने पूरे देश को कर दिया है स्तब्ध

गुरुग्राम। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में बनी मकरज इमारत में तब्लीगी जमात में शामिल होने के बाद वहां से फरार हुए 10 संदिग्ध लोग गुरुग्राम में पकड़े गए हैं। उन्हें यहां नागरिक अस्पताल में जांच के बाद क्वारंटाइन में रखा गया है, ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर ऐहतियात बरतते हुए उसके फैलने का अंदेशा कम हो सके। गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि थाना स्तर पर टीमें बनाकर और भी संदिग्धों की पहचान की जा रही है।

इस मकरज इमारत में से करीब ढाई हजार लोगों के कोरोना संक्रमण के दौर में इकट्ठा होने की घटना ने देश को हिलाकर रख दिया है। इनमें से पकड़े गए 180 लोगों की जांच में कोरोना संक्रमण पॉजिटिव आया है। इसके बाद से तो तमाम सुरक्षा एजेंसियां, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है और देशवासी गुस्से में हैं। वहां से निकलकर हरियाणा में भी काफी लोग प्रवेश कर गए हैं। सरकार ने भी अपने सूचना तंत्र की रिपोर्ट के आधार पर कहा है कि इन्होंने यहां फर्जी पते पर अपने पहचान पत्र बनाकर रह रहे हैं। सतर्कता बरतते हुए गुरुग्राम पुलिस पूरे जिले में जांच कर रही है। बुधवार रात को पुलिस टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों से छापेमारी करके 10 संदिग्ध लोगों को पकड़ा। ये सभी दिल्ली की उस जमात में शामिल होकर आए थे। कई लोग इन लोगों के सम्पर्क में भी ये आ चुके हैं। पुलिस ने सभी लोगों से प्राथमिक पूछताछ के बाद जिला के स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम ने सभी लोगों को लिया और सेक्टर-10ए स्थित नागरिक अस्पताल पहुंची।

मस्जिदों, मुस्लिम क्षेत्रों में की गई पूछताछ

पुलिस की ओर से किसी भी तरह का रिस्क न लेते हुए गुरुवार को गुरुग्राम की सभी मस्जिदों में पूछताछ की गई कि दिल्ली से कोई व्यक्ति आकर यहां तो नहीं ठहरा है। मस्जिदों के अलावा मुस्लिम बाहुल इलाकों पालम विहार, धर्म कॉलोनी, सराय अलावर्दी समेत कई क्षेत्रों में जाकर पूछताछ की गई।

संक्षिप्त समाचार

जीएमसीबीएल की सीईओ सोनल गोयल ने खाना वितरित किया

गुरुग्राम। कोरोना वायरस संक्रमण पर नियंत्रण के लिए किए गए लॉकडाउन के दौरान असहाय व श्रमिकों संकट की घड़ी में सहयोग करने के लिए गुरुग्राम मेट्रोपोलिटिन सिटी बस लिमिटेड (जीएमसीबीएल) की सीईओ सोनल गोयल ने अपने सहयोगियों के साथ स्लम एरिया, कादीपुर पावर हाउस, सेक्टर्स तथा औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-37 में असहाय व श्रमिकों को सब्जी एंव राशन वितरित किया। सोनम गोयल ने कहा कि जरुरतमंद लोगों को सलम एरिया व अन्या स्थानों पर 600 लोगों को सामान, राशन व सब्जी वितरित की गई। इसमें हाथ धोने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, टूथपेस्ट, ब्रश, शैंपू, हेयर ऑयल, सेनिटाइजर, मॉस्क, आटा व दाल आदि दैनिक जरुरत का सामान दिया गया। जिससें लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। वे लॉकडाउन में घर से बाहर ना निकले। सोनल गोयल ने कहा कि जीएमसीबीएल द्वारा मोबाइल ग्रासरी शॉप भी चलाई जा रही है। जो लोगों को होम डिलिवरी करती है। जीएमसीबीएल हर नागरिक का सहयोग करने के लिए संकल्पित है। किसी को भी लॉकडाउन में परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सभी जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बदरवाल समूह ने जरूरतमंदों को बांटा राशन

गुरुग्राम। बदरवाल राहत सामग्री किट के संस्थापक सुशील भारद्वाज ने सेक्टर-57 में जरुरतमंद लोगों को राशन वितरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी नागरिक लॉकडाउन का केवल अर्थ ही नहीं, बल्कि इसके उद्देश्य ही समझें। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान घरों में रहते हुए भी मन, वाणी और शरीर से विवेकपूर्णसंयम से काम लेना होगा। संयम ही इस समस्या का समाधान है। सरकार द्वारा जारी कि गई एडवाईजरी का पूर्ण रुप से पालन करें। सुशील भारद्वाज ने बताया कि उनकी संस्था लॉकडाउन के बाद से अभी तक 25 हजार जरूरतमंद लोगों को 5 किलो आॅटा, दो किलो दाल, एक किलो सिरसों का तेल, आधा किलो रिफाइंड आॅयल का पैकेट, एक किलो नमक का पैकेट, दो किलो चीनी, चाय पत्ती के पैकैट, व रसोई के लिए मसालों के पैकैट दिए गए है। उन्होंने बताया कि इसके साथ-साथ 600 लोगों को लिए पका हुआ खाना बनवाकर जरुरतमंद लोगों को बटवाया जा रहा है। जिसमें पूरे वजीराबाद के ग्रामीणों का सहयोग मिल रहा है।

जनता को जन सेवा करते देख राम राज्य का अहसास

गुरुग्राम। गुरुवार को राम नवमी के मौके पर गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि जनता को जनता की सेवा करते देख राम राज्य का अहसास हो रहा है। यही हमारी संस्कृति है। चाहे हम कितने भी ऊंचे उठ जाएं, लेकिन अपनी संस्कृति, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। आज जो समाजसेवा का रूप नजर आ रहा है, वह इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि हम न तो कर्म में किसी से पीछे हैं और न ही धर्म में। कोरोना वायरस के भय के माहौल के बीच समाजसेवियों की फौज को उन्होंने कहा कि कोरोना को खत्म करने के साथ ही यह युद्ध खत्म होगा। यह एक तरह से तीसरा विश्व युद्ध है और इसमें पूरी दुनिया लड़ रही है। दुनिया में नाम कमाने वाले गुरुग्राम शहर के लोग भी इस युद्ध में अग्रणी हैं। गुरु द्रोण की नगरी के लोगों ने दिखा दिया है कि चाहे कितना भी बड़ा संकट क्यों न आ जाए, हम उसके आगे पहाड़ बनकर खड़े हो सकते हैं। इस संकट की घड़ी में भी किसी को भूखा नहीं मरने दे रहे। हर मुंह तक निवाला पहुंचा रहे हैं और हर बीमार तक दवा। वंचितों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जा रही।

लॉकडाउन में लार्क टेक्नोलॉजी की लें निशुल्क सेवाएं

गुरुग्राम। सिंगापुर स्थित टेक्नॉलॉजी कंपनी, लार्क टेक्नॉलॉजीज पीटीई लिमिटेड ने घोषणा की कि इसने अपना डिजिटल कोलोब्रेशन सूट लार्क भारत में निशुल्क उपलब्ध करा दिया है। यह सेवा भारत में शैक्षिक संस्थानों, जैसे स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग क्लासेस में प्रारंभ की गई है, जिससे टीचर्स एवं विद्यार्थियों के बीच रिमोट लर्निंग संभव हुई है। इससे वर्क फ्लो का प्रभावशाली तरीके व तीव्रता से प्रबंधन करने में मदद मिल रही है। पूरी दुनिया के व्यवसाय कोविड-19 महामारी के खिलाफ अनेक प्रयास कर रहे हैं, जिसमें यात्रा पर प्रतिबंध, घर से काम करने की अनिवार्यता एवं रिमोट लर्निंग की नीतियां शामिल हैं। लार्क एक मजबूत व इस्तेमाल में आसान कोलोब्रेटिव टूल के रूप में लोगों को कनेक्टेड रहने में मदद कर रहा है।

हेल्पलाइन पर कॉल करके मांग रहे मटर-पनीर और बिरयानी

रेडक्रॉस में मटर-पनीर, बिरयानी की आ रही डिमांड

जरूरतमंदों तक खाना पहुंचा रही है रेडक्रॉस सोसायटी

लोग कह रहे पूड़ी-सब्जी, चावल अच्छे नहीं लग रहे

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

पूरी दुनिया कोरोना संक्रमण के कहर से जूझ रही है और गुरुग्राम में लोगों को सप्लाई किया जा रहा खाना भी उनकी अपनी पंसद का चाहिए। कुछ इसी तरह की डिमांड यहां रेडक्रॉस सोसायटी में हेल्पलाइन पर कॉल करके की जा रही है।

कोरोना संक्रमण महामारी के बीच संसाधनों के अभाव में घरों में रह रहे लोगों, राहत शिविरों में राशन और खाना पहुंचाने का काम रेडक्रॉस द्वारा बड़े स्तर पर किया जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियों से लेकर समाजसेवी संस्थाएं भी रेडक्रॉस के जरिए ही खाना, राशन बंटवा रही हैं, ताकि जरूरतमंदों तक व्यवस्थित तरीके से यह सब पहुंच जाए। वहीं रेडक्रॉस की ओर से हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है, जिसे जहां पर खाना, राशन की जरूरत हो हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके जानकारी दे सकता है। लोगों तक नियमित तौर पर खाना पहुंचाया जा रहा है, लेकिन अब हेल्पलाइन पर ऐसी कॉल आने लगी है जिसे सुनकर हंसी भी आ रही है और हैरानी भी हो रही है।

लोगों को जो खाना दिया जा रहा है, उसे खाकर लोग ऊब गए हैं। इस तरह की बातें लोग हेल्पलाइन पर और रेडक्रॉस के अन्य नंबरों पर कॉल करके कह रहे हैं। साथ ही अपनी डिमांड भी रख रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि जो खाना दिया जा रहा है, इसकी जगह पर मटर-पनीर और नॉनवेज बिरयानी दी जाए।

जो मिल रहा है उसे खाकर करें शुक्रिया

अब आप ही बताइए, संकट की इस घड़ी में जो मिल रहा वह खाकर लोग शुक्रिया नहीं कर रहे। अपनी डिमांड रख रहे हैं। इस माहौल में इस तरह की डिमांड का कोई औचित्य नहीं है। लोगों को समझना चाहिए कि यह दौर हमारे देश और दुनिया के लिए कितना खतरनाक है। लोगों की जान जा रही है। बीमारी ने पूरी दुनिया को अपनी आगोश में ले रखा है। ऐसे समय में हमें इस तरह की बातें कतई शोभा नहीं देती। चाहे किसी ने भी यह कॉल की हों, लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि उन्हें दो वक्त का खाना मिल रहा है। जो मिल रहा है उसे खाकर हमें शुक्राना करना चाहिए। क्योंकि सुदूर इलाकों में बहुत सी जगहों पर लोगों को यह भी नसीब नहीं हो रहा।

सोहना से लगती सभी सीमाओं को किया सील

सोहना से तावडू मार्ग पर जिला नूंह की सीमा पर लगा पुलिस का नाका।

सोहना। दिल्ली की निजामुद्दीन तब्लीगी से जिला नूंह में आने की आशंका को लेकर सोहना से लगती सीमाओं को सील कर दिया है।

सीमाएं सील होने से दो जिले के लोगों को आने व जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। 29 मार्च को निजामुद्दीन मरकज से निकले तब्लीगी सोहना से लगते जिल नूंह में घुसने की आशंका जताई जा रही है। जिसको लेकर गुरुवार सुबह छह बजे से नूंह की तरफसे सोहना आने वाले सभी मार्गों को सील कर दिया। जिला नूंह को सोहना से जाने वाले मार्ग मिंडकौला, नूंह, तावडू को पूरी तरह से सील किया। नूंह जिला की तरफसे सभी प्रकार के वाहनों को सोहना की तरफ आने पर प्रतिबंधित कर दिया। सोहना एसीपी सतेन्द्र सिंह पूरी फोर्स के साथ नाकों पर सर्तकता बरते हुए है। जो क्यूआरटी फोर्स को लेकर प्रत्येक घंटा में नाकों पर चक्कर लगा रहे हैं। सोहना से लगते जिला नूंह के गांव इंडरी, आटा, बारौटा, गांगौली, खेड़ा.खलीलपुर, दुबालू, पीपाका, घुसबैठी, रोजका मेव, बाईका डंडा आदि गांवों में रहने वाले ग्रामीण सुबह छह से नौ बजे तक सोहना का खुलले वाला बाजार में घरेलू सामान की खरीदारी करने के लिए आते है। लेकिन सीमाएं सील होने से इन गांवों के लोगों को सीमा पार नहीं होने दी।

फ्लैट्स की बालकनी में खड़े हो लोगों ने गाए भजन

गुरुग्राम। कोरोना वायरस के प्रकोप से मंदिरों में ताले लटके हुए हैं। नवरात्रों में भी मंदिरों में नहीं पंहुच पाने के कारण नवरात्रों के दौरान माता की पूजा करने के लिए गुरुग्राम में सोसायटी में लोग अपने फ्लैट की बालकनी में खड़े होकर पूजा की थाली सजा कर मां की आरती करते नजर आए। शाम सात बजे आरती के समय सभी लोग अपनी-अपनी बालकनी में आए और मां के भजन गाते हुए पूजा-अर्चना की। यहां सोहना रोड स्थित सेक्टर-48 के सेंट्रल पार्क सोसाइटी हर रोज शाम को यहां पर आरती होती है। सोसाइटी में रहने वाले लोग इसमें अपने अपने फ्लैट की बालकनी में खड़े होकर आरती में हिस्सा लेते हैं और आरती करते हैं। लॉकडाउन में इस तरह नवरात्रों में पुजा करना शहर में इन दिनों में काफी चर्चा में हैं। सेंट्रल पाक्र सोसायटी के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान सब लोग अपने अपने घरों में ही रह रहे हैं। लेकिन सोसाइटी में नवरात्रों के दौरान इस तरह माता की पूजा भी की जा रही है।

सभी ग्राम पंचायत सरपंचों को रात्रि के समय में ठीकरी पहरा लगाने के आदेश

बुधवार-गुरुवार रात्रि में ठीकरी पहरा पर सतर्कता बरतते जिला नूंह के गांव खेड़ाखलीलपुर में ग्रामीण।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

जिला नूंह उपायुक्त पंकज यादव ने सभी ग्राम पंचायत सरपंचों को रात्रि के समय में ठीकरी पहरा लगाने के आदेश जारी किए हैं। ग्राम पंचायतों को जिला से बाहर रहने वाले किसी भी नागरिक को गांव में वापस आने पर रोक लगा देने को कहा है। यदि कोई गांव में रात्रि के समय में आता है तो उसकी सूचना जिला प्रशासन को दी जाएगी।

जिला नूंह में दिल्ली की निजामुद्दीन तब्लीगी से आने की आशंका को लेकर प्रशासन ने पहचान के लिए कमर कस ली है। वहीं उपायुक्त पंकज यादव ने सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों को फरमान जारी करते हुए बाहर से आने वाले किसी भी व्यक्ति को गांवों में आने पर रोक लगा दी है। रात्रि के समय में यदि बाहर से आने वाला कोई व्यक्ति गांव में न आ जाए। इसके लिए ग्राम पंचायतों में रात्रि के समय में ठीकरी पहरा लगाने के आदेश सरपंचों तक पहुंचा दिए हैं।

क्या कहते हैं सरपंच

इंडरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत खेड़ा-खलीलपुर ग्राम पंचायत के सरपंच संतलाल ने बताया कि उनके पास बुधवार को ही ग्राम संचिव के माध्यम से ठीकरी पहरा लगाने के आदेश मिले थे। जो सचिव ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह आदेश भेजे है। संतलाल ने बताया कि बुधवार की रात्रि से ही गांव में ठीकरी पहरा शुरू कर दिया है।

क्या कहते हैं बीडीपीओ

जिला नूंह के इंडरी ब्लॉक बीडीपीओ नरेन्द्र कुमार ने बताया कि उपायुक्त महोदय ने मंगलवार से ही सभी ग्राम पंचायतों में ठीकरी पहरा लगाने के आदेश जारी कर दिए थे। जिनको सभी ग्राम पंचायतों को जानकारी दे दी गई।

उन्होंने बताया कि सरपंचों ने आदेशों पर अमल करते हुए ठीकरी पहरा शुरू कर दिया है। ताकि गांव के निवासी से लेकर किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को गांव में आने नहीं दिया जाए।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई तो खैर नहीं

गुरुग्राम। कोरोना वायरस को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही अपुष्ट सूचनाओं के बारे में दायर जनहित याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने फेक न्यूज पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने के निर्देश राज्य सरकारों को दिए हैं। अदालत के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए सभी जिला वासियों को आगाह किया जा रहा है कि वे अफ्वाह ना फैलाएं, क्योंकि इससे आम जनता में भ्रम की स्थिति पैदा होती है। इन दिनों कोरोना को लेकर लोग तरह तरह की पोस्ट सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं, जिससे आम जनता में भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

41 रेहड़ी मालिकों पर जुर्माना लगाया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना सब्जी मंडी में रेहड़ी मालिक को चालान काटते मार्केट कमेटी का बोली इंस्पेक्टर।

सोहना मार्केट कमेटी विभाग ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले 41 रेहड़ी मालिकों पर जुर्माना लगाया है। रेहड़ी मालिक सब्जी मंडी के अंदर ही सब्जियां बेच रहे हैं।

सोहना की सब्जी मंडी में या बाजार में किसी भी दुकान पर चार या पांच से अधिक एक भी ग्राहक खड़ा न हो। इसके लिए सब्जी मंडी में छोटी दुकानों के खुलने पर प्रतिबंध लगाया है। ताकि सब्जी लेने वाले ग्राहक अधिक संख्या में किसी एक परिसर में न आएं। आम लोगों की सुविधा के लिए मार्केट कमेटी की तरफ से एक सौ के करीब रेहड़ी मालिकों को पास बनाकर दिए हैं। जो अपने-अपने वार्डों में जाकर लोगों को सब्जी बेच सकें, लेकिन रेहड़ी मालिक मंडी से ही सब्जी खरीद करने के बाद वहीं आस पास खड़े हो जाते हैं। ऐसे रेहड़ी मालिकों पर मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने जुर्माना लगाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को एक रेहड़ी मालिक पर जुर्माना लगाया। मार्केट कमेटी के बोली इंस्पेक्टर कैलाश चंद ने बताया कि लॉकडाउन के बीते दस दिनों में अब तक 41 रेहड़ी मालिकों पर जुर्माना लगाया है। जो अपने वार्डों में न जाकर मंडी परिसर में ही लॉकडाउन के नियम का उल्लघन करते हैं।

मार्केट कमेटी फर्रुखनगर के उपाध्यक्ष का गोदाम सील

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरकारी आदेशों की अवहेलना करके चला रहे थे व्यापारिक गतिवधियां

सरकार का हिस्सा होकर भी जो व्यक्ति अपने फायदे के लिए काम करे, उसके खिलाफ सख्ती दिखाई जानी जरूरी है। इसी के चलते गुरुवार को यहां फर्रुखनगर मार्केट कमेटी के उपाध्यक्ष द्वारा व्यापारिक गतिविधियां चलाने जाने के मामले में कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने उनका गोदाम ही सील कर दिया।

बता दें कि लॉकडाउन के कारण व्यापारिक गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक है। अगर ग्रोसरी का काम हो तो उसे करने की छूट है, लेकिन यहां दूसरे किसी सामान की खरीद-फरोख्त नहीं की जा सकती। जबकि व्यापारी एवं फर्रुखनगर मार्केट कमेटी के उपाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता चोरी-छिपे जौ की खरीदारी कर रहा था। उन्हें सरकार के आदेशों की कोई परवाह नहीं थी। जब भी मौका मिलता वह इस काम को कर रहा था। फर्रुखनगर मार्केट कमेटी के चेयरमैन बिरेंद्र यादव के मुताबिक विरेंद्र गुप्ता को पूर्व में कई बार ऐसा करने से रोका जा चुका है, लेकिन वह अपनी आदतों से बाज नहीं आए। सरकार के आदेश सभी के लिए बराबर हैं।

मार्केट कमेटी की ओर से मैसर्स विरेंद्र गुप्ता को नोटिस तक दे दिया गया, लेकिन उन्होंने कोई परवाह नहीं की। रात्रि में वे अपने निजी प्लॉट पर जौ की खरीदारी कर रहे थे। चेयरमैन बिरेंद्र यादव के मुताबिक इसकी सूचना कमेटी के सचिव मोहन जोवल ने उन्हें दी। इसके बाद सूचना उपायुक्त अमित खत्री, जोनल अधिकारी मार्केटिंग बोर्ड और एसडीएम पटौदी को दी गई। चेयरमैन बिरेंद्र यादव, ड्यूटी मजिस्ट्रेट सिंचाई विभाग से एसडीई मनीष यादव, जोनल अधिकारी मितू धनखड़ व एसडीएम राजेश प्रजापति, सचिव मोहन जोवल, मंडी सुपरवाइजर व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में उपाध्यक्ष विरेंद्र गुप्ता के गोदाम को सील कर दिया गया। बताया जा रहा है कि पिछले सीजन में भी विरेंद्र गुप्ता सुर्खियों में रहे थे। उन्होंने गला-सड़ा गेहूं बोरियों में भरकर भेजा था। इस दौरान उनका लाइसेंस भी सस्पेंड किया गया था।

गुरुग्राम के खंड फर्रुखनगर में व्यापारिक गतिविधि चलाने पर मार्केट कमेटी के उपाध्यक्ष एवं व्यापारी विरेंद्र गुप्ता के गोदाम को सील करते अधिकारी।

कोई भी व्यापारी नियमों का उल्लंघन न करें : बिरेंद्र यादव

इस मामले के बाद चेयरमैन बिरेंद्र यादव ने सभी व्यापारियों, दुकानदारों को सरकार आदेशों से अवगत कराते हुए कहा गया है कि कोई भी व्यापारी और दुकानदार आदेशों, नियमों का उल्लंघन न करें।

फर्रुखनगर मंडी में जमाखोरी, मुनाफाखोरी व फीस की चोरी नहीं चलेगी। सरकार के अगले आदेश आने तक मंडी में पूरी तरह से व्यापारिक गतिवधियों पर रोक रहेगी। सभी को लॉकडाउन का पालन करना चाहिए। यह सबके हित में है। उन्होंने कहा कि सभी अपने घरों में सुरक्षित रहें। यह राष्ट्रहित की बात है।

कोरोना के लगातार बढ़ रहे हैं मामले

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना के संभावित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। निजामुद्दीन की जमात वाली घटना के बाद से लगातार संदिग्ध मरीज बढ़ रहे हैं। कुछ लोग यहां जांच को खुद पहुंच रहे है, तो कुछ लोगों को पुलिस और मौजिज लोग तलाश करके ला रहे है। इससे मरीज सामने आ रहे है। वहीं पोजिटिव मरीजों के सम्पर्क में आने वाले लोगों से भी संदिग्ध मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। मुस्लिम समुदाय के लोगों की भीड़ लगातार जांच के लिए कोरोना ओपीडी में बढ़ रही है।

यह है स्थिति

कोरोना के जिला नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 799 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है। जिनमें से 148 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 938 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 1080 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 153 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 103 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 44 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 6 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं। जिनमें से ठीक होने के बाद एक को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है तथा पांच अस्पताल में दाखिल हैं। वहीं पोजिटिव मरीजों के सम्पर्क में आने वाले 287 लोगों पर भी नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए जिला में सरकारी व निजी अस्पतालों में 34 आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं, जिनमें 1040 बेड की क्षमता की गई है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के संदिग्ध व कंफर्म मामलों के परिवहन के लिए सभी सुविधाओं से युक्त दो एम्बुलेंस तैयार की गई हैं। जिला स्तर पर सभी मेडिकल और पैरा मेडिकल स्टाफ को कोरोना की रोकथाम और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इसी प्रकार पर्यावरण स्वच्छता और शुद्धीकरण के बारे में सरकारी व निजी विभागों के कर्मचारियों को दैनिक आधार पर प्रशिक्षण दिया जा रहे हैं।

जारी की गई हिदायतें

डॉ. रामभगत ने बताया कि कोरोना वायरस के संभावित संक्रमण की पृष्ठभूमि को देखते हुए आम जनता को सरकार द्वारा स्वास्थ्य संबंधी हिदायतों की अनुपालना करने की सलाह दी जाती है। लोगो को ध्यान रखना चाहिए कि खांसी व छींकते समय रूमाल या तौलिया का उपयोग अवश्य करें, हाथों को बार-बार साबुन व पानी से धोते रहें। जब तक बहुत जरूरी न हो, घर से बाहर न निकलें। सार्वजनिक स्थलों व सभाओं में जाने से बचें। जिन लोगों ने हाल ही में कोरोना प्रभावित देशों की यात्रा की है, उन्हें राष्ट्रीय, राज्य या जिला हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना देनी चाहिए, उन्हें भारत में आगमन की तारीख से 28 दिनों के लिए सभी से अलग रहना है और किसी को भी स्पर्श करने से बचना है, भले ही उसमें कोई लक्षण न हों।

यादव समाज कोरोना पीड़ितों के लिए आया आगे

फरीदाबाद। सेक्टर-16 स्थित यादव कल्याण समिति में ज़रूरत मंद लोगों को खाने पीने का सामान आटा, दाल, चावल का वितरण समाज के सभी लोगों के सहयोग से किया गया। जैसा की सभी जानते है कि कोरोना वाइरस जेसी इस वेश्विक महामारी के समय में ज़रूरत मंद लोगों की सेवा के लिए यादव समाज के सभी गणमान्य लोगों ने सहयोग किया ओर आगे भी ऐसा सहयोग करते रहेंगे। इस विपदा की घड़ी मे यादव समाज द्वारा काफ़ी समय से जनकल्याण कार्य किए जा रहे हे जो आगे भी जारी रहेंगे जिसके तहत आज सुखा राशन कल्याण समिति व विभिन्न जगहों पर वितरित किया जो आगे भी किया जाएगा। प्रधान हुक्मचंद लाम्बा ने लोगों से अपील की के कोरोना वायरस को लेकर सरकार द्वारा बनाए गया नियमो का सभी पालन करे तथा घरों मे ही रहे हमारी संस्था सभी जरूरतमंदो की हर सम्भव मदद करने को तयार है।

नवरात्रि

रामनवमीं पर सिद्धिदात्री की पूजा कर लिया आशीर्वाद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नवरात्रों के नौवें दिन यानी रामनवमीं पर मां भगवती की पूजा की गई। मां के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना के बाद श्रृद्धालुओं ने व्रत खोला। इस मौके पर मंदिरों में प्रात: पूजा अर्चना के बाद कपाट पुरी तरह से बंद कर दिए। वहीं भक्तों ने अपना व्रत बिना कंजक पूजे ही खोला। क्योंकि कोरोना महामारी को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से निर्देश जारी किए गए थे कि इस बार कंजक पूजन न किया जाए। अपने घर के लोगों को या गरीबों को भोजन दान करके नवरात्रों की पूजा करके। इस मौके पर राधा सर्वेश्वर मंदिर में भी पूजा अर्चना मंहत मुनिराज जी ने की। उन्होंने बताया कि नौवें दिन मां के अंतिम रूप सिद्धिदात्री की पूजा की गई। मां सिद्धियों की दाता है। उनकी पूजा से नवरात्रि का विश्राम होता है। उन्होंने बताया कि मां सिद्धिदात्री अपने भक्तों को सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करती है। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली है। जिसमें वह गदा, कमल, शंख, चक्र लिए हुई, कमल के फूल पर आसीन होती है। मां सिद्धिदात्री का वाहन सिंह है।

इसी तरह एनएच-पांच स्थित श्रीबांके बिहारी मंदिर के प्रांगण में राम नवमी के अवसर पर हवन यज्ञ पंडित प्रदीप शास्त्री व मनीष दुबे द्वारा पूरे विधि विधान से महंत ललित गोस्वामी व उनकी धर्मपत्नी मीनाक्षी गोस्वामी महिला मंडल प्रधान तथा संदीप गोस्वामी, प्रीति गोस्वामी द्वारा किया गया। प्रथम नवरात्रि पर ज्वाला मां की ज्योत की स्थापना भी इन चारों द्वारा की गई थी।

क्योंकि यह विधान है जो स्थापना करता है। उनको 8 दिन नियमित व्रत रखने पड़ते है। नौवें दिन हवन यज्ञ करने के उपरांत मां को और सभी देवी देवता नवग्रह को विदा किया जाता है। उसी तरह पूरे विधि विधान से पूजा हवन, यज्ञ, कन्या पूजन, आरती, रामायण का पाठ भी प्रथम नवरात्र पर रखा गया था। राम जी के जन्म उत्सव पर उसका समापन भी किया गया। क्योंकि पूरे देश में लॉक डाउन है इसलिए पूरे कानून की पालना की गई। आम जनता का मंदिर में प्रवेश वर्जित था। मंहत ललित गोस्वामी ने मां के चरणों में अरदास की कि इस वैश्विक संकट कोरोना रूपी राक्षस से पूरे भारतवर्ष बल्कि पूरे विश्व की रक्षा करो, दुष्टों का नाश करो और भक्तों, संतो और निर्दोषों की रक्षा करो।

महामारी के खात्मे को प्रार्थना

नवरात्रों के नौवें दिन वैष्णोदेवी मंदिर में भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर प्रातकालीन आरती में मंदिर के पुजारियों ने भगवान श्रीराम व सीता मैया की पूजा अर्चना की। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने शहर वासियों को रामनवमी की बधाई दी और कहा कि इस नवरात्रों में सभी देवियों एवं भगवान श्रीराम से कोरोना महामारी के जल्द से जल्द खात्मे की प्रार्थना की गई है। उन्हें उम्मीद है कि यह बीमारी जल्द से जल्द पूरे विश्व से समाप्त हो जाएगी और मानव जीवन फिर से पटरी पर आ जाएगा।

दान में दिए 82 हजार रुपये

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री कृष्ण सेवा सदन ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए हरियाणा कोरोना रिलीफ फंड में 51 हजार रूपए व जिला रैडक्रास सोसायटी को 31 हजार रूपए का आर्थिक योगदान दिया है। जिला उपायुक्त यशपाल यादव ने श्री कृष्ण सेवा सदन की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए यह योगदान सराहनीय है। श्रीकृष्ण सेवा सदन के प्रधान प्रवीण कुमार, सह सचिव एडवोकेट संदीप सेठी, सचिव दीपक ठुकराल, कोषाध्यक्ष आर.के. गोस्वामी, निरीक्षक गोविन्द सिंह, उपप्रधान संतराम कथूरिया ने कहा कि आज देश में कोरोना वायरस से महामारी फैली हुई है इसलिए हमारा दायित्व बनता है कि कोरोना वायरस पीड़ितम लोगों की मदद की जाए और इस मदद के लिए अन्य लोगों को भी आगे आना चाहिए और सहयोग करना चाहिए।

महंगे रेट पर सेनिटाइजर बेचने वाले मेडिकल स्टोर पर छापा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सरकार द्वारा तय मूल्य से अधिक पर लॉकडाउन के दौरान कालाबाजारी करके हैंड सेनिटाइजर बेचने के आरोप में एक मेडिकल स्टोर पर खाद्य एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने छापा मार दिया। जिसमें शिकायत सही पाए जाने पर उक्त मेडिकल स्चालक और सेनिटाइजर सप्लाई करने वाले थोक विक्रेता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक जिला औषधि नियंत्रण विभाग के वरिष्ठ औषधि नियंत्रण अधिकारी करण गोदारा ने बताया कि जिला उपायुक्त यशपाल यादव को कियर ने यह शिकायत दी थी कि गांव सिही स्थित वर्षा मेडिकल स्टोर नामक दुकान पर 100 एमएल का एक हैंड सेनीटाइजर डेढ़ सौ रुपए का बेचा जा रहा है। जिस पर जिला औषधि निरीक्षक संदीप गहालान और जिला खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक वीरेंद्र सिंह की एक संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने सीही गांव में स्थित वर्षा मेडिकल स्टोर पर छापा मारा और पाया कि जो शिकायत जिला उपायुक्त महोदय से की गई थी वह ठीक है। इस टीम ने यहां से आधा दर्जन के आसपास वही सेनिटाइजर भी बरामद किए जोकि शिकायतकर्ता खरीद कर ले गया था। यहीं नहीं उक्त मेडिकल स्टोर संचालक ने जो बिल खरीददार को दिया था। वह भी सही पाया गया। जिस पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक विरेंद्र सिंह की शिकायत पर सेक्टर- 8 थाने में वर्षा मेडिकल स्टोर संचालक तथा उनको यह सैनिटाइजर सप्लाई करने वाले थोक विक्रेता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। इस विषय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन के वरिष्ठ औषधि नियंत्रक करण गोदारा ने बताया कि भारत सरकार 21 मार्च को ही यह नोटिफिकेशन जारी कर चुकी है कि उक्त 100 एमएल का हैंड सैनिटाइजर 50 रुपये से अधिक की कीमत पर नहीं बेचा जा सकता।

682 डिपुओं पर बिना पीओएस के मिलेगा राशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वायरस के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से राशन डिपो पर बिना बॉयोमेट्रिक मशीन के राशन का वितरण का कार्य शुरू कर दिया है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने यह निर्णय लोगों को कोरोना वायरस से बचाने के लिए लिया है। अब बिना बायोमेट्रिक के राशन लोगों को मिल रहा है। लोग लम्बी लाइनों में राशन लेने को पहुंच रहे है। सरकार के आदेश पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने सावधानी बरते हुए सभी डिपो पर पीओएस मशीन से राशन वितरण के काम को बंद कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक जिले में 681 राशन डिपों है। इन पर करीब दो लाख कार्ड धारक है। राशन वितरण में गड़बड़ी रोकने को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से पिछले साल जिले के सभी डिपो धारकों को पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) मशीन दी गई थी। ऐसा इसलिए किया गया था ताकि राशन वितरण के दौरान उपभोक्ताओं को पीओएस मशीन से निकली हुई पर्ची देकर राशन वितरण किया जाए। जिससे राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायतों पर लगाम लग सके। इन मशीनों पर कार्ड धारकों के अंगूठे भी लगवाया जाता है। ऐसे में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। सरकार के आदेश पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने सावधानी बरते हुए सभी डिपो पर पीओएस मशीन से राशन वितरण के काम को बंद कर दिया गया। जिस कारण बृहस्पतिवार को सभी डिपुओं के बाहर लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। लाइनों में लगे उपभोक्ताओं को कोरोना वायरस से बचाव के लिए भी जागरूक किया गया। ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। बृहस्पतिवार को शहर में 200 डिपो पर गेहूं बांटा गया। खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी रमेश ने बताया कि डिपो पर एएवाई कार्ड धारक को 35 किलो, बीपीएल और ओपीएच परिवार के प्रत्येक सदस्य को पांच-पांच किलो गेहूं बांटा गया। इस दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने भी पूरा ध्यान रखा गया। सभी लोगों को लाइन में लगाकर एक-एक मीटर की दूरी रखी गई।

परेशान न हो, मिलेगा राशन

जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक हिमालय कौशिक ने कहा कि राशन डिपो पर राशन वितरण का काम शुरू कर दिया गया है। जिले में एक माह तक डिपो पर राशन बांटा जाएगा। इसलिए लोग परेशान न हों। घर से एक व्यक्ति ही डिपो पर राशन लेने पहुंचे। इस दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखें।

मानव सेवा समिति बेसहारों को हर रोज बांट रही खाने के 600 पैकेट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मानव सेवा समिति रेडक्रॉस सोसाइटी के साथ मिलकर 27 मार्च से बेसहारा व जरूरतमंदों लोगों व परिवारों को खाने व खाद्य सामग्री के पैकेट देने का पुण्य कार्य कर रही है।

समिति द्वारा अब तक 4200 जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। प्रतिदिन 600 खाने के पैकेट व 30 खाद्य सामग्री के पैकेट बांटे जा रहे हैं। इसमें समिति के पदाधिकारी व सदस्य तथा शहर के दानी सज्जन आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहे है। समिति के मुख्य संयोजक कैलाश शर्मा व चेयरमैन अरुण बजाज ने बताया कि 26 मार्च को समिति के सेक्टर 10 स्थित कार्यालय मानव भवन में रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार, प्रमुख शिक्षाविद प्रोफेसर एमपी सिंह के समिति के अध्यक्ष पवन गुप्ता, मुख्य संयोजक कैलाश शर्मा, चेयरमैन अरुण बजाज, उपाध्यक्ष पीपी पसरीचा, चेयरमैन प्रोजेक्ट गौतम चौधरी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयनका, क्षेत्र प्रबंधक केदारनाथ अग्रवाल के साथ बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें लोकडाउन के चलते जरूरतमंदों की मदद करने का फैसला लिया गया। उसी के अनुसार अब तक यह सेवा कार्य जारी है। इस सेवा में लोकडाउन के निर्देशों व सोशल डिस्टेंस के नियमों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मुख्य संयोजक कैलाश शर्मा ने बताया कि रक्तदान शिविर न लगने की वजह से ब्लड बैंक में रक्त की काफी कमी हो गई है जिससे थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों को रक्त मिलना मुश्किल हो गया है।

900 मजदूरों को बांटा राशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए राइज ग्रुप मजदूरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए राशन व ज़रूरत का सामान बांट रहा है। राइज ग्रुप ने अपने सेक्टर 41 में निर्माण कार्य करने वाले मजदुरों को राशन बांटा। जिसमें मजदुरों को 3 किलो दाल, 5 किलो चावल, 5 किलो आटा जैसी सूखी सामग्री प्रदान की। इस पहल के तहत ग्रूप ने कुल 900 से अधिक मज़दूरों को खाद्य सामग्री बांटी और इस दौरान सामाजिक दुरी का भी विशेष ध्यान रखा गया।

इसके अलावा श्रमिकों को उनकी सुरक्षा के लिए मास्क और दस्ताने प्रदान किए जा रहे हैं, और उन्हें प्रासंगिक अंतराल पर स्वस्थ से संबंधित जांच भी की जा रही है और साथ ही साथ दवाइयां, चाय और दूध निशुल्क वितरित किया जा रहा है। रोग के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए नियमित आधार पर इन शिविरों को साफ किया जाता है। इसके अलावा ग्रुप द्वारा स्वच्छ जल की सबसे महत्वपूर्ण जरूरत को भी प्रदान कर रहा है। वर्तमान स्थिति और उठाए गए उपायों के संदर्भ में राइज ग्रुप के सीएमडी, वैभव जैन ने कहा, 'हम सभी कठिन समय से गुजर रहे हैं, वहीं समाज का एक वर्ग ऐसा है जो आर्थिक तौर पर कमजोर है। हम यहां जरूरतमंदों के लिए अपना काम कर रहे हैं, इस परिस्थिति में हम किसी को भी भूखा नहीं सोने देंगे।'

जिला उपायुक्त ने ली बैंक प्रबंधकों की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोविड-19 के चलते लगे लॉकडाउन के दौरान जिले में बैंक संबंधी सेवाओं व सुविधाओं का लाभ आसानी से लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से उपायुक्त यशपाल की अध्यक्षता में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित विभिन्न बैंक प्रबंधकों की बैठक हुई।

उपायुक्त ने बताया कि जनता की सुविधा के लिए सरकार के निर्देशानुसार अब बैंकिंग सुविधाएं सुबह 10 बजे से सायं चार बजे तक दी जाएंगी। बैंक खाताधारक इस दौरान सामाजिक दूरी भी बनाए रखें। इस दौरान खाताधारक बैंक मित्र तथा ग्राहक सुविधा केंद्र जैसी सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। लोक डाउन के दौरान बैंकों में केवल जमा तथा निकासी की सुविधाएं, फंड ट्रांसफर, चेक क्लीयरिंग एवं सरकारी बिजनेस जैसे कार्य ही किए जा रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन बचत खाता के महिला लाभार्थी व अन्य प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के लाभार्थियों को अप्रैल माह से सरकार की ओर से 500 रूपए प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे।

पुलिस कर रही जरूरतमंद लोगों की मदद

घरों का राशन से लेकर खाने तक का इंतजाम कर रही पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कर्मी ऐसा नहीं है कि सख्ती ही बरत रहे है। वह समाजसेवा में भी आगे आ रहे है। पुलिस लॉकडाउन होने की वजह से अपने घरों से निकले लोगों की मदद से लेकर गरीब व जरूरतमंद लोगों की मदद करने को आगे आ रही है।

पुलिसकर्मियों के द्वारा किए जा रहे इस कार्य को देखते हुए पुलिस आयुक्त केके राव ने कहा कि अपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ पुलिस जरूरतमंद लोगों का ध्यान भी रख रही है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद क्राइम ब्रांच, मिसिंग पर्सन सेल एवं थाना पुलिस अलग-अलग तरह से जरूरतमंद लोगों की मदद में लगे हैं।

इस बारे में पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने कहा कि जैसा की आप सभी को पता है हरियाणा राज्य में लॉक डाउन चल रहा है। सभी को अपने अपने घरों में रहने की हिदायत दी गई है। बहुत से ऐसे मजदूर जो दूर राज्यों से मेहनत मजदूरी के लिए आए हुए थे। यह सभी मजदूर रोज की कमाई हुई रोजी रोटी के ऊपर निर्भर होते हैं। ऐसे में फरीदाबाद पुलिस इन लोगों के लिए फरिश्ता बन कर काम कर रही है। फरीदाबाद क्राइम ब्रांच, मिसिंग पर्सन सेल, थाना पुलिस रोजाना ऐसे हजारों लोगों को भोजन मुहैया करा रही है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि पुलिस के कई रोल होते हैं। समाज की जरूरतों के हिसाब से पुलिस अपना रोल निभाती है। अभी पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं क्राइम कंट्रोल करने के अलावा जरूरतमंद लोगों का सहारा बनकर एक रोल निभा रही है।

कोरोना : खिलाड़ी कर रहे घर पर ही अभ्यास

खिलाड़ी अपने शरीर को संतुलित बनाए रखने के लिए घर पर ही नियमित अभ्यास कर रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सरकार के दिशा-निर्देशानुसार खिलाड़ी कोरोना महामारी से बचाव को लॉकडाउन की स्थिति में घर पर ही शरीर को संतुलित बनाए रखने के लिए अभ्यास कर रहे है। इसकी जानकारी जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी प्रधान सत्यवीर धनखड़ ने पायनियर को दी। उन्होंने बताया कि खिलाड़ी अपने शरीर को संतुलित बनाए रखने के लिए घर पर ही नियमित अभ्यास कर रहें है। ताकि आने वाले समय में उन्हें किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने में किसी तरह की परेशानी न हो।

उन्होंने बताया कि लम्बी दूरी की धाविका गांव जवां निवासी प्रीति लाम्बा भारतीय रेलवे में कार्यरत है। 400 मीटर दौड के धावक विक्रांत पांचाल एशियाई खेलों और ओलम्पिक खेलों की तैयारी में लगे हैं। इस लाक डाउन का पूर्ण पालन करते हुए फरीदाबाद के अन्य खिलाडी भी अपने घरों के अंदर ही जिले को आने वाली प्रतियोगिताओं में पदक दिलाने के लिए पसीना बहा रहे हैं। सत्यवीर धनखड ने कहा कि लाक डाउन ही सभी देशवासियों के हित में है। इसमें देशवासी अपना पूर्ण योगदान दें। इसी तरह खेलो इंडिया गोवाहटी, आसाम में 400 मीटर दौड और 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड का राष्ट्रीय रिकार्ड बनाने वाले धावक विक्रांत पांचाल लॉक डाउन का पूर्ण पालन करते हुए घर पर अपना नियमित अभ्यास कर रहे हैं। अटाली गांव के 16 वर्षीय खिलाडी सतीश कुमार 200 और 400 मीटर दौड के नियमित अभ्यास के लिए लॉक डाउन में घर पर पसीना बहा रहे हैं। वहीं 800 मीटर दौड के नियमित अभ्यास के लिए 15 वर्षीय यश अत्री को घर पर वर्क आउट करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि खिलाडी यश अत्री के पिता लोकपाल अत्री शारीरिक अध्यापक है। वह उनकी देखरेख में अभ्यास कर रहे है। 18 साल आयु वर्ग लड़की मोनिका गोला फेंकने के अभ्यास भी लगातार घर पर ही कर रही है। मोनिका राज्य स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही है। मोहना निवासी साक्षी अत्री 17 साल आयु वर्ग में हैमर थ्रो इवेंट के लिए लाक डाउन में घर पर ही अभ्यास कर रही हैं। वह जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी करने का अभ्यास कर रही है। उन्होंने बताया कि सभी खिलाड़ी कोरोना से बचाव के प्रति जागरूक होकर अपने अभ्यास में जुटे हुए हैं।

जेसी बोस में नये डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अपने ई-संसाधनों के पहुंच की प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए नए डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल की शुरूआत की है। दीन दयाल उपाध्याय केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा शुरू की गई ई-लाइब्रेरी विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा शिक्षकों को सभी आवश्यक शिक्षण सामग्री ई-संसाधनों के माध्यम से उपलब्ध करवायेगी। ई-लाइब्रेरी पोर्टल को सिंगल विंडो सर्च की सुविधा के साथ विकसित किया गया

विश्वविद्यालय की ई-लाइब्रेरी पार्टल पर पांच लाख से ज्यादा ई-संसाधन उपलब्ध

है। इस पोर्टल का उद्देश्य सभी शिक्षण संसाधनों और प्रत्येक अन्य प्रासंगिक सामग्री ई-संसाधनों के रूप में उपयोगकर्ताओं उपलब्ध करवाकर उनके समय और प्रयासों को बचाना है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में, डिजिटल लाइब्रेरी शैक्षिक और अनुसंधान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विद्यार्थियों और शिक्षकों को सामान्य सूचना संसाधनों को साझा करने और व्यापक श्रेणी की सामग्रियों का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का सही उपयोग करने और घर से अपना अध्ययन जारी रखने का आग्रह किया। विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. पीएन बाजपेयी ने बताया कि पांच लाख से ज्यादा ई-संसाधन वाले विश्वविद्यालय के ई-लाइब्रेरी पोर्टल पर 10 हजार से अधिक पत्रिकाएं शामिल हैं। जिनमें एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट, आईईईई, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एंड फ्रांसिस आदि शामिल है।

रिजर्व बैंक का व्यावहारिक कदम

बचत योजनाओं पर ब्याज में कमी

भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई ने हाल ही में समाप्त मौद्रिक नीति समिति बैठक में लोकप्रिय योजनाओं की ब्याज दरों में कमी की घोषणा की है। सार्वजनिक प्राविडेंट फंड-पीपीएफ़ डाक बचत तथा बैंकों के फिक्स्स डिपाजिट जैसे अनेक बचत उपकरणों पर ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद थी। दुनिया भर की सरकारों ने कोरोनावाइरस संबंधी मंदी से निपटने के लिए ब्याज दरों में कटौती की है। भारत सरकार ने लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में अप्रैल-जून तिमाही में 70-140 बिंदु की भारी कमी की है। पीपीएफ पर ब्याज दर प्रति वर्ष 7.9 प्रतिशत से घटा कर 7.1 प्रतिशत की गई है जो 80 बिंदु कम है। वरिष्ठ नागरिकों की बचत योजना पर ब्याज दर 8.6 प्रतिशत से घटा कर 7.4 प्रतिशत की गई है। कन्याओं व वृद्धों की कल्याण योजनाओं जैसी व्यापक समाज कल्याण योजनाओं को भी नहीं बख्शा गया है। पिछले सप्ताह केन्द्रीय बैंक ने रेपो दर में 75 बिंदु की कमी की थी। इसके साथ ही उसने कोविड-19 वैश्विक महामारी का मुकाबला करने हेतु मौद्रिक तरलता बढ़ाने के अनेक उपाय किए थे। सरकार ने कठिन रास्ता चुना है क्योंकि इस निर्णय का विरोध होगा, लेकिन व्यापक जनहित में यह कड़वी गोली जरूरी थी। इस घोषणा से वरिष्ठ नागरिक व अन्य छोटे बचतकर्ता नाराज होंगे जो अपनी दैनिक जरूरतों के लिए बचत योजनाओं पर निर्भर हैं। लेकिन सरकार अनेक आर्थिक मुद्दों पर यथार्थवादी दृष्टिकोण के चलते जनता को खर्च के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है। उसे जमा दरों तथा छोटी बचत योजनाओं से आमदनी के बीच खाई पाटनी थी। इस दृष्टिकोण से मौद्रिक नीति छोटे मुखर तबकों की इच्छापूर्ति नहीं कर सकती है। सरकार को उन उपभोक्ताओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए जो सस्ते कर्ज से आकर्षित होते हैं। भारत का बैंकिंग क्षेत्र दशकों पहले खैरात बांटने की समस्या से उबरना चाहता है, लेकिन ऐसे में क्या बैंक उपभोक्ताओं को और कर्ज देना चाहेंगे? बैंकों को कोई संदेह नहीं है कि दुनिया को चीन के उपहार से पहले मुनाफे वाले बिजनेसों पर तगड़ी चोट लगेगी और अनेक कारणों से भारत दीवालियेपन की कगार पर पहुंच सकता है। ऐसे में बैंकों को कर्ज लेने वालों को लाभान्वित करना होगा। कुछ उद्योगों पर ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ेगा। यात्रा व पर्यटन तथा उससे जुड़े क्षेत्रों को पहले ही करोड़ों रुपयों का नुकसान हुआ है। वैश्विक मंदी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है, पर सरकार को इस संकट से निकलना होगा। टिप्पणीकारों ने सुझाव दिया है कि सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियों पर विराम लगाना चाहिए क्योंकि वर्तमान तथा अगले वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष व परोक्ष कर राजस्व में कमी आएगी। कई क्षेत्रों में खर्च बढ़ाने के लिए सरकार को वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी में कमी पर विचार करना चाहिए। आटोमोबाइल उद्योग पर एक्साइज़ ड्यूटी घटाई जानी चाहिए। सस्ते होने पर ग्राहक वाहन खरीद सकते हैं।

लेकिन खर्च बढ़ाने के लिए केवल जमा पर ब्याज दरों में कटौती काफी नहीं है, इसके लिए अन्य खोजी सोच जरूरी है। इससे कुछ लोगों, खासकर बचतकर्ताओं को चोट लगेगी, पर सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को पुन: गति देने के लिए सबको कुछ न कुछ बलिदान करना होगा। संकट के समय यह आसान नहीं होगा क्योंकि आम आदमी की प्रवृत्ति नकदी व बचत सुरक्षित रखने की होती है। बचत पर ब्याज दरों में कटौती खर्च प्रोत्साहित करने का तरीका है। हालांकि, अभी बहुत से लोगों को आर्थिक भविष्य के बारे में आशंका है, पर खर्च बढ़ाना आर्थिक गतिविधि बढ़ाने के लिए जरूरी है जिससे सबको लाभ होगा। यदि इसका अर्थ बचत पर थोड़ा कम लाभ प्राप्त होना है तो ऐसा होने देना चाहिए।

बना हुआ है चीन का प्रभुत्व

सारे विवादों के बावजूद चीन अमेरिका को चिकित्सा उपकरणों का सबसे बड़ा सप्लायर बना हुआ है। ऐसे में मानवीय सहायता दे कर वह नई विश्व व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रहा है।

के के पॉल
(लेखक पूर्व आईपीएस व पूर्व राज्यपाल हैं)

चीन और अमेरिका के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच चीन ने एक सुखद बयान दिया है जिससे यह जुबानी युद्ध थोड़ा ठंडा हो सकता है। वर्तमान समय में वैश्विक महामारी का केन्द्र चीन से खिसक कर अमेरिका पहुंच गया है, ऐसे में चीन के सामने अवसर है। जब बाकी दुनिया कोरोनावाइरस संकट से कराह रही है तो चीन सफ्लतापूर्वक इस संकट से बाहर निकल आया है। ऐसे में वह मानवीय दृष्टिकोण से राजनयिक लाभ पाना चाहता है। यह वास्तव में धोखाधड़ी का मामला है। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जान्दर वूसिक, हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन तथा इटली के विदेश मंत्री लुइगी डी मायो ने चिकित्सा उपकरण तथा डाक्टरों की टीम भेजने पर चीन की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। इसके साथ ही उन्होंने स्वयं को असहाय छोड़ने के लिए पड़ोसियों की निन्दा भी की है। स्पेन ने चीन से सैकड़ों मिलियन डालर के चिकित्सा उपकरण व औषधियां खरीदने का निर्णय किया है।

पाकिस्तान ने कराकोरम राजमार्ग पर चीन के साथ अपनी भूमि सीमा खोल दी है ताकि उसे चिकित्सा उपकरणों की सप्लाई आसानी से मिल सके। वास्तव में भारत को भी वूहान की तर्ज पर कोविड-19 मरीजों के लिए अस्पताल बनाने का अनौपचारिक प्रस्ताव मिला है। सारे विवादों के बावजूद चीन अमेरिका को चिकित्सा उपकरणों का सबसे बड़ा सप्लायर बना हुआ है। जहां तक विवादों का सवाल है, समय बीतने के बावजूद कुछ विवाद बने रहेंगे। व्यापक मानवीय हितों को देखते हुए षडयंत्र की कुछ कहानियां जीवित रहती हैं। कोरोनावाइरस के संदर्भ में मीडिया में बहुत कुछ आया है, लेकिन अपने नवीनतम हमले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ पर हमला बोला है, जबकि चीन ने विश्व स्वास्थ्य संस्था का मजबूती से समर्थन किया है। अमेरिका द्वारा डब्लूएचओ पर लगाए आरोपों की एक पृष्ठभूमि है।

अमेरिका का कहना है कि शुरुआती चरणों में वाइरस संक्रमण के केन्द्र वूहान तक बीमारी के केंद्रित रहने के बावजूद डब्लूएचओ ने चीन या उस प्रांत को लक्षित नहीं किया। सारे विस्तृत विवरण आने के पहले ही वह भौगोलिक रूप से इसे लक्षित कर 'चीनी वाइरस' कह सकता था। बहुत बाद में डब्लूएचओ ने इसका नाम कोविड-19 दिया तथा उसने चीन का कोई उल्लेख नहीं किया। दूसरी ओर अतीत में हमारे सामने स्पैनिश फ्लू, जापानी इन्सेफेलाइटिस, जर्मन मीसेल्स व अनेक देशों से संबद्ध अन्य बीमारियां आई हैं जो भौगोलिक सीमायें तोड़ कर वैश्विक महामारी बनी हैं। लेकिन चीन यह ठप्पा लगने से बच गया। हम जानते हैं कि एच5एन1 बर्ड फ्लू व सेवरली एक्यूट रिस्पेरेटरी सिंड्रोम-सार्स का जन्म भी चीन के गुआंगडांग प्रांत में हुआ। लेकिन बीमारियों के भयानक प्रकोप के बावजूद इन पर चीन का ठप्पा नहीं लगा।

अमेरिका का कहना है कि शुरुआती चरणों में वाइरस संक्रमण के केन्द्र वुहान तक बीमारी के केंद्रित रहने के बावजूद डब्लूएचओ ने चीन या उस प्रांत को लक्षित नहीं किया। सारे विस्तृत विवरण आने के पहले ही वह भौगोलिक रूप से इसे लक्षित कर 'चीनी वाइरस' कह सकता था। बहुत बाद में डब्लूएचओ ने इसका नाम कोविड-19 दिया तथा उसने चीन का कोई उल्लेख नहीं किया।

लेकिन कभी-कभी नामकरण भ्रामक तथा विनाशकारी परिणाम वाला हो सकता है। 2009 की वैश्विक महामारी का नाम स्वाइन फ्लू प्रचलित हुआ, जबकि यह सुअरों के बजाय मनुष्यों के कारण फैलती थी। लेकिन संक्रमण रोकने के प्रयास में मध्यपूर्व के एक देश ने गलती से कई लाख सुअर मार डाले।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ऐसी घातक बीमारियों का नाम रखने के पीछे एक प्रकार की राजनीति होती है। इस संबंध में निर्णय डब्लूएचओ के स्तर पर लिए जाते हैं जो बीमारियों का अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण-आईसीडी करता है। नामकरण के उसके वर्तमान निर्देशों की अनेक वैज्ञानिक संगठनों ने आलोचना की थी। आमतौर से माना जाता है कि केवल अक्षरों व संख्याओं के आधार पर नामकरण से आम जनता बीमारी की गंभीरता नहीं समझ पाती है। उदाहरण के लिए, एच एन का अर्थ हेमाग्लूटिनिन न्यूरामिनीडेज़ वाइरस की श्रृंखला व जेनेटिक आकार को अभिव्यक्त करते हैं। दूसरी ओर भौगोलिक नाम सारी दुनिया को कुछ अत्यधिक लाभदायक सूचना देते हैं।

कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थानों पर अपने वित्तीय प्रभाव का प्रयोग कर चीन ने वर्तमान व्यवस्था में बाधा डाली है। इसे पश्चिमी शक्तियों ने ठीक नहीं माना है जो लगातार अपना आत्मावलोकन कर रही हैं। इसके साथ ही इन संस्थानों की वित्तीय सहायता पर भी सवाल उठ रहे हैं। कोरोना-पश्चात आर्थिक बहाली पर इसका प्रभाव अवश्य पड़ेगा। वर्तमान स्थिति में चीन दूसरों के नुकसान पर लाभ उठाने का प्रयास कर रहा है तथा उसके प्रभुत्वशाली प्रभाव को अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

यह स्थिति लंबे समय से बन रही है। वास्तव में 2008-09 की आर्थिक मंदी तथा संसाधनों की कमी के बाद से यूरोप में निवेश के मामले में कुछ खाली स्थान पैदा हुआ। चीन ने जल्दी से इस स्थान पर कब्जा कर लिया।

नई दिल्ली के इंस्टीट्यूट फार स्टडीज़ इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट-आईएसडी द्वारा एकत्र आंकड़ों के अनुसार 2010-17 में यूरोप में चीन का निवेश 318 बिलियन डालर था जो अमेरिकी निवेश की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है। वास्तव में वे ऐसी तकनीकों पर ध्यान दे रहे थे जो दीर्घकालीन रूप से उनकी ढांचागत संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली थी। इस कालखंड में चीन ने 360 यूरोपीय कंपनियों का अधिग्रहण किया जिनमें इटली की पिरेली एंड सीस्पा तथा जर्मनी की कूका एजी रोबोटिक्स शामिल हैं।

चीन की केमिकल फर्म केमचाइना ने स्विटजरलैंड की विशाल कंपनी सिंगनेटा को 46 बिलियन डालर में खरीद लिया। संचार क्षेत्र की विशाल कंपनी हुआवेई ने 5जी नेटवर्क के विस्तार ने नाटो देशों को नाराज किया है।

कोरोना वैश्विक महामारी समाप्त होने के बाद वाले परिदृश्य को इसी दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। चीन भारी निवेश से तेजी से आर्थिक पुनर्जीवन के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, जबकि बाकी देश वाइरस महामारी का सामना कर रहे हैं। ऐसे में चीन की चिकित्सकीय व मानवीय पहल से उसके लिए लाभदायक नतीजे निकलेंगे। अगले कुछ महीने आने वाले दशकों में राजनीति, अर्थव्यवस्था, राजनय व विश्व व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

लॉकडाउन से पर्यावरण को मिला नया जीवन

कोटा श्रीराज
(लेखक पर्यावरण पत्रकार हैं)

जैसी कि पुरानी कहावत है, ''हर काले बादल के साथ एक चमकीली रेखा होती है।'' वर्तमान में जारी कोविड-19 संकट के साथ भी ऐसी ही चमकीली रेखा है क्योंकि इसने पर्यावरण को मनुष्य द्वारा निरंतर किए जाने वाले क्षरण एवं दोहन से अति आवश्यक राहत दी है।

धरती के घाव भर रहे हैं जबकि उसका सबसे बड़ा परजीवी मनुष्य कठोर लाकडाउन के बीच सामाजिक दूरी का पालन कर रहा है। अचानक, नगरीय तथा अर्धनगरीय इलाकों ने प्रकृति में पुनर्जीवन को अनुभव करना प्रारम्भ कर दिया है क्योंकि लाकडाउन के चलते ताजी हवा, साफ आसमान तथा नगरीय वन्य जीवन का पुनरुत्थान देखने को मिल रहा है।

सोशल मीडिया नागरिकों द्वारा चमकते सितारों से भरे स्वच्छ आकाश की तस्वीरों से भरा हुआ है जो प्रदूषण के कारण अधिकतर शहरों में देखने को नहीं मिलते थे। वे शहरों में विचरते हुए हिरनों, नीलगायों आदि पशुओं की तस्वीरों के वीडियो भी पोस्ट कर रहे हैं। अब चहचहाने वाली चिड़ियों की संख्या आजकल बढ़ गई है और धूल भरा दिखने के बजाए वनस्पति जगत वस्तुत: हरा-भरा दिखने लगा है। छिले कुछ सप्ताहों में हल्की बारिश ने प्रदूषण को घटाने और प्रकृति को ताजा बनाने में योगदान दिया है। भले ही वर्तमान स्थितियों के कारण महामारी से प्रभावित सभी देशों में लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है और अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। लेकिन, मानवता को इस वायरस से होने वाले खतरे के चलते लोग संयम बरतते हुए इस दोर के गुजरने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लेकिन, इसका लाभ पर्यावरण को सबसे ज्यादा मिल रहा है।

कोविड-19 वैश्विक महामारी का अधिकेंद्र, वुहान शहर, आमतौर से छायी रहने वाली धुंध के बजाए ताजी हवा और साफ आसमान का साक्षी बना। राष्ट्रीय ऐरोनाटिक्स एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) द्वारा उपग्रह से ली गई तस्वीरों ने वायरस पर नियंत्रण हेतु लगाए गए प्रतिबंधों के कारण नाइट्रोजन आक्साइड के स्तर में काफी कमी दर्शायी। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने यूरोप, खासकर इटली में नाइट्रोजन आक्साइड के स्तरों में कमी आने की जानकारी दी है। वेनिस की नहरें, अब नौकाओं की भीड़ से मुक्त होने के कारण स्वच्छ जलसे भरी नजर आती हैं और जलजीवों की संख्या बढ़ गई है। लाकडाउन के

कारण, भारत समेत, दुनिया के अधिकतर हिस्सों में हवाई यातायात स्थगित किए जाने एवं सड़कों पर वाहनों के अभाव के चलते, खासकर पीएम-2.5 कणों की वातावरण में संख्या काफी घटी है, प्रदूषण का स्तर भी बहुत कम हो गया है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने लाकडाउन के कारण इस ग्रह को मिलने वाले पुनर्जीवन के दीर्घकालीन प्रभावों पर एक शोध किया है तथा अध्ययन ने दर्शाया है कि पर्यावरण को मिली राहत से मानवता को जबर्दस्त लाभ होगा। ये लाभ पीएम 2.5 के कम होने एवं प्रदूषण का स्तर नीचे गिरने के कारण जीवन बचाने के कारक बनेंगे, क्योंकि प्रदूषण से बच्चों व वृद्धों की जानें जाती हैं। बड़ी संख्या में लोब वायु प्रदूषण के चलते बीमारियों के शिकार होते हैं। आज जब संपूर्ण मानवता पर खतरा आया तब विभिन्न देशों की सरकारों व लोगों ने इसके महत्व को समझा है। अध्ययन के नतीजों को अंतत: अंतरअनुशासनात्मक समूह, ग्लोबल फंड, एनवायरानमेंट एंड इकोनामिक डायनमिक्स (जीएफइडी) में प्रकाशित किया गया था। दुनियाभर से शोधों के अन्य आंकड़े भी अन निष्कर्षों का समर्थन करते हैं और अतिरिक्त रूप से बताते हैं कि चीन में इस समय कार्बनडाइ आक्साइड उत्सर्जन में 25 प्रतिशत की कमी आई है जो 200 टन के समतुल्य है।

शोध के अलावा, यह तथ्य दुखद है कि पर्यावरण को राहत अनुभव करने के लिए वैश्विक महामारी की आवश्यकता पड़ती है। हमारी दिनचर्या पर्यावरण के लिए कोई राहत अथवा रियायत मुहैया नहीं कराती है।

न ही समय-समय पर होने वाले जलवायु सम्मेलनों से कुछ लाभ मिलता है जो विरोधी विचारों के रणक्षेत्र बन गए हैं लेकिन ग्रह के हित में वे नाममात्र की सार्थक कार्रवाई के सबब बनते हैं। भारत में भी, चरम प्रदूषण के महीनों में हम आधे अधूरे मन से पर्यावरण संरक्षण के उपाय करते हैं। विनियमों का पालन, कहीं भी अनुपालन के वर्तमान स्तर से मेल नहीं खाता जो लाकडाउन के दौरान होता देख रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि हम मनुष्य केवल जीवन को खतरा होने की स्थिति में ही गंभीरतापूर्वक प्रतिक्रिया करते हैं।

वर्तमान दौर भारत सरकार एवं पर्यावरण प्राधिकरणों के लिए सबक लेने योग्य है। जन व्यवहार का स्वरूप एवं सामुदायिक आपात स्थिति के प्रति उसकी प्रतिक्रिया यहां पर प्रमाणित हाती है औ सरकार को उसका संज्ञान लेना होगा। अत:, भविष्य में, जब पर्यावरण की स्थितियां बिगड़ेंगी और समुदाय आधारित कार्रवाई की आवश्यकता होगी तो सरकार ऐसी ही पद्धति अपना सकती है। यह अनिवार्य है क्योंकि वर्तमान लाकडाउन के नियम, भले ही 100 प्रतिशत सफल न हों, मगर अधिकतर नागरिकों ने इनका गंभीरता से पालन किया है।

वर्तमान स्थिति एक और महत्वपूर्ण पहलू को उजागर करती है कि किस तरह देश एवं सरकारों पर्यावरण के क्षरण अथवा उसमें सुधार का मापन करती हैं। इएसए व नासा के आधिकारिक एवं प्रमाणित उपग्रह छायाचित्रों पर भरोसा कर चीन और यूरोप में पर्यावरण की दशा का निष्कर्ष निकाला जा सकता है। भारत को भी पर्यावरण मूल्यांकन एवं आंकड़ा संग्रहण पर राजनीति बंद करनी होगी और इसके बजाए निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों पर भरोसा करना होगा। इससे असली तस्वीर सामने आएगी और निहित स्वार्थों के द्वारा राज्य एजेंसी के आंकड़ों में जोड़तोड़ करने के प्रयासों को विफल करना होगा।

व्याकुलता के इस दौर में धरती को नई ऊर्जा प्राप्त होना राहत तथा मनुष्य के लिए वेदना के दौर में हुआ है। भले ही एक संकेंड के लिए, लेकिन हर मनुष्य प्रकृति की सुंदरता पर नाज़ करता है और इस कठिन समय में हो रही कठिनाइयों को भूल जाता है। यदि मानवता को इस महामारी से एक अंतराल की आवश्कयता है, तो पर्यावरण को भी हमसे राहत मिलने की जरूरत है।

आप की बात

लॉकडाउन का उल्लंघन

अत्यंत गरीब लोगों जैसे सब्जी बेचकर या मजदूरी करके अपनी रोजीरोटी चलाने वाले लोगों को छोड़कर अन्य जो भी लोग इस दुनिया पर आई इस भीषणतम् व्यधि कोरोना वायरस जनित रोग कोविड-19 के संक्रमण से बचाने के लिए सरकार की तरफ से किए गये लॉकडाउन का जो भी उल्लंघन करे,उसे कठोरतम् सजा मिलनी चाहिए, क्योंकि उस व्यक्ति के इस कुकृत्य या घोर लापरवाही भरे व्यवहार से वह स्वयं तो मृत्यु का ग्रास बनेगा ही अन्य सैकड़ों-हजारों या लाखों लोगों के जीवन को भी अत्यंत खतरे में डाल रहा है। कथित धार्मिक आस्था रखनेवाले आस्था के नाम पर खुद तो अवैज्ञानिक और अंधविश्वासपूर्ण कृत्य जैसे मस्जिदों या अन्य धार्मिक स्थलों पर सामूहिक नमाज-पूजा-अर्चना-हवन आदि कृत्य करते हैं। उनका यह अटल विश्वास है कि उनका ऊपर वाले या कथित परवर दिगार के रहते कुछ नहीं बिगड़ सकता! जबकि यह पूर्णत: अवैज्ञानिक व अंधश्रद्धा तथा अंधविश्वास से ज्यादे कुछ नहीं है। इस तरह के धार्मिक आस्था के नाम पर भीड़ करनेवालों पर बिना किसी भेदभाव के कठोरतम कार्यवाही होनी ही चाहिए। इसमें तबलीगी जमात हो या हवन करने का कृत्य हो या किसी मुख्यमंत्री का शपथग्रहण समारोह।

– **निर्मल के शर्मा**, गाजियाबाद

मोदी ने की सबसे तेज कार्रवाई

कई लेखों-टिप्पणियों में पढ़ने को मिला कि कोरोना को लेकर आम जनता के प्रति मोदी सरकार ने लापरवाही बरती है। वास्तविकता इसके उलट है। दुनिया में सबसे पहला जनता कर्फ्यू और लॉकडाउन मोदी ने भारत में लागू किया। मोदी कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या न्यूनतम रखने में कामयाब हुए हैं। पूरा विवरण पढ़े तो उनके कदमों की तेजी का अनुमान लगता है। 30 जनवरी को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना को महामारी घोषित किया। मोदी उसके काफी पहले कई कदम उठा चुके थे। 17 जनवरी को उन्होंने चीन की यात्रा न करने की सलाह जारी की। 18 को उनकी सरकार ने चीन व हांगकांग से आने वालों की स्क्रीनिंग शुरू कर दी। 30 को भारत में कोरोना का पहला रोगी मिला। उसी दिन चीन की यात्रा के विरुद्ध एक और सख्त सलाह जारी की गई। 3 फरवरी को चीनी नागरिकों को ई-वीसा की सुविधा बंद कर दी गयी। 22 फरवरी को सिंगापुर, नेपाल, इंडोनेशिया, वियतनाम, मलेशिया से आने वाली उड़ानों की स्क्रीनिंग शुरू हुई। 26 फरवरी को इस सूची में ईरान, इटली, कोरिया, मकाऊ आदि शामिल किये गए। 4 मार्च को सभी विदेशी यात्रियों के लिए आइसोलेशन अनिवार्य किया गया। 16 मार्च को कोरोना-ग्रस्त मुख्य देशों के यात्रियों पर प्रतिबन्ध लगा। – **पूनम मित्तल**, मेरठ

कोरोना पर हावी किम जोंग

भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि हम सब भारत के निवासी है। वरना अगर हम लोग उत्तर कोरिया से होते तो जान हथेली पर लेकर जी रहे होते। जिस प्रकार से कोरोना वायरस चीन से लेकर पूरी दुनिया में तहलका मचा रहा है उससे यह प्रतीत होता है कि यह वायरस कितना जानलेवा है। हज़ारों लोग रोज़ इस वायरस की चपेट में आकर अपनी जान गवां रहें हैं। मगर इन सबके बीच उत्तर कोरिया में हालात इसके बेहद उलट हैं । यहां के सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने एक फरमान ज़ारी किया है और बताया है कि जो शख्स कोरोना वायरस से संक्रमित होगा उसका इलाज सीधा गोली मारकर किया जाएगा। इस से वहां दहशत का माहौल है। वहीं उत्तर कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा के एक अधिकारी जब चीन से लौटे तो उन्होंने यह बात उत्तर कोरिया की सरकार को नहीं बताया और फिर किम जोंग ने उन्हें आइसोलेशन वार्ड में रखने के बजाय उन्हें सज़ा के तौर पर देश निकाला दे दिया। बड़ी यह है कि जिन लोगों को कोरोना वायरस है भी तो वह इस डर से भी नहीं बता रहें कि उन्हें गोली मार दी जाएगी।

– **यशस्वी सिंह**, प्रयागराज

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

निजामुद्दीन में तबलीगी जमात का अंतरराष्ट्रीय जमावड़ा किसी तालिबानी अपराध से कम नहीं है। कानून तो क्या खुदा भी इसके लिए माफ नहीं करेगा।
– **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

एक मजबूत और अधिक प्रभावी प्रतिक्रिया केवल एकजुटता के साथ ही संभव है। हमें अपने राजनीतिक खेल भूलकर महसूस करना होगा कि मानवमात्र का अस्तित्व दांव पर है।
– **एंटोनिया गुटरेस**
संयुक्त राष्ट्र महासचिव

वैश्विक दवाएं, स्वास्थ्यरक्षा विनिर्माण तथा आपूर्ति श्रृंखला समेत भारत-अमेरिका सहयोग कोरोना वायरस से निबटने के लिए अनिवार्य है।
– **माइक पोम्पियो**
अमेरिकी विदेश सचिव

क्वारेंटाइन सेंटर से कोई भागा तो डीएम-एसपी होंगे जिम्मेदार

आपदा से निपटने में लॉक डाउन में सहयोग दें: सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर गुरुवार को विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए गठित 11 कमेटियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर व्यक्ति को भोजन मिले। कोई भूखा नहीं रहना चाहिए। शेल्टर होम अच्छे बनाए जाएं। सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन हो। भोजन के साथ एक वक्त चाय भी अवश्य दें। खुद डीएम शेल्टर होम की जिम्मेदारी देखें। उन्होंने कहा कि क्वारंटाइन सेंटरों में भी अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। भोजन आदि का बेहतर प्रबंध हो। साथ ही सुरक्षा की पूरी व्यवस्था हो ताकि कोई मरीज भाग न सके। ऐसा होने पर डीएम और एसपी सीधे तौर पर जवाबदेह होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बैंककर्मी इस आपदा के वक्त में लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्हें किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उनके पहचान पत्र को ही लॉकडाउन पास के तौर पर स्वीकार किया जाए। साथ ही बैंकों की पूरी सुरक्षा होनी चाहिए। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मंडियों में पहुंच रही सब्जी और फलों की पूरी कीमत किसानों को मिलनी चाहिए। कोशिश करें कि उनके उत्पाद सौ फीसद बिक जाएं। यदि बचते हैं तो सरकारी विभाग इन उत्पादों को खरीदकर जरूरतमंदों तक पहुंचाएं।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर कोरोना वायरस कोविड-19 पर नियंत्रण हेतु लागू लाकडाउन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा है कि कोरोना वायरस को लेकर उत्पन्न आपदा की स्थिति से बाहर निकलने में लाक डाउन को शत-प्रतिशत सफल बनाना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक संयम और संकल्प को बनाये रखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि लाक डाउन के दौरान अन्तर्जनपदीय, अन्तर्राज्यीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं को पूर्णत: सील किया गया है। इन सीमाओं का उल्लंघन न होने पाये।

उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था, निराश्रित महिला, दिव्यांगजन तथा कुष्ठावस्था पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को पेंशन राशि का आनलाइन हस्तांतरण कल 3 अप्रैल को किया जाएगा। इससे लगभग 87 लाख लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने रोजगार सेवकों का भुगतान शीघ्र किये जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि लाकडाउन से प्रभावित नागरिकों की समस्या का त्वरित निस्तारण किया जाए। सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शेल्टर होम किसी टेण्ट अथवा खुले में न बनाकर किसी भवन में ही बनाया जाए। शेल्टर होम्स में भोजन, पेयजल, दवा आदि की पूरी व्यवस्था के साथ ही सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों, महिलाओं तथा मानसिक रूप से कमजोर लोगों की काउन्सिलिंग की व्यवस्था की जाए। प्रत्येक शेल्टर होम में एक इन्चार्ज नियुक्त किया जाए।

प्रमुख सचिव कृषि ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश के सभी जनपदों में कम्युनिटी किचन का सफल संचालन किया जा रहा है। जरूरतमन्दों को उचित माध्यम से कुक्ड फूड के पैकेट उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारियों द्वारा खाद्य पदार्थ की जारी की गयी रेट लिस्ट का सकारात्मक परिणाम मिला है, जिससे कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को निर्देशित किया कि कोरोना वायरस कोविड-19 की जांच हेतु टेस्टिंग किट की संख्या बढ़ायी जाए। पीपीई किट व मास्क आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी सप्लाई चेन बनायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तबलीगी जमात से सम्बन्धित विदेशियों पर भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप एपिडेमिक एक्ट तथा डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए। जमात से जुड़े लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर इन्हें क्वारेन्टाइन भी किया जाए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव कुमार मित्तल, अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल एवं संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, सूचना निदेशक शिशिर सहित अधिकारी उपस्थित थे।

यूनिसेफ ने भेजे 34 काउंसलर

कोरोना से बचाव के लिए क्वारंटाइन या लॉकडाउन की स्थिति झेल रहे लोगों की मनोदशा की भी चिंता सरकार कर रही है। परेशान लोगों की काउंसिलिंग के निर्देश योगी पहले ही दे चुके थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यूनिसेफ ने 34 काउंसलर भेजे हैं। इन काउंसलरों और विशेषज्ञों की मदद से आश्रयस्थलों में रह रहे लोगों व घरों में अकेले मौजूद बुजुर्ग की काउंसिलिंग कराते रहें। उनके नंबर सभी को उपलब्ध करा दें और संदेश दे दें कि कोई भी किसी वक्त समस्या के लिए इस पर फोन कर सकता है। इसके साथ ही 1070 को टोल फ्री नंबर के साथ कंट्रोल रूम बनाकर जोड़ा जाए। अपर मुख्य सचिव राजस्व की अगुआई में लोगों को मदद पहुंचाने और सूचनाएं मंगाने के लिए इस नंबर का इस्तेमाल करें।

वेंटिलेटर और ट्रिपल मास्क की व्यवस्था मजबूत करें: योगी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सम्बोधन में यूपी के मुख्यमंत्री ने योगी आदित्यनाथ ने राज्य के अधिकारियों को प्रदेश में वृद्धाश्रम तथा अन्य आश्रय स्थलों का विवरण संकलित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रदेश में उपलब्ध वेंटीलेटर्स, पीपीईए ट्रिपल मास्क की व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में ही मास्क एवं सैनेटाइज़र निर्माण को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही एसजीपीजआई के माध्यम से आयुष डाक्टरों, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, आशा बहुओं, अवकाश प्राप्त स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। उन्होंने पुलिस कर्मियों के लिए आवश्यक पीपीई की भी व्यवस्था करने और आयुष डाक्टरों की एक बैठक बुलाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मास्टर टेनर्स को भलीभांति प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि यह लोग अपने-अपने जनपदों में सम्बन्धित स्टाफ को भी प्रशिक्षण दे सकें। उन्होंने आर्मी मेडिकल कोर के लोगों को जोड़ने के साथ-साथ कोविड.19 टेस्टिंग लैब्स की स्थापना के भी निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जनपद में संभ्रान्त व्यक्तियों, धर्माचार्यों, धर्म गुरुओं के साथ ब्लाक, थाना, तहसील, जनपद स्तर पर मीटिंग कर सभी समुदायों तक कोरोना से निपटने के लिए उठाये जा रहे कदमों जैसे लाक डाउन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री की वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा डा रजनीश दुब, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल तथा पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी मौजूद थे।

किसानों को यूपी सरकार का राहत भरा फैसला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● हार्वेस्टर व अन्य कृषि उपकरणों को लॉकडाउन में मिलेगी छूट

उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों के लिए एक राहत बड़ा फैसला किया है जिसके तहत अब हार्वेस्टर व अन्य उपकरणों को लॉक डाउन में छूट प्रदान की जाएगी। प्रदेश के अंदर एक जिले से दूसरे जिलों में जाने के साथ ही दूसरे प्रदेशों के हार्वेस्टर भी यूपी के जिलों में आ सकेंगे। इस संबंध में प्रमुख सचिव कृषि डॉ देवेश चतुर्वेदी की ओर से बृहस्पतिवार को सभी जिलों के जिलाधिकारियों को आदेश जारी किए गए हैं।

जारी आदेशों में कहा गया है रबी की कटाई सुनिश्चित करने के लिए कम्बाईन हार्वेस्टर तथा अन्ना कृषि यंत्रों को संचालन की अनुमति दी गयी थी । कुशल श्रमिकों के अन्तर्जनपदीय आवागमन हेतु यथा आवश्यक पास निर्गत करने की अनुमति दी गयी थी । उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा 27 मार्च को निर्गत आदेश द्वारा भी हार्वेस्टर व अन्य बुआई से सम्बंधित उपकरणों के अन्तर्राज्यीय अन्तर जनपदीय यातायात की अनुमति कर दी गयी है। इस सम्बंध में यह भी निर्देशित किया गया है कि अन्य राज्यों जैसे पंजाब और हरियागा से आनेवाले कम्बाईन हार्वेस्टर को भी अधिकतम 5 श्रमिकों के साथ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आने की अनुमति दे दी जाए। जिससे वह प्रदेश में किसानों के रबी की फसल की समय से कटाई हेतु अपना योगदान दे सकें।

केंद्र सरकार ने तेज की मॉनीटरिंग रोज भेजनी होगी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्य सचिव ने आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति के लिए ई-पास ऑनलाइन जारी किए जाने के सभी डीएम को दिए निर्देश

लॉकडाउन को लेकर राज्य सरकारें क्या और कैसा कदम उठा रही हैं इसकी मानीटरिंग केंद्रीय स्तर अब तेज हो गई है। पीएमओ और केंद्रीय गृह विभाग को अब हर राज्य को प्रतिदिन की रिपोर्ट देनी होगी। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक यह रिपोर्ट मुख्य सचिव केंद्र को भेजेंगे। जिलों के माध्यम से आई रिपोर्ट के आधार पर ही तय हो पाएगा कि कोरोना पर कितनी विजय प्राप्त की जा चुकी है। प्रतिदिन शाम को मुख्यमंत्री कार्यालय से भी अपडेट भेजा जाएगा।

तबलीगी जमात के कारण जिस प्रकार से देश में कोरोना से संक्रमण के मामाले तेजी से बढ़े हैं उसको लेकर गृह मंत्रालय चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल तक लाकडाउन की घोषणा कर रखी है। इस बीच सभी राज्यों को लाकडाउन पर सख्ती से काम करते हुए कोई नए मरीज की संख्या में इजाफा न होने पाए इस रणनीति पर काम करना है। सभी सरकारी विभागों के बंद होने के कारण क्षेत्र में काम कर रहे अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए कई वरिष्ठ अधिकारियों को भी जिम्मा दिया गया है। प्रधानमंत्री ने इस काम की शुरुआत राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग करके कर दी है। अब वह राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ भी कुछ दिन बाद फीड बैक लेंगे। राज्य सरकार ने कोरोना पर विजय पाने के लिए धन की कमी न आने पाए इसके लिए कई लिए वित्तीय प्रावधानों में संशोधन करने का निर्णय लिया है ताकि विभागों को आवंटित बजट को आकस्मिक निधि के लिए भी व्यय किया जा सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतिदिन चार से पांच जिलों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग कर रहे हैं। जिलों में जो समस्या आ रही है उसका निस्तारण कान्फ्रेंसिंग में बैठे टीम इलेवन के अधिकारी करते हैं। उधर मुख्य सचिव आरके तिवारी ने लॉकडाउन की अवधि में आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति के लिए ई-पास ऑनलाइन जारी किए जाने के सभी डीएम को निर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था मुख्यत: सूचीबद्ध आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति करने वाली संस्थाओं के लिए जारी करने के लिए निर्मित की गई है। उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों में आमजन चिकित्सा सेवाएं प्राप्त करने के लिए ही इ-पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। यदि किसी क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं की आपूर्ति आमजन को प्राप्त नहीं हो रही हो तो उनके द्वारा इसकी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर की जा सकती है। ई-पास पोर्टल में संस्थागत पास का भी प्राविधान किया गया है जिसमें एक संस्थान, आवेदक सहित अधिकतम 5 कार्मिकों के लिए पास का आवेदन कर सकेगी। ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों का परीक्षण, सत्यापन अधिकृत प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किया जाएगा तथा आवेदनों को परीक्षणोपरान्त स्वीकृत या अस्वीकृत किया जाएगा। स्वीकृत किए गए आवेदनों के लिए इ-पास ऑनलाइन जारी किए जाएंगे जिनको आवेदक द्वारा उन्हें प्राप्त एसएमएस में दिए गए लिंक पर क्लिक कर डाउनलोड, प्रिण्ट कर उपयोग किया जा सकेगा तथा इ-पास की इलेक्ट्रॉनिक कॉपी भी मान्य होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद की सीमा के अंतर्गत मान्य इ-पास जारी करने के लिए जनपद के उपजिलाधिकारी तथा प्रदेश की सीमा के भीतर अंतर्जनपदीय इ-पास जारी करने के लिए जनपद के अपर जिलाधिकारी अधिकृत होंगे। संस्थानों के लिए जारी ई-पास लॉकडाउन की अवधि तक वैध होंगे जबकि आमजन के लिए जारी जनपदीय मर्च की वैधता 1 दिवस की होगी एवं अंतर्जनपदीय पास की वैधता 2 दिन की होगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ के स्तर पर पूरे प्रदेश के लिए विशिष्ट मामलों में प्रदेश स्तरीय पास जारी किया जाएगा।

अखिलेश यादव ने की जनता से संयम रखने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सरकार गांव-गांव तक फैले सपा कार्यकर्ताओं की साइकिल के माध्यम से खाद्य-दवा के वितरण में ले सकती है मदद

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोरोना संकट के समय जनता से संयम की अपील करते हुए सरकार से जनता में विश्वास जगाने वाले कदम उठाने का भी सुझाव दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर सरकार राजनीति से ऊपर उठकर निर्णय ले तो वह गांव.गांव तक फैले समाजवादी पार्टी के संगठन व कार्यकर्ताओं की साइकिल के माध्यम से खाद्य.दवा आदि के वितरण में मदद ले सकती है। हम इसके लिए तैयार है।

यादव ने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण आना चाहिए कि उसके पास अभी कितने दिनों के लिए खाद्य सामग्री का भण्डारण है। गेहूं से आटा बनाने का काम सम्बन्धित औद्योगिक इकाइयों द्वारा तुरन्त शुरू करना चाहिए। इससे खाद्य सामग्री की जमाखोरी, कालाबाजारी पर रोक लगेगी। इसी तरह जो बच्चे मिडडे मील में पौष्टिक आहार पा रहे थेए उनके घरों तक इसे पहुंचाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यादव ने कहा कि सरकार को यह बताने में भी नहीं हिचकना चाहिए कि प्रदेश के हर जिले में कोरोना की जांच की कितनी किटें उपलब्ध हैं। संक्रमण की आशंका को देखते हुए लोगों के लिए कितने आइसोलेशन वार्ड बने हैं और मरीजों के इलाज के लिए कितने वेंटीलेटर उपलब्ध हैंए इससे आश्वस्त लोगों में डर कम होगा। डाक्टरोंए नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ का जनता को सम्मान करना चाहिए और उन्हें अपना कार्य करने का अवसर मिलना चाहिए। स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाये। अखिलेश यादव ने फसल पकने के बाद खेतों में खड़ी फसल की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा है कि कोरोना लॉकडाउन के चलते फसल काटने के लिए मुंहमांगी कीमत पर मजदूर नहीं मिल रहे हैं।

किसान की दूसरी चिंता यह भी है कि इन हालात में वह अपनी फसल कहां बेचेगाघ् क्या आढ़तियों के हाथों उसे औनेपौनें दाम पर लुटाने की मजबूरी होगीघ् श्री यादव ने कहा कि इससे पहले से ही नोटबंदी से परेशान किसान अब लॉकडाउन में तो पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। उसके सामने जीवन.मरण की समस्या गम्भीर रूप ले लेगी। गन्ना किसानों के बकाये का तत्काल भुगतान करने की सरकार द्वारा व्यवस्था की जाए।

रामनवमी पर दी शुभकामनाएं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रामनवमी के पावन पर्व पर अनंत शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि आज उदारता, त्याग और अन्याय के विरूद्ध संघर्ष के भगवान श्रीराम के चरित्र से हमें शिक्षा लेने की जरूरत है। समाजवादी पार्टी सबके लिए न्याय के साथ सुख.समृद्धि और शांति की कामना करते हैं।

अण्डमान-निकोबार में फंसे प्रदेश के नागरिकों के लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित

लखनऊ। कोरोना वायरस कोविड.19 पर नियन्त्रण हेतु लॉक डाउन में अण्डमान-निकोबार में फंसे प्रदेश के नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं उनको सुविधाएं उपलब्ध कराने के स्थापित कन्ट्रोल रूम का टेलीफोन नम्बर जारी किया गया है। यह नम्बर 0522-2237321 है।

पश्चिम बंगाल व अण्डमान-निकोबार के लिए यह कन्ट्रोल रूम योजना भवन, लखनऊ में स्थापित किया गया है। यह जानकारी आज यहां एक सरकारी प्रवक्ता ने देते हुये बताया कि अण्डमान-निकोबार में फंसे प्रदेश के नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं उनको सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अपर मुख्य सचिव नियोजन, कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कुमार कमलेश को अण्डमान-निकोबार का नोडल अधिकारी बनाया गया है। कुमार कमलेश पश्चिम बंगाल राज्य के भी नोडल अधिकारी हैं।

लॉक डाउन का पालन करने के साथ गरीबों की भी मदद करें

लॉकडाउन के बाद युद्ध स्तर पर शुरू कराए जाएंगे निर्माण कार्य: केशव प्रसाद मौर्य

● लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम, राजकीय निर्माण निगम के अधिकारी-कर्मचारी राहत कोष में देंगे एक दिन का वेतन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने न पाए, इसके लिए हम सबको पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लॉकडाउन का पालन तो करना ही है, साथ ही हमें गरीबों ,रोज कमाने खाने वाले लोगों एव श्रमिकों की मदद भी करनी है। उन्होंने कहा कि सरकार जहां एक तरफचिकित्सा सेवायें दे रही है ,वहीं युद्ध स्तर पर काम करके लोगों को राहत सामग्री व आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है ।

मौर्य ने कहा कि गरीबों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और हम गरीबों की सेवा के लिए पूरी तत्परता के साथ काम कर रहे हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं लोगो को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से आज उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता मे लोक निर्माण विभाग ,सेतु निगम राजकीय निर्माण निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक का आयोजन उप मुख्यमंत्री के आवास 7 कालिदास मार्ग पर किया गया । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बताया कि लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम के सभी अधिकारी व कर्मचारी अपना 1 दिन का वेतन प्रधानमंत्री केयर फंड, मुख्यमंत्री राहत कोष मे देंगे। यह धनराशि लगभग 5 करोड़ रुपए होगी।

उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया की अधिकतर जिलों में आवश्यकता के अनुरूप लोक लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं व समाजसेवियों के माध्यम से कम्युनिटी किचन किचन सेंटर चलाये जाएंगे, जिनमें लखनऊ कानपुर व प्रयागराज में कम्युनिटी किचेन सेंटर प्रारंभ कर दिए गए हैं। अन्य जिलों में भी शीघ्र ही कम्युनिटी किचन सेंटर खोले जाएंगे, जिनके माध्यम से गरीबों को भोजन के पैकेट वितरित किए जाएंगे, यही नहीं खाद्यान्न सामग्री आल, चावल, आटा, चना, लाइ, सत्तू, नमक आदि पैकेट भी अलग से देने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह चलाए जाने वाले कम्युनिटी किचन सेंटर के बारे में नोडल अधिकारियों का तत्काल चयन कर ले और वह स्वयं सेवी संस्थाओं व समाजसेवियों के माध्यम से लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में आवश्यकता के अनुरूप कम्युनिटी किचेन सेंटर अपनी देखरेख में संचालित कराएंगे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उन्होंने अपना एक माह का वेतन प्रधानमंत्री राहत कोष व 1 माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान किया है। उन्होंने कहा जैसे ही लाक डाउन खत्म होता है ,सभी निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ किये जांए ताकि मजदूरों को व बेरोजगार लोगों को काम मिल सके और उनकी रोजी रोटी आसानी से चलने लगे। इसके लिए उन्होंने अभी से लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों को एलर्ट रहने के निर्देश देते हुए कहा कि अभी से ठोस व प्रभावी रणनीति बना ली जाए ताकि लॉक डाउन खत्म होते ही कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ हो जाएं। उन्होंने कहा इस हेतु मैन पावर का आंकलन पहले से कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि हमें अपने सेवा धर्म का निर्वाह हर हाल में करना है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नितिन रमेश गोकर्ण, सचिव रंजन कुमार, समीर वर्मा विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग आरआर सिंह, प्रमुख अभियंता राजपाल सिंह, सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव मुख्य अभियंता संजय गोयल, विशेष कार्याधिकारी प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

धार्मिक संस्थानों के नाम पत्र लिखकर प्रियंका गांधी ने की मदद की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव व यूपी कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने धार्मिक संस्थानों, मठों, डेरों, मंदिरों, इदारों, गुरुद्वारों और चर्चों के नाम अपील करते हुए पत्र लिखा है। महासचिव ने पत्र में लिखा है कि हमारा देश कोरोना महामारी के भयानक संकट से गुजर रहा है। मानव जाति पर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा है। देश के कोने-कोने से लोग अपने घरों को भूख-प्यासे लौट रहे हैं। लोगों की नौकरियां छूट रहीं हैं। मजदूरों के काम बंद हो गए हैं। ठेले खोमचे वालों रोजी ठप्प हो गयी है।

हालात यह हैं कि कई जगह लोग दाने-पानी को तरस रहे हैं। बीमार-बुजुर्ग लोगों के पास दवा नहीं पहुंच रही है। बच्चे भूख से व्याकुल हो रहे हैं। उन्होंने पत्र में अपील में कहा है कि आप और आपकी संस्थाएँ सैकड़ों-हजारों वर्षों से इंसानियत की सेवा कर रही हैं और सबको नेकी का रास्ता दिखा रही हैं। मानव सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य और सवाब है। आपसे हम सबको प्रेरणा मिलती है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कोरोना महामारी में लोगों की मदद कर रही है। महासचिव ने अपने पत्र में अपील करते हुए लिखा है कि मैंने उप्र के हर जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की वॉलेंटियर टीम कांग्रेस के सिपाही बनवाकर उन्हें जरूरतमंदों की मदद करने को कहा है। हमारे साथी अपनी शक्ति भर इसमें मदद कर रहे हैं।

प्रियंका ने गुजारिश करते हुए करते हुए पत्र के अंत में लिखा है कि यदि आपको आपके जनसेवा के कार्यों में वॉलेंटियर्स की जरूरत है तो आप हमारी जिला टीम से संपर्क कर सकते हैं। सांझी रसोई चलाने से लेकर जरूरतमंदों तक मदद पहुँचाने के काम में हमारे साथी आपकी मदद करने को सहर्ष तैयार हैं। कोरोना आपदा में राहत व बचाव कार्यों से जुड़े अन्य कामों में भी यह आपके साथ सहयोग को तत्पर रहेंगे। मुझे उम्मीद नहीं विश्वास है कि इस लड़ाई में हम सब एकजुट होकर एक दूसरे की मदद करेंगे और कोरोना महामारी से भारतवासियों की रक्षा करने का हर एक प्रयास करेंगे।

दलितों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं: लल्लू

● खीरी मामले में दोषी पुलिस कर्मियों को जेल भेजे सरकार

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि लखीमपुर खीरी के मैगलगंज थाना क्षेत्र में पुलिस उत्पीड़न से परेशान युवक रोशन लाल ने आत्महत्या कर ली है। इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफतत्काल कार्रवाई करके जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में कोरोना महामारी अपने चरम पर है शासन प्रशासन के तरफसे आम लोगों को कोई पुख्ता राहत नहीं दी जा रही है। दूसरी तरफए कोरोना वायरस महामारी के नाम पर पुलिसिया उत्पीड़न जारी है।तमाम सोशल मीडिया नेटवर्क पर पुलिसिया दमन और उत्पीड़न की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं जो दिल दहला देने वाले हैं । प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार में लगातार पुलिसिया उत्पीड़न बढ़ा है। उन्होंने कहा कि एक खास किस्म की जगह जेहनियत के चलते प्रदेश में पुलिस लगातार दलितों पिछड़ों और अल्पसंख्यक समाज पर जुर्म हो रहा है।

गरीबों को बांटा गया रिकार्ड राशन

लखनऊ। खाद्य एवं रसद विभाग ने आज अब तक का रिकार्ड ट्रांज़ैक्शन करते हुए एक दिन में सबसे ज़्यादा राशन वितरित किया। खाद्य आयुक्त ने बताया कि 55.61 लाख परिवारों के 2.35 करोड़ लोगों को 135040 मीट्रिक टन अनाज वितरित किया गया। जिसमें 21.12 लाख परिवारों के 84.22 लाख श्रमिकों-मज़दूरों को 59655 मीट्रिक टन अनाज निशुल्क दिया गया। कुल अनाज का 44 प्रतिशत अनाज निशुल्क अंत्योदय कार्ड धारकों तथा श्रमिकों-मज़दूरों को वितरित किया गया। विदित हो कि पहली अप्रैल से अब तक कुल 1.01 करोड़ परिवारों के 4.19 करोड़ लोगों को 261513 मीट्रिक टन राशन दिया जा चुका है। कोविड.19 महामारी के दृष्टिगत ईपाश से वितरण के समय सोशल डिस्टेंसिंग का अनुसरण किया जा रहा है। प्रत्येक उचित दर दुकान पर सैनिटाइजर-साबुन एवं पानी रखा जा रहा है ताकि

हाथ धुलने के उपरांत ही ईपाश का इस्तेमाल हो। अधिकारियों द्वारा लगातार निरीक्षण कर इसका अनुपालन करवाया जा रहा है। राशन वितरण हेतु प्रत्येक उचित दर दुकान हेतु नोडल अधिकारी की नियुक्ति जिलाधिकारी द्वारा की गई है तथा क़ानून व्यवस्था हेतु कुछ जगहों पर चवसपबम का प्रबंध भी है। ज़िलाधिकारी के नेतृत्व में, उचित दर विक्रेता नोडल अधिकारी तथा ग्राम प्रधान की उपस्थिति में राशन का समुचित वितरण सुनिश्चित करा रहे हैं।

कांग्रेस ने नए वित्तीय पैकेज की घोषणा और आर्थिक कार्यबल के गठन की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने गुरुवार को देश में कोरोना संकट पर चर्चा की और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि मुश्किलों का सामना कर रहे मजदूरों, किसानों और गरीबों को सहायता देने के लिए नई वित्तीय कार्य योजना की घोषणा की जाए। सोनिया गांधी की अध्यक्षता में बैठक के बाद सीडब्ल्यूसी ने एक बयान जारी कर यह भी कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सरकार प्रख्यात अर्थशास्त्रियों को शामिल करते हुए आर्थिक कार्यबल का गठन करे। उसने कोरोना के खिलाफ लड़ रहे चिकित्साकर्मियों को हर सुविधा और सभी निजी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करने की मांग की।

सीडब्ल्यूसी ने कहा, कोरोना से इस जंग में हम देश की ओर से हमारे डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्यकर्मियों, सफाई कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों व अधिकारियों, जरूरी सेवा देने वाले सभी विभागों के कर्मियों का विशेष तौर से धन्यवाद करते हैं।

उसने कहा, वायरस को फैलने से रोकने के लिए व्यापक व प्रभावी टेस्टिंग, संक्रमित व्यक्तियों का इलाज एवं महामारी से लड़ने के लिए क्षमता, बुनियादी ढांचे तथा मानव संसाधनों का विस्तार बहुत जरूरी है। कांग्रेस कार्य समिति ने गरीब लोगों, खासकर दैनिक मजदूरों, प्रवासी मजदूरों, संविदा व अस्थाई कर्मियों, छंटनी किए गए मजदूरों, स्वरोजगारियों, किसानों, पट्टे पर खेती करने वाले किसानों, भूमिहीन कृषि मजदूरों और छोटे एवं मध्यम उद्योगों की मदद की मांग की।

सीडब्ल्यूसी ने सरकार द्वारा घोषित पैकेज को नाकाफी करार दिया और कहा, नई वित्तीय कार्य योजना घोषित की जाए। साथ ही कांग्रेस सरकार द्वारा प्रस्तुत की गई न्याय योजना एक उपयोगी मॉडल प्रस्तुत करती है, जिसे अपनाकर लागू किया जा सकता है।

सीडब्ल्यूसी ने कहा सरकार ने बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बारे में कोई विचार नहीं किया। यह स्थिति किसी भी देरी को स्वीकार नहीं कर सकती। उसने आग्रह किया कि केंद्र सरकार को विश्व के प्रख्यात अर्थशास्त्रियों को लेकर तत्काल एक आर्थिक कार्य बल का गठन करना चाहिए, जो अर्थव्यवस्था को पुन: पटरी पर लाने का काम करे। कांग्रेस कार्य समिति ने कहा, गठन के बाद इस कार्यबल को एक हफ्ते की आपात योजना, एक माह की लघुकालिक एवं मध्यमकालिक तथा तीन माह की दीर्घकालिक योजना पर काम करना चाहिए।

गहनों की दुकान की श्रृंखला के निदेशक के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर पुलिस ने गहनों की दुकान की श्रृंखला त्रिभुवनदास भीमजी जावेरी एंड संन्स (टीबीएज) के एक निदेशक हेमंत जावेरी के खिलाफ जालसाजी का नया मामला दर्ज किया है। उनपर निवेशकों से 38.85 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर शाखा के आदेश पर बुधवार को मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों ने जमाकर्ताओं को कथित रूप से जाली चैक दिए। यह चैक समझौते के तहत दिए गए। पुलिस ने एक बयान में बताया कि जावेरी (60) और और कंपनी के अन्य निदेशकों ने सोना जमा करने की योजना शुरू की थी। इस योजना में नागपुर निवासी मनीष किरण देशराज (50) ने 2015 में 38.85 लाख रुपए का।,450 ग्राम सोना निवेश किया था। टीबजे की शाखा ने देशराज से मुनाफे को साझा करना बंद कर दिया और भुगतान करने में भी देरी करने लगी।

जम्मू में तावी नदी में रामनवमी के अवसर पर साख अर्पित करते हुए श्रद्धालु

केरल में शराब खरीदने के लिए विशेष पास जारी करने के आदेश पर कोर्ट ने रोक लगाई

भाषा। कोच्चि

के रल उच्च न्यायालय ने नशे के आदी लोगों को शराब खरीदने के लिए विशेष पास जारी करने के राज्य सरकार के आदेश पर तीन हफ्ते के लिए रोक लगा दी है। अदालत ने कहा, यह निराशाजनक है... यह आपदा को न्योतने का तरीका है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या वह साबित कर सकते हैं कि नशे की लत का इलाज शराब से हो सकता है।

केरल सरकार चिकित्सा आधिकारी संघ (केजीएमओए) समेत विभिन्न पक्षों की ओर से दायर याचिका पर स्थगन आदेश जारी करते हुए न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नंबियार और न्यायमूर्ति शाजी पी चाली की पीठ ने सरकार को इस मामले में एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा। चिकित्सकों के संघ की आपत्ति के बावजूद सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में शराब के लती लोगों को लॉकडाउन (बंद) के दौरान शराब मुहैया कराने का आदेश दिया था।

सरकार ने आदेश में कहा था कि बंद और शराब की दुकानें नहीं खुलने से नशे के लती लोगों के आत्महत्या करने और अवसाद का शिकार होने की घटनाएं सामने आई हैं, जिसके मद्देनजर यह फैसला लिया गया है।

पीठ ने सरकार के इस आदेश पर चिंता जताते हुए कहा कि चिकित्सा से जुड़े किसी दस्तावेज में शराब की लत के शिकार व्यक्ति के इलाज के लिए अल्कोहल को उपचार के तौर पर सुझाया गया है।

सरकार ने आदेश में कहा था कि शराब से दूर रहने पर शारीरिक और मानसिक दिक्कतों का सामना कर रहे लोगों को नियंत्रित और निर्धारित तरीके से शराब मुहैया कराई जा सकती है।

करगिल में एक व्यक्ति के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि

लेहा जम्मू। करगिल में एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है और उसके सम्पर्क में आए सभी लोगों का पता लगाया जा रहा है।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आयुक्त (स्वास्थ्य) रिग्जिन सम्फेल ने कहा, एक व्यक्ति की रिपोर्ट आ गई है। उसके वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। यह व्यक्ति करगिल की चितान सीमा के संजक इलाके का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि उसे पहले ही अस्पताल मे पृथक रखा गया है। सम्फेल ने बताया कि यह संक्रमित व्यक्ति किस-किस से मिला, यह पता लगाने और उचित कार्वाई करने के लिए ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) के नेतृत्व में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टीमों को संजक-चितान इलाके में भेजा गया है। उन्होंने कहा, हमें पता चला है कि वह करगिल के अचनथांग इलाके में भी गया था। वह वहां किस-किस से मिला, यह पता लगाने के लिए भी एक टीम को भेजा गया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने केंद्र से सहयोग मांगा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए हुई बैठक में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप की रोकथाम और राहत के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों को लेकर केंद्र से सहयोग पर जोर दिया। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के उपायों पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री द्वारा सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बुलाई गई इस तरह की दूसरी बैठक में पलानीस्वामी ने तमिलनाडु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्योरा दिया। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में देश में तमिलनाडु तीसरे स्थान पर है। राज्य में अब तक संक्रमण के 110 मामले सामने आए हैं। एक संक्षिप्त विज्ञप्ति के अनुसार पलानीस्वामी ने मोदी को राज्य सरकार और केंद्र सरकार की मदद से संक्रमण की रोकथाम और राहत उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री सी विजयभास्कर और राजस्व मंत्री आर बी उदयकुमार सहित मुख्य सचिव के षनमुगम, पुलिस महानिदेशक जे के त्रिपाठी जैसे शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। बैठक में प्रवासियों के कल्याण, आवश्यक सामग्री और सेवाओं की उपलब्धता तथा तबलीगी जमात के प्रतिभागियों के संपर्क में आए लोगों की पहचान जैसे मुद्दों पर बात की गई होगी। दिल्ली में प्रधानमंत्री के साथ बैठक में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। देश में 24 मार्च को लागू किए गए 21 दिनी लॉकडाउन के बाद प्रधानमंत्री की वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्रियों के साथ यह दूसरी बैठक थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोरोना वायरस से अब तक देश में 50 मौतें हो चुकी हैं। देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या गुरुवार को।,956 पहुंच गई।

बालिका, एक गरीब महिला ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई मे दिखाई इंसानियत

आइजोल। कहते है कि दुनिया में इंसानियत सबसे बड़ी चीज होती है और इस बात को नौ वर्षीय एक बच्ची और एक महिला ने सही साबित किया है। आइजोल में फेथ अकादमी की कक्षा तीन की छात्रा जोरिंतलुआंगी और एक निराश्रित विधवा मेलोकी में एक बात सामान्य है कि इन दोनों के दिल बहुत बड़े हैं। जोरिंतलुआंगी ने जानलेवा कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मदद और 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की सहायता के लिए अपनी पूरी बचत 1,107 रुपए लुआंग्मुल स्थानीय स्तर के कार्यबल को दान कर दी है। लड़की की मां जोरिनचुंगी ने पीटीआई को बताया कि जब से लॉकडाउन की शुरूआत हुई है उनकी बेटी सो नहीं पाई है। वह लॉकडाउन से प्रभावित लोगों की मदद करना चाहती है। उसने अपनी गुल्लक को तोड़कर उसमें से निकली धनराशि को जरूरतमंदों की मदद के लिए दान कर दिया।

पवार ने मुसलमानों से शब-ए-बारात पर घर में ही रहने का आग्रह किया

मुंबई। राकांपा के प्रमुख शरद पवार ने कोरोना वायरस के मद्देनजर गुरुवार को मुस्लिम समुदाय से शब-ए-बारात पर घरों में रहकर इबादत करने का आग्रह किया। साथ में डॉ बी आर आंबेडकर की जयंती के मौके पर होने वाले कार्यक्रमों को भी स्थगित करने का अनुरोध किया। पवार ने कहा कि गुरुवार को मनाई जा रही रामनवमी पूरे देश में हर साल धूमधाम से मनाई जाती है। उन्होंने फेसबुक के जरिए किए गए संबोधन में कहा, दुर्भाग्य से, इस साल कोरोना वायरस का खतरा है और हमें कुछ पाबंदियों का पालन करना है... मुझे यकीन है कि लोग अपने घरों के अंदर भगवान राम को याद कर रहे होंगे।

पवार ने दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम पर कहा, यह कार्यक्रम करने से बचना चाहिए था, लेकिन ऐसे नहीं किया गया और शायद इसकी कीमत दूसरों को चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि इस बात की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है कि कार्यक्रम में शामिल कुछ लोग संक्रमित हो सकते हैं। उन्होंने कोविड-19 की वजह से उपजी स्थिति को देखते हुए अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया। पवार ने कहा कि शब-ए-बारात (मगफिरत या गुनाहों की माफी की रात) आठ अप्रैल को है। इस रात को मुसलमान दुनिया से जा चुके अपने रिश्तेदारों को याद करते हैं और कब्रिस्तान जाते हैं। यह घर में रहकर मनाना चाहिए। निजामुद्दीन जैसी घटना ना हो, इसके लिए एहतियात बरतनी चाहिए।

संविधान निर्माता आंबेडकर की 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली जयंती पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों को आंबेडकर जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को टालने पर विचार करना चाहिए। पवार ने कहा, हम सामान्य तौर पर इसे (जयंती को) दो या तीन महीने मनाते हैं। हमें सोचना चाहिए कि हमें क्या वाकई इस मौके (कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए) पर इस कार्यक्रम को मनाना चाहिए?

मथुरा और वृंदावन के एक मन्दिर परिसर में लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों के लिए खाना बनाते हुए लोग

कोरोना वायरस से जान गंवाने वाले मुस्लिम व्यक्ति को कब्रिस्तान ने दफनाने से मना किया, जलाया गया

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से मृत 65 वर्षीय एक मुस्लिम व्यक्ति के परिजनों ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उपनगर मलाड में कब्रिस्तान के न्यासियों द्वारा शव दफनाने से मना करने के बाद उसे जलाना पड़ा। यह घटना बुधवार की है। मृतक मालवाणी के कलेक्टर परिसर में रहता था और जोगेश्वरी स्थित बीएमसी के अस्पताल में बुधवार तड़के उसकी मौत हुई थी। मृतक के परिवार के सदस्य ने आरोप लगाया कि शव को मलाड के मालवाणी कब्रिस्तान ले जाया गया। न्यासियों ने यह कह कर शव को दफनाने से इनकार कर दिया कि मृतक कोरोना वायरस से संक्रमित था। यह तब किया गया जब महानगर पालिका ने सुबह चार बजे शव को दफनाने की अनुमति दी थी।

परिवार के सदस्य ने बताया कि स्थानीय पुलिस और एक स्थानीय नेता ने हस्तक्षेप की कोशिश की और न्यासियों से शव दफनाने की अनुमति देने का आग्रह किया। वे नहीं माने। कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हस्तक्षेप किया और नजदीक स्थित हिंदू शमशान भूमि में शव को जलाने का अनुरोध किया। परिवार की सहमति से सुबह दस बजे शव को जलाया गया। महाराष्ट्र के मंत्री और मालवानी से विधायक असलम शेख ने पीटीआई को बताया, सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमित मुस्लिम मृतक के शव को उस स्थान के नजदीक स्थित कब्रिस्तान में दफनाया जाना चाहिए, जहां पीड़ित का निधन हुआ हो।

इस मामले में परिवार के लोग मृतक का शव कब्रिस्तान के न्यासियों सहित किसी को बताए बिना सीधे मलाड मालवाणी कब्रिस्तान ले गए और उसे दफनाने की मांग करने लगे। शेख ने कहा, महानगर पालिका कर्मियों पर सख्त कार्वाई की जानी चाहिए जिन्होंने शव को दिशानिर्देश के बावजूद ले जाने दिया। इससे एक दिन पहले ही एक और कोरोना वायरस संक्रमित मृतक को उस कब्रिस्तान में दफनाया गया था।

मृतक के बेटे ने कहा, अस्पताल में पिता की मौत होने के बाद कोई मदद को आगे नहीं आया। मैं अस्पताल के बाहर तीन घंटे तक शव के करीब बैठा रहा। उन्होंने कहा, हम शव को मलाड मालवाणी कब्रिस्तान में दफनाना चाहते थे लेकिन कब्रिस्तान के न्यासियों ने, मृतक के कोरोना वायरस संक्रमित होने की वजह से शव दफनाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। बाद में पुलिस और अन्य अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद शव को हिंदू शमशन भूमि में जलाया गया। सपा की स्थानीय पार्षद रुखसाना सिद्दीकी ने कहा, जब महानगर पालिका के कर्मचारी जानते थे कि दिशानिर्देश के अनुसार कोरोना वायरस के संक्रमण से मरने वाले व्यक्ति को नजदीकी कब्रिस्तान में दफनाया जाना चाहिए तो फिर क्यों शव को मलाड पश्चिम ले जाने दिया गया जबकि मौत जोगेश्वरी (पूर्व) स्थित अस्पताल में हुई थी?

भारत को कोरोना वायरस से आर्थिक तबाही से निपटने के लिए तैयारी की जरूरत: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना संकट से निपटने के लिए भारत केंद्रित रणनीति की जरूरत पर जोर देते हुए गुरुवार को कहा कि देश को आर्थिक तबाही से निपटने के लिए तैयारी रखनी होगी। उन्होंने पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में यह आरोप भी लगाया कि बिना तैयारी के लॉकडाउन (बंद) लागू किया गया। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला के अनुसार गांधी ने कहा कि कोरोना मुख्य रूप से उम्रदराज लोगों, फेफड़े, मधुमेह, हृदय रोग पीड़ितों पर हमला कर रहा है। सभी राज्य सरकारों को इन श्रेणियों के लोगों के लिए विशेष परामर्श जारी करने के साथ उनकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया, किसी देश ने इतनी बड़ी संख्या में मौजूद प्रवासी श्रमिकों के लिए सुरक्षा, भोजन और राशन मुहैया कराने तथा उन्हें वापस घर भेजने का इंतजाम किए बिना लॉकडाउन का प्रयास नहीं किया।

कर्नाटक में बुधवार रात से कोरोना संक्रमण का नया मामला सामने नहीं आया

बेंगलुरु। कर्नाटक में बुधवार रात से कोरोना वायरस के संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है और राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या 110 बनी हुई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा, एक अप्रैल शाम पांच बजे से दो अप्रैल सुबह 10 बजे तक संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। विभाग ने बताया कि अभी तक राज्य में संक्रमण के कुल 100 मामले आए हैं जिनमें से तीन लोगों की मौत हो गई और 10 को अस्पताल से छुट्टी मिली है। संक्रमण के इन 110 मामलों में से सबसे ज्यादा 48 मामले बेंगलुरु से हैं जिसके बाद 19 मैसुरू, नौ चिकबलपुर और दक्षिणी कन्नड़ से, आठ उत्तर कन्नड़, चार कलबुर्गी और तीन-तीन मामले देवांगेरे, उडुपी और बल्लारी, दो मामले तुमाकुरू और एक-एक मामला कोडागु और धारवाड़ का है। इसी बीच विभाग ने निर्देश दिया है कि जिन्होंने भी दिल्ली में तबलीगी जमात सम्मेलन मे हिस्सा लिया था और अगर उनमें संक्रमण के लक्षण नहीं दिख रहे हैं तो वापसी के 14 दिन तक ऐसे लोग सरकारी निगरानी पृथक केंद्र में रहेंगे। विभाग ने कहा कि जिन लोगों ने 14 दिन बिता लिए हैं वे वापस आने के बाद (28 दिन तक) घर में पृथक रहेंगे। इस धार्मिक सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले लोगों के लिए विभाग ने संपर्क के लिए 080-29711171 नंबर जारी किया है।

लॉक्डाउन कराने में लगे असम के मजिस्ट्रेट की कार पर हमला

गुवाहाटी। असम के बजाली जिले के एक बाजार में लॉकडाउन लागू करवा रहे एक मजिस्ट्रेट की कार पर दो लोगों ने बृहस्पतिवार को हमला कर दिया जिसमें अधिकारी का चालक जख्मी हो गया। मजिस्ट्रेट के वाहन पर पथराव करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने बताया कि मजिस्ट्रेट भवानीपुर इलाके में दुकानों को बंद करा रहे थे तब यह घटना हुई। सुरक्षा बल इलाके में पहुंचे और गश्त तेज कर दी गई।

लॉकडाउन में प्रवासी श्रमिकों के बिहार आने से उत्पन्न स्थिति से प्रभावी कदमों के जरिए निपटाया: सुशील मोदी

नई दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने गुरुवार को कहा कि लॉकडाउन के दौरान हजारों की संख्या में प्रवासी श्रमिकों एवं अन्य लोगों के अचानक आने से प्रबंधन संबंधी गंभीर समस्या खड़ी हो गई थी लेकिन पंचायत स्तर तक जागरूकता, अलग रखने की सुविधा सहित अन्य प्रभावी कदमों से इससे निटपा गया। सुशील मोदी ने पीटीआई भाषा को बताया कि राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए विकेंद्रीत प्रयास किए जिसमें प्रत्एक पंचायत में एक स्कूल को अलग से तैयार रखने जैसे प्रबंध शामिल है। इसमें ग्रामीणों का भी काफी सहयोग मिला जो कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए तत्पर थे और वे इस अभियान को सफल बनाना चाहते थे।

कोरोना वायरस से निपटने के प्रयासों को लेकर एक वर्ग नीतीश कुमार नीत प्रदेश सरकार की आलोचना कर रहा है जिसे बिहार के उपमुख्यमंत्री ने खारिज कर दिया। उन्होंने जोर दिया कि प्रत्एक पंचायत में एक स्कूल को अलग थलग केंद्र के रूप में परिवर्तित करने के साथ राज्य सरकार ने यह भी फैसला किया कि जो भी व्यक्ति राज्य में 18 मार्च के बाद आया है, उसकी जांच की जाएगी और ऐसा किसी राज्य ने नहीं किया।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह मानते हैं कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी से बड़ी संख्या में प्रवासियों के वापस लौटने में अरविंद केजरीवाल सरकार की खामियां रहीं, सुशील मोदी ने कहा कि वह किसी भी राज्य को इसके लिए दोष नहीं देंगे और श्रमिक भी उस समय की परिस्थिति में अपने घर लौटना चाहते थे। उन्होंने हालांकि कहा कि स्थित से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था। काफी संख्या में श्रमिकों सहित इतनी संख्या में प्रवासियों के बिहार आने से अफरा तफरी जैसी स्थिति पैदा हो रही थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, इन्हें शिविरों में रखना संभव नहीं था। ऐसे में हम उन लोगों को उनके गांव लाने को मजबूर थे। ऐसे में हमने तय किया कि प्रत्एक पंचायत में एक स्कूल को अलग थलग केंद्र के रूप में तैयार किया जाएगा। अब इन लोगों को वहीं रखा गया। ऐसा नहीं करने पर स्थिति काबू से बाहर हो जाती।

सुशील मोदी ने कहा कि राज्य सरकार के विकेंद्रीत प्रयासों के साथ गांव वालों का काफी सहयोग मिला क्योंकि उन्हें संक्रमण का भय था और लोग चाहते थे कि बाहर से आए लोग अपने घर में प्रवेश करने से पहले सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करें। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने इस संबंध में विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। भारत जैसे बड़े देशों में कुछ ऐसी घटनाएं देखने को मिल सकती है। कुछ राज्यों में ऐसी भी स्थिति आई कि है कि लोग अलग थलग रहने को इच्छुक नहीं थे। हम गरीबों के खिलाफ पुलिस या सेना का इस्तेमाल नहीं कर सकते। ऐसे में हमने स्कूलों को अलग थलग केंद्र बनाया।

जबलपुर में लॉकडाउन में सड़क पर बाहर निकलने पर दो युवकों से उठक-बैठक करतवाती पुलिस

मानवबम की तरह घूम रहे तबलीगी जमात के संक्रमित लोग

● कहा- खुद को प्रशासन के हवाले करें

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटने के बाद कई व्यक्तियों के कथित रूप से जान-बूझकर लापता हो जाने की भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बृहस्पतिवार को निंदा की। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद मानव बम की तरह घूम रहे इन लोगों को चाहिए कि वे खुद को प्रशासन को सौंप दें।

विजयवर्गीय ने यहां संवाददाताओं से कहा, जिस प्रकार वहां (निजामुद्दीन मरकज) से (कोरोना वायरस से) संक्रमित होकर लोग घूम रहे हैं, वे मानव बम की तरह घूम रहे हैं। इसलिए मैं मीडिया के माध्यम से अपील करना चाहता हूं कि ऐसे लोगों को खुद को प्रशासन को सौंप देना चाहिए ताकि समाज में यह बीमारी ना फैल सके। उन्होंने कहा, अगर ऐसे लोग खुद को प्रशासन के हवाले करते हैं, तो उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। प्रशासन ऐसे लोगों की स्वास्थ्य की चिंता करते हुए उन्हें सावधानी के तौर पर पृथक केंद्रों में रखेगा और उनकी चिकित्सकीय मदद करेगा। विजयवर्गीय ने कहा कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रकोप के मद्देनजर तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटकर लोगों का जान-बूझकर गायब हो जाना न केवल बहुत बड़ी लापरवाही है, बल्कि एक अक्षम्य अपराध है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बयान में कहा है कि तबलीगी जमात के मसले को सनसनीखेज बनाए जाने की कोई जरूरत नहीं है, इसपर पश्चिम बंगाल के प्रभारी भाजपा महासचिव ने पलटवार करते हुए कहा, बनर्जी को सिर्फ वोटों की चिंता है।

उन्हें देश और समाज की चिंता नहीं है। विजयवर्गीय ने अपने गृहनगर इंदौर में कोरोना वायरस संक्रमण के एक स्थानीय मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गए स्वास्थ्य कर्मियों के दल पर बुधवार को पथराव की घटना की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, इंदौर का एक नागरिक होने के नाते मैं खुद भी इस घटना पर शर्मिंदा हूं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए क्योंकि कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य कर्मी बेहद विपरीत हालात में काम कर रहे हैं।

इंदौर में स्वास्थ्य कर्मियों पर पथराव को लेकर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई

इंदौर (मध्यप्रदेश)। कोरोना वायरस संक्रमण के एक स्थानीय मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गए स्वास्थ्य कर्मियों के दल पर पथराव की घटना को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को गहरी नाराजगी जताई। शिवराज ने एक वीडियो संदेश में कहा, इंदौर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। इस घटना में शामिल सभी अराजक तत्वों को हर्गिज बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, सूबे में कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम में लगे सभी स्वास्थ्य कर्मी पीड़ित मानवता को बचाने का काम कर रहे हैं। इन कर्मियों के काम में अगर कोई भी व्यक्ति बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्वाई होगी।

इस बीच, जिलाधिकारी मनीष सिंह ने बताया कि शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए अतिरिक्त बल की मांग की गई है। अधिकारियों ने बताया, शहर के टाटपट्टी बाखल इलाके में बुधवार को पथराव की घटना में दो महिला डॉक्टरों के पैरों में चोटें आई थीं। दोनों महिला डॉक्टर कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ अभियान चला रहे स्वास्थ्य विभाग के पांच सदस्ईय दल में शामिल थीं। यह दल कोरोना वायरस संक्रमण के एक मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गया था। पुलिस ने पथराव की घटना को लेकर संगीन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि करीब 15 अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हैदराबाद में राम नवमी के अवसर पर देशव्यापी तालाबंदी के दौरान उचित दूरी बनाकर दर्शन को खड़े भक्त

त्विक न्यूज

जयपुर में और 13 लोगों में संक्रमण की पुष्टि, बुजुर्ग की मौत

जयपुर। राजस्थान मे कोरोना वायरस संक्रमण के 13 नए मामलो की पुष्टि हुई है। इनमे से सात जयपुर शहर के रामगंज क्षेत्र से है। राज्य मे अभी तक 133 लोगो के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इस बीच कोविड-19 के मरीज 85 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई है। राज्य मे संक्रमित कुल लोगो मे से 14 निजामुद्दीन मरकज मे आयोजित तबलीगी जमात के कार्यक्रम मे शामिल हुए थे। नए मामलो मे से भरतपुर, उदयपुर और धौलपुर मे आए एक-एक मामले का संबंध तबलीगी जमात के कार्यक्रम से है। राज्य के कुल 131 पॉजिटिव मामलो मे 18 वे लोग भी शामिल है जिन्हे ईशन से लाकर यहां रखा गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) रोहित कुमार सिंह ने बताया, राजधानी जयपुर के रामगंज इलाके मे गुरुवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के सात नए मामले सामने आए है। सभी इलाके मे संक्रमित पाए गए पहले व्यक्ति के सम्पर्क मे थे। इस बीच जयपुर के एसएमएस अस्पताल मे भर्ती कोरोना वायरस से संक्रमित बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है, वह पहले से बीमार थे। अलवर निवासी 85 वर्षीय सोहनलाल को 31 मार्च को एसएमएस अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। वह मस्तिष्काघात व लकवे से पीड़ित थे। जांच मे उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। राज्य मे कोरोना संक्रमण मे सबसे अधिक 41 मामले जयपुर से है, जिनमे से 33 रामगंज इलाके के है। इसके अलावा भीलवाड़ा मे 26, जोधपुर मे 10, चुरू मे आठ, झुंझुनू मे नौ, अजमेर मे पांच, टोक मे चार, डूंगरपुर मे तीन, प्रतापगढ़ व अलवर मे दो-दो तथा पाली, सीकर, भरतपुर, धौलपुर व उदयपुर मे एक-एक व्यक्ति के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

नौसेना की गोदी ने विकसित किया किफायती, छोटा तापमापी सेंसर

मुंबई। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लोगो की जांच करने के उद्देश्य से यहां पर नौसेना की गोदी ने कम कीमत का, एक छोटा तापमापी सेसर विकसित किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान और करीब 285 साल पुरानी नौसेना की गोदी (नेवल डॉकयार्ड) मे हर दिन करीब 20,000 लोग प्रवेश करते है। अधिकारी ने बताया कि सभी कर्मचारियो की द्वारो पर ही जांच की जाती है। इसके बाद ही उन्हे अंदर प्रवेश करने दिया जाता है। उन्होने बताया कि इन्फ्रारेड प्रौद्योगिकी पर आधारित यह सेसर बनाने मे केवल 1,000 रुपए का खर्च आया। अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए पश्चिमी बेड़े मे और गोदी के अंदर वायरस का प्रसार रोकने के लिए जांच अत्यंत आवश्यक है। बाजार मे थर्मामीटर की कमी है और इनकी कीमत भी अधिक है, खास कर महामारी फैलने के बाद इसकी किल्लत हो रही है।

कर्नाटक में तबलीगी जमात से जुड़े करीब एक हजार लोगों की जांच की गई, 11 संक्रमित

बेंगलुरु। केंद्र और पुलिस द्वारा मुहैया कराई गई सूचनाओ के बाद दिल्ली मे तबलीगी जमात के कार्यक्रम से जुड़े कर्नाटक के करीब 1,000 लोगो की जांच की गई है और इनमे से 11 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है। राज्य सरकार ने मंगलवार रात से ही अभियान मे जुटते हुए करीब 1500 लोगो का पता लगाने का प्रयास शुरू कर दिया जो पिछले महीने दिल्ली मे तबलीगी जमात के कार्यक्रम के बाद राज्य पहुंचे है। देश मे कोरोना वायरस के प्रसार को फैलाने के लिए तबलीगी जमात के कार्यक्रम को बड़ी वजह माना जा रहा है। कर्नाटक के स्वास्थ्य आयुक्त पंकज कुमार पांडे ने एक बयान मे कहा, पुलिस और केंद्र सरकार द्वारा मुहैया कराई गई सूचना के आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने सुबह तक तबलीगी जमात से जुड़े करीब 1,000 लोगो की जांच की।

निजामुद्दीन मरकज में हुए कार्यक्रम में शामिल तेलंगाना के 300 लोगों की जांच की जरूरतः मुख्यमंत्री

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी स्थित निजामुद्दीन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले तेलंगाना के 300 लोगों की कोरोना वायरस की जांच अभी की जानी है। धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले 300 से अधिक लोगों की अभी जांच की जरूरत है। सरकार इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले उनके परिवार के सदस्यों और उनके संपर्क में आए लोगों से जांच का आग्रह कर रही है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यालय से बुधवार देर रात जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, चूंकि मरकज में शामिल होने वाले लोगों के जरिए संक्रमण फैल रहा है इसलिए उन सभी को बिना किसी बाधा के जांच करानी चाहिए। बयान के मुताबिक निजामुद्दीन स्थित मरकज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले तीन लोगों की मौत के बाद राज्य में संक्रमण से मौतों का आंकड़ा नौ पहुंच गया। राज्य में कोविड-19 के 30 नए मामले सामने आए हैं।

गुवाहाटी में कोरोनोवायरस उपचार के प्रशिक्षण के लिए एक अस्पताल में पहुंचीं नर्सें

महाराष्ट्र ने बड़े पैमाने पर कोरोना वायरस संक्रमण की जांच को अनुमति मिली : टोपे

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने गुरुवार को बताया कि केंद्र सरकार ने खून के नमूने का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण की जांच करने की अनुमति दे दी है ताकि संक्रमितों का पता लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लार के बजाय खून के नमूने के आधार पर तेजी से जांच करेगी जिससे पांच मिनट में पता चलेगा कि व्यक्ति में बीमारी के प्रति रोग प्रतिरोधी कण विकसित हुए हैं या नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कोरोना वायरस को लेकर हुई बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में टोपे ने बताया कि महाराष्ट्र के आश्रय गृहों में करीब तीन लाख 25 हजार प्रवासी श्रमिक रह रहे हैं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ वीडियो कांफ्रेंस में टोपे और राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख भी शामिल हुए। टोपे ने कहा, प्रधानमंत्री ने हमें सूचित किया कि राज्य अब कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों का शीघ्र पता लगाने के लिए त्वरित परीक्षण तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। हम कोरोना वायरस के संक्रमण का पता लगाने के लिए खून के नमूने का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा, राज्य में बड़े पैमाने पर जांच शुरू की जाएगी।

खून का नमूना लेने के पांच मिनट के भीतर सरकार को पता चल जाएगा कि व्यक्ति के शरीर में कोई प्रतिरोधक कण (एंटीबॉडी) विकसित हुआ है या नहीं यह वायरस की मौजूदगी को इंगित करेगा। टोपे ने बताया, इससे पहले केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर जांच की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने कहा, मोदी ने महाराष्ट्र सरकार से लॉकडाउन के मद्देनजर प्रवासी कामगारों की देखभाल करने को कहा। टोपे ने कहा, राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न आश्रय गृहों में तीन लाख 25 हजार प्रवासी मजदूर रह रहे हैं। मोदी ने कहा कि न केवल उनके खाने की व्यवस्था की जाए बल्कि टीवी आदि का भी प्रबंध करें ताकि उनका मनोरंजन हो और वे आश्रय गृह छोड़कर नहीं जाएं।

उन्होंने कहा कि मोदी से राज्य सरकार को संक्रमण नियंत्रण क्षेत्रों को सैनेटाइज करने की सलाह दी। संक्रमण नियंत्रण क्षेत्र उन इलाकों के आसपास बनाया जाता है जहां पर उल्लेखनीय संख्या में कोरोना वायरस संक्रमण पाए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, वहां करीब 146 ऐसे स्थान हैं जिनको जल्द सैनेटाइज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार को प्रत्एक जिले में एक अस्पताल को विशेष तौर पर कोरोना वायरस संक्रमितों के इलाज के लिए तैयार करने को कहा है। टोपे ने कहा, हमारे स्वास्थ्य विभाग ने आशा कार्यकर्ताओं के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किया है और कोरोना वायरस संक्रमितों के इलाज के लिए उन्हें पंजीकृत किया गया है।

हाथियों के दल के हमले से तीन लोगों की मौत

अनूपपुर (मध्यप्रदेश)। जिला मुख्यालय से लगभग 80 किलोमीटर दूर पुरगा गांव के निकट हाथियों के एक समूह द्वारा गुरुवार तड़के हमला करने से दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुष्पराजगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी - एसडीएम विजय डेहरिया ने बृहस्पतिवार को बताया कि बीती रात छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश के बीच अचानक जंगलों से लगभग 10-12 हाथियों का समूह पुरगा गावं में घुस आया। हाथियों ने तड़के खेतों में काम कर रहे तीन ग्रामीणों पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हाथियों के हमले में एक पुरुष और एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव के लोगों में दहशत का माहौल है। एसडीएम ने बताया कि वह स्वयं वन विभाग के अमले के साथ मौके पर पहुंच कर जानकारी जुटा रहे हैं।

मरकज से आए लोग प्रशासन का सहयोग करें: कलराज

भाषा। जयपुर

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के आयोजन में हिस्सा लेकर लौटे सभी लोगों से आग्रह किया है कि वे डरें नहीं, स्वास्थ्य कर्मी, प्रशासन और पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने कहा है कि देश में लगभग 171 व्यक्ति इस संक्रमण से मुक्त हुए हैं और बचाव संभव है। मिश्र ने विभिन्न धर्मो के मंहत, मौलाना, पादरी और गुरुओं से अनुरोध किया है कि वे कोरोना वायरस संक्रमण की वैश्विक महामारी से बचाव के लिए जरूरी जांच में बिना कोई धार्मिक भेद-भाव किए सहयोग करें।

उन्होंने कहा, वह वायरस संक्रमण से बचाव के लिए राज्य में किए जा रहे प्रयासों पर निरन्तर निगरानी रखे हुए हैं। राज्यपाल ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से दूरभाष पर पूरे प्रदेश के हालात जाने। उन्होंने कहा कि बेजुवान जानवरों को चारा और पक्षियों के लिए दाने की व्यवस्था के लिए भी लोग आगे आएं। राज्यपाल ने कहा कि 231धीसे प्रयास किए जाएं कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। मिश्र ने विभिन्न जिलों में मजदूरी या कारखानों में कार्यरत उत्तर प्रदेश के चार सौ लोगों की चिकित्सा और भोजन आदि की व्यवस्था हेतु सम्बन्धित जिलों के जिला कलक्टर को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने राज्यपाल राहत कोष से बीस लाख रुपए की राशि पी.एम.केयर्स में दी है।

पेज एक का शेष

कोरोना ही...

नहीं हैं। वहीं कर्नाटक में गुरुवार को अल्पसंख्यक बहुल कुछ क्षेत्रों में कोरोना वायरस सर्वे करने गई आशा कार्यकर्ताओं से कथित तौर पर बदसलूकी की गई जिसके बाद कर्नाटक सरकार ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है। इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली के निजामुद्दीन में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम से लौटे लोगों से कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने के खतरे के मद्देनजर अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं। वायरल हुए एक वीडियो संदेश में कृष्णवेणी नाम की आशा कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य कर्मियों का एक समूह शहर के हेगड़े नगर में गया था। वहां के स्थानीय निवासियों ने समूह के लोगों का घेराव किया, उनके मोबाइल छीन लिए और उनसे दुर्व्यवहार किया। वीडियो में रोते हुए कृष्णवेणी ने कहा कि वह पिछले 10 दिनों से घर-घर जाकर इस सर्वेक्षण के जरिए लोगों को कोविड-19 के बारे में जागरुक कर रही है और जानकारी इकठ्ठा कर रही है। कृष्णवेणी ने कहा, जैसे ही हम सरायपलया के सादिक इलाके में पहुंचे, एक आदमी हमसे पूछताछ करने लगा। हमने बताया कि हम कोरोना वायरस के बारे में जानकारी लेने आए हैं। उसने हमें तुरंत जाने के लिए कहा और बोला कि कोई जानकारी नहीं दी जाएगी। उसने बताया, उन्होंने हमारे बैग और मोबाइल फोन छीन लिये और हमें किसी को फोन करने नहीं दिया। मैं पिछले पांच साल से काम कर रही हूं लेकिन ऐसी स्थिति का सामना कभी नहीं किया। कृष्णवेणी ने बताया कि वे लोग ये भी नहीं बता रहे थे कि उनमें खतरनाक वायरस के संक्रमण के कोई लक्षण हैं या नहीं। घटना की निंदा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री बी श्रीरामुलु ने यह वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर साझा किया और लिखा, डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य कर्मी दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनकी इज्जत करें। उन पर हमला हुआ तो चुप नहीं बैठूंगा। सावधान। इस बीच उपमुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण ने कृष्णवेणी के घर जाकर उनका हालचाल पूछा। वही दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को तुगलकाबाद के रेलवे सुविधा केंद्र पर रखा गया है जिन्होंने उनकी देखभाल कर रहे डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार किया और उनपर थूका।उत्तर रेलवे के प्रवक्ता दीपक कुमार ने बताया, 'पृथक केंद्र पर रखे गए लोगों ने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और जो खाना परोसा गया उसपर आपत्ति जताई। यहां तक कि उन्होंने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर थूका एवं पृथक केंद्र में घूमना बंद करने से मना कर दिया।' एक अन्य घटना में बुधवार को तेलंगाना के हैदराबाद में गांधी अस्पताल में कोविड-19 का इलाज करा रहे दो मरीजों ने उसी वार्ड में भर्ती अपने एक रिश्तेदार की मौत होने के बाद एक जूनियर डॉक्टर पर कथित तौर पर हमला कर दिया। हैदराबाद पुलिस ने इस संबंध में दोनों मरीजों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और इलाज के लिए उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया है। बिहार के मुजफ्फरपुर में 11 साल की बच्ची की संदिग्ध मौत के बाद पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम लोगों की जांच करने गई थी। लेकिन, भीड़ ने टीमों पर हमला कर दिया। दो पुलिस जवानों को पीट-पीटकर घायल कर दिया। घटना बुधवार की है। जब स्वास्थ्य विभाग ने जागरूक करने की कोशिश की तो कहने लगे मौत कोरोना की वजह से नहीं हुई। ऐहतियात बरतने को कहा तो पथराव कर दिया। यूपी के सहारनपुर के जमालपुर गांव में मंगलवार शाम मस्जिद के बाहर इकट्ठा लोगों को पुलिस ने हटने के लिए कहा। सोशल डिस्टेंसिंग की बात कही तो भीड़ मारपीट करने लगी। दो पुलिस जवानों को चोटें आईं। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया था, उन्हें भी भीड़ ने छुड़ा लिया। 26 लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में निगम के कर्मचारी लॉकडाउन के दौरान सैनिटाइजेशन का काम कर रहे थे। लेकिन, यहां कुछ लोगों ने इन कर्मियों से बदसलूकी की। उन्हें मारापीटा। इसी तरह झारखंड रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में मलेशिया की एक महिला कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। जिस घर से महिला मिली, उसके आसपास के घरों में रहने वालों के स्वास्थ्य की जांच के लिए जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम बनाई। टीम गुरुवार को लोगों की जांच करने पहुंची तो स्थानीय लोगों ने इनका विरोध किया। ये लोग प्रशासन पर हिंदपीढ़ी क्षेत्र को बदनाम करने का आरोप लगा रहे थे। भीड़ ने टीम को वहां से भगा दिया। राजस्थान के जयपुर में रामगंज इलाके में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों पर मंगलवार को कुछ लोगों ने पत्थर फेंके। हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हुए। गुरुवार को इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया।

लॉकडाउन के...

सुझाव मांगते प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह तक पूरा ध्यान कोविड 19 मामलों की जांच करने, संक्रमितों का पता लगाने, उन्हें घरों-पृथक केंद्रों या अस्पतालों में अलग रखने पर केंद्रित होना चाहिए ताकि कोरोना वायरस को और फैलने से रोका जा सके। पिछले कुछ दिनों में देश में कोरोना वायरस संक्रमण और इससे मौत के मामलों में दर्ज हो रही बढ़ोतरी के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने गुरूवार को मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक कर कोरोना वायरस के खतरे व तैयारियों पर बात की। इस बैठक में पीएम के साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य वरिष्ठ लोग मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि इस महामारी के चलते कम-से-कम लोगों की जान जाए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इस सुझाव पर कि सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को धर्मगुरुओं से बात करनी चाहिए और उनसे कहा जाना चाहिए कि वे बड़ी भीड़ इकट्ठी करने से दूरी बनाएं-को स्वीकार करते प्रधामंत्री मोदी ने सीएम से अपील की कि वे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने व धार्मिक आयोजनों में जमघट रोकने के लिए धर्मगुरुओं का सहयोग लें। वे धर्मगुरुओं से अपने-अपने समुदाय के लोगों को इस बारे में समझाने का आग्रह करें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सभी धर्मगुरू अपने-अपने मत के लोगों को बताएं कि कोरोना वायरस ने हमारी आस्था, परंपरा, विश्वास और विचारधारा इन सब पर हमला बोला है। इन्हें बचाना है तो सबसे पहले कोरोना वायरस को परास्त करना होगा। आज आवश्यकता है कि सभी मत, पंथ और विचारधारा के लोग एकजुट होकर कोरोना मारामारी को हराएं। मुख्यमंत्रियों से उनका आग्रह है कि धर्मगुरु की बैठक बुलाएं और कोरोना के खिलाफ जंग में भागीदार बनने और सहयोग देने के लिए उन्हें राजी करें। ऐसी बैठकें राज्य, जिला, शहर, ब्लॉक यहां तक कि थाने के स्तर पर भी तत्काल आयोजित करनी चाहिए। इससे निपटने के लिए युद्ध स्तर पर काम करना, वायरस के ज्यादा संक्रमण प्रभावित क्षेत्र (हॉटस्पॉट) की पहचान करना एवं उन्हें घेरे में लेना और वायरस को फैलने से रोकना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, अगले कुछ हफ्तों के दौरान भी परीक्षण, मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने, आइसोलेशन और क्वारंटाइन पर निरंतर फोकस होना चाहिए। उन्होंने आवश्यक चिकित्सा उत्पादों की आपूर्ति बनाए रखने और दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों के निर्माण के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जरूरत भी बताई। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 रोगियों के लिए अलग एवं विशेष अस्पताल सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्यों से आयुष डॉक्टरों के संसाधन पूल का इस्तेमाल करने, ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित करने और सहायक स्वास्थ्य कर्मियों, एनसीसी तथा एनएसएस के स्वयंसेवकों का उपयोग करने को कहा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान के अनुसार, पीएम ने लॉकडाउन के निर्णय का समर्थन करने के लिए राज्य सरकारों को धन्यवाद दिया और एकटीम के रूप में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए राज्य सरकारों के कार्यों की सराहना भी की। वैश्विक पहचान करने से जुड़े कदमों के बारे में भी जानकारी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन ने भारत में मामलों की संख्या में वृद्धि, तबलीगी जमात के निजामुद्दीन मरकज से मामलों के बढ़ने, वायरस से निपटने में चिकित्सा तैयारी और वायरस के फैलने की श्रृंखला को तोड़ने की जरूरत बताई।

आज भी...

देश के नाम यह तीसरा संदेश होगा। इससे पहले पीएम मोदी ने 24 और 19 मार्च को कोरोना के खतरे को लेकर राष्ट्र को संबोधित किया था। 24 मार्च को जहां उन्होंने 21 दिनों के पूर्ण लॉकडाउन का ऐलान किया था वहीं 19 मार्च को देशवासियों से जनता कर्फ्यू लगाने की अपील की थी। उन्होंने कोरोना वायरस से देश में पैदा हुए हालात से अवगत कराते हुए लोगों से इसके खिलाफ लड़ाई का संकल्प लेने का आग्रह किया था। साथ ही इसके खतरे के प्रति लापरवाही बरतने और यह मान बैठने को हम संकट से बचे हुए हैं या कि हमें कुछ नहीं होगा- गलत सोच करार दिया था। उन्होंने समझाया था कि इससे बचने के लिए दुनिया भर में वैज्ञानिक कोई निश्चित उपाय नहीं सुझा पाए हैं और न ही कोई वैक्सीन ही बनी है लिहाजा लोगों को सजग रहना होगा -संयम बरतना होगा।

लॉकडाउन तोड़ने...

कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रावधानों के तहत कार्वाई की जाएगी। देश के विभिन्न हिस्सों से बंद के उल्लंघन और कुछ लोगों द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों तथा पुलिस से बदसलूकी की खबरों के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है। भल्ला ने आपदा प्रबंधन कानून और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि लॉकडाउन में अवरोध पैदा करने वालों को दो साल तक की कैद हो सकती है और किसी भी मामले में झूठे दावे करने वाले को दो साल तक की कैद तथा जुर्माने की सजा मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि आपदा जैसे हालात में धन या संसाधनों के दुरुपयोग पर भी दो साल तक की कैद की सजा हो सकती है और जुर्माना लग सकता है। गृह सचिव ने मुख्य सचिवों को 31 मार्च को लिखे अपने पत्र का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने गृह मंत्रालय द्वारा आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के तहत जारी लॉकडाउन के उपायों का बिना किसी छूट के कड़ाई से पालन करने को कहा था।

विशेष उड़ानें...

संघ ने आरोप लगाया था कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच भारतीयों को विदेश से लाने या विदेशियों को उनके देश छोड़ने के लिए संचालित उड़ानों पर एयर इंडिया के क्रू सदस्यों को जो सुरक्षा उपकरण मुहैया कराए जा रहे हैं उनकी गुणवत्ता अच्छी नहीं है। संघ ने यह भी आरोप लगाया था कि जनवरी से उनके उड़ान भत्तों का भुगतान नहीं किया गया है। यह उनके कुल वेतन का 70 प्रतिशत हिस्सा है। एयर इंडिया ने लॉकडाउन के बीच भारत में फंसे विदेशियों को बाहर निकालने के लिए इजराइल और जर्मनी तक की उड़ानें संचालित की हैं।

तीसरा पक्ष...

था। सर्कुलर में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने निर्देश दिया है कि जिन तीसरा पक्ष पॉलिसीधारकों की पॉलिसी की नवीकरण की अवधि 25 मार्च, 2020 से 14 अप्रैल, 2020 के बीच है, और जो समय पर नवीकरण प्रीमियम का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं, वे इसका भुगतान 21 अप्रैल तक कर सकते हैं।

खेल महासंघों की वित्तीय स्थिति गड़बड़ाई

हॉकी के मैदान को छोड़कर आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनी नर्स

पर्थ। कोरोना वायरस महामारी ने इस साल तोक्यो ओलंपिक मे स्वर्ण जीतने का रशेल लिंच का सपना तोड़ दिया लेकिन यह आस्ट्रेलियाई महिला हॉकी खिलाड़ी अब नर्स के रूप मे अपने देश की सेवा कर रही है। आस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम की गोलकीपर लिंच एक रजिस्टर्ड नर्स है। तोक्यो ओलंपिक अब अगले साल होंगे लिहाजा लिंच ने दो कोविड - 19 क्लीनिक मे नर्स के तौर पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। वह पहले भी हफ्ते मे एक दिन न्यूरो रिहैबिलिटेशन वार्ड मे काम करती थी।

इटली में लॉकडाउन की अवधि बढ़ी, साथ में अभ्यास नहीं कर पाएंगे खिलाड़ी

रोम। इटली के फुटबालर और अन्य खेलो से जुड़े खिलाड़ी आगे भी साथ में अभ्यास नही कर पाएंगे क्योकि प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंटे ने देश मे लॉकडाउन की अवधि 13 अप्रैल तक बढ़ा दी है। कोरोना वायरस महामारी के कारण इटली मे मार्च के शुरू से ही तीन अप्रैल तक सभी खेल गतिविधियां रोक दी गई थी। इटली मे अभी तक इस बीमारी के कारण 13,115 लोगो की मौत हो चुकी है। कोंटे ने बुधवार को टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संदेश मे कहा कि लॉकडाउन की अवधि बढ़ा दी गई है और इसमे अभ्यास सत्र भी शामिल है।

म्युनिख के बाद अब एनआरएआई पर दिल्ली विश्व कप रद्द करने का दबाव

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के कारण म्युनिख विश्व कप रद्द होने के बाद अब भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ पर दबाव बन रहा है कि वह दिल्ली मे होने वाला विश्व कप भी रद्द करे। दिल्ली विश्व कप 15 से 26 मार्च तक होना था लेकिन शुरू होने से चार दिन पहले स्थगित किया गया। इसके बाद तय किया गया कि राइफल और पिस्टल विश्व कप पांच से 12 मई और शॉटगन विश्व कप दो से नौ जून तक होगा।

जापान में विश्व नौकायन टूर्नामेंट रद्द

वीलिंगटन। विश्व नौकायन (सेलिंग) ने जापान के एनोशिमा में जून में होने वाला विश्व कप सीरिज फाइनल कोरोना वायरस महामारी के कारण रद्द कर दिया। तोक्यो ओलंपिक भी अब 2021 में होंगे

आईटीटीएफ के कर्मचारियों ने स्वेच्छा से वेतन में कटौती स्वीकार की

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के अध्यक्ष सहित सभी कर्मचारियों ने कोविड-19 महामारी के कारण वित्तीय संकट से निपटने के लिए स्वेच्छा से वेतन मे कटौती का विकल्प चुना है। कोरोना वायरस संक्रमण के फैलने के कारण दुनिया भर में खेल प्रतियोगिताएं या तो रद्द हो गई या स्थगित कर दी गईं।

● तोक्यो ओलंपिक स्थगित होने का असर

भाषा। लुसाने

कोरोना वायरस महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक के स्थगित और खेल गतिविधियां ठप्प होने से अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है। कई ऐसे खेल हैं जो ओलंपिक का हिस्सा हैं और अपनी कमाई के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से हर चार साल में मिलने वाली धनराशि पर निर्भर हैं। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय महासंघ के अधिकारी ने कहा, स्थिति तनावपूर्ण और निराशाजनक है। मूल्यांकन किया जाएगा लेकिन कई की नौकरियां खतरे में हैं। तोक्यो ओलंपिक में 28 अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों को उपस्थित होना था और उन्हें आईओसी से पर्याप्त धनराशि मिलनी थी। लेकिन खेलों के 2021 तक स्थगित होने से उन्हें अभी यह धनराशि नहीं मिल पाएगी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक ग्रीष्म खेलों के संघ के महासंघ (एएसओआईएफ) के महासचिव एंड्रयू रेयान ने कहा, हमारे कई अंतरराष्ट्रीय महासंघ हैं जिनके पास पर्याप्त धनराशि जमा है लेकिन अन्य महासंघ अलग तरह के व्यावसायिक ढांचे पर चलते हैं। उनकी आय का स्रोत प्रमुख खेल प्रतियोगिताएं हैं जो कि निलंबित हैं। अगर उनके पास पर्याप्त धनराशि जमा नहीं होगी तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय महासंघों में धन वितरण के लिए एएसओआईएफ ही जिम्मेदार होता है। तोक्यो खेलों में शामिल किए गए कराटे, सर्फिंग, स्केटबोर्डिंग, क्लाइंबिंग तथा बेसबाल-सॉफ्टबाल यह धनराशि पाने के पात्र नहीं हैं।

अमेरिकी ओपन 31 अगस्त से ही होगा : आयोजक

न्यूयार्क। कोरोना वायरस महामारी के कारण विम्बलडन रद्द हो गया और फ्रेंच ओपन स्थगित कर दिया गया लेकिन अमेरिकी ओपन के आयोजको ने कहा है कि यह ग्रैंड स्लैम अपने तय समय 31 अगस्त से यहां शुरु होगा। कोविड-19 महामारी के कारण विम्बलडन के आयोजको ने बुधवार को 29 जून से शुरु होने वाले सबसे पुराने ग्रैंडस्लैम को रद्द कर दिया। कोरोना वायरस महामारी के न्यूयार्क मे बढ़ने के बाद यहां के नेशनल टेनिस सेंटर के इंडोर कोर्ट का इस्तेमाल अस्थाई अस्पताल की सुविधा के लिए किया जा रहा है। अमेरिकी टेनिस संघ (यूएसटीए) ने कहा कि वह स्थिति पर नजर बनाए रखेगा और जरूरत के मुताबिक बदलाव करेगा। यूएसटीए के बयान के मुताबिक, मौजूदा समय मे यूएसटीए की योजना यूएस ओपन को निर्धारित समय पर कराने की है। हम टूर्नामेंट की तैयारी का काम जारी रखेंगे। बयान के मुताबिक, यूएसटीए कोविड-19 महामारी के कारण तेजी से बदलते स्थिति की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहा है और किसी भी आकस्मिक स्थिति का सामना करने की योजना बना रहा है। अमेरिका मे कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले न्यूयार्क मे ही सामने आए है जिसके बाद अमेरिकी ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम को अस्थाई अस्पताल मे बदल दिया गया है जबकि लुइ आर्मस्ट्रांग स्टेडियम मे बीमार लोगो, स्वयंसेवको और स्कूली छात्रो के लिए खाना तैयार हो रहा है। यूएसटीए आगे की कोई भी योजना बनाने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञो की सलाह का पालन करेगा। हम यूएसटीए के चिकित्सा सलाहकार समूह के साथ-साथ सरकारी और सुरक्षा अधिकारियो पर भरोसा करते है। हम किसी भी स्थिति मे यूएस ओपन के बारे मे कोई भी फैसला खिलाड़ियो, प्रशंसको और टूर्नामेंट के हितधारको के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान मे रखकर करेंगे। यूएस ओपन का आयोजन 31 अगस्त से 13 सितंबर तक प्रस्तावित है जबकि फ्रेंच ओपन 20 सितंबर से शुरू होगा।

एशियाई कप 2027 की मेजबानी का दावा करने की समयसीमा बढ़ी

हांगकांग। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने कोरोना वायरस महामारी के कारण पैदा हुए संकट को देखते हुए गुरुवार को एशियाई कप 2027 की मेजबानी का दावा करने की समयसीमा बढ़ा दी।

एएफसी ने बयान में कहा कि अब मेजबानी का दावा 30 जून तक किया जा सकता है। पहले यह समयसीमा 31 मार्च तक थी। इसमें कहा गया है, यह फैसला कोविड-19 महामारी के कारण वर्तमान स्थिति को देखते हुए लिया गया है। इससे हमारे सदस्य संघों को अपनी तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। चीन 2023 में अगले एशियाई कप की मेजबानी करेगा लेकिन 2027 के टूर्नामेंट के आयोजन के लिए अभी तक केवल सऊदी अरब ने दावा पेश किया है। एशियाई कप 2023 के लिए क्वालीफायर्स कोरोना वायरस से प्रभावित हैं। इस महामारी के कारण दुनिया भर की खेल प्रतियोगिताएं ठप्प पड़ी हैं। विश्व कप 2022 के मेजबान कतर ने 2019 में एशियाई कप जीता था।

आईओसी प्रमुख बाक ने मोदी का आभार व्यक्त किया

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थामस बाक ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तोक्यो 2020 ओलंपिक के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। कोरोना वायरस महामारी के कारण इन खेलों का आयोजन अब 2021 में होगा। मोदी को एक पत्र में बाक ने कहा कि हाल में जी20 नेताओं के सम्मेलन के दौरान तोक्यो ओलंपिक का समर्थन करने के लिए वह भारतीय प्रधानमंत्री के आभारी हैं। कोविड-19 महामारी के कारण यह सम्मेलन वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए हुआ था। बाक ने अपने पत्र में लिखा, कोविड-19 वायरस को रोकने में योगदान देने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सराहना करते हुए जी20 नेताओं के सम्मेलन में व्यक्त तोक्यो ओलंपिक खेल 2020 को दिए गए आपके समर्थन के लिए मेरा तहेदिल से आभार स्वीकार करें। मैं ओलंपिक खेलों के लिए आपके समर्थन का वास्तव में आभारी हूं।

रूस में 31 मई तक नहीं होंगे फुटबाल मैच

मास्को। रूस में कोरोना वायरस महामारी के कारण फुटबाल मैचों के निलंबन को 31 मई तक बढ़ाया गया। रूसी फुटबाल महासंघ (आरएफएस) ने यह जानकारी दी। आरएफएस ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, रूस में वायरस के प्रसार को देखते हुए आरएफएस ने अपनी कार्यकारी समिति की बैठक में सभी खेल प्रतियोगिताओं को 31 मई तक निलंबित करने का फैसला किया है। इससे पहले आरएफएस ने दस अप्रैल से खेल प्रतियोगिताएं शुरू करने का फैसला किया था।

डकवर्थ लुईस के लुईस का निधन

लंदन। सीमित ओवरों की क्रिकेट में बारिश से प्रभावित मैचों के लिए डकवर्थ-लुईस-स्टर्न विधि तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले टोनी लुईस का निधन हो गया है। वह 78 साल के थे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बयान में कहा, ईसीबी को टोनी लुईस के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख है। बोर्ड ने कहा, टोनी ने अपने साथी गणितज्ञ फ्रैंक डकवर्थ के साथ मिलकर डकवर्थ लुईस विधि तैयार की थी जिसे 1997 में पेश किया गया और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने 1999 में आधिकारिक तौर पर इसे अपनाया। इस विधि को 2014 में डकवर्थ-लुईस-स्टर्न विधि नाम दिया गया। यह गणितीय फार्मूला अब भी दुनिया भर में बारिश से प्रभावित सीमित ओवरों के क्रिकेट मैचों में उपयोग किया जाता है। लुईस क्रिकेटर नहीं थे लेकिन उन्हें क्रिकेट और गणित में अपने योगदान के लिए 2010 में ब्रिटिश साम्राज्य के विशिष्ट सम्मान एमबीई से सम्मानित किया गया था।

साथी अंपायरों और स्कोररों के लिए धन जुटा रहे हैं अंपायर

मुंबई। कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट मैच नहीं होने से पूरी तरह से क्रिकेट पर निर्भर कई स्थानीय अंपायरों और स्कोररों को वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) की प्रबंध समिति के पूर्व सदस्य और बीसीसीआई के पूर्व अंपायर गणेश अय्यर की अगुआई में अंपायरों का एक समूह उनके लिए उम्मीद की किरण लेकर आया है। अंपायरों के इस समूह ने विशेषकर उन अंपायरों और स्कोररों के लिए एक कोष तैयार किया है जो अपनी आजीविका के लिए पूरे तरह से स्थानीय मैचों पर निर्भर हैं। अय्यर ने कहा, हम, अंपायरों ने आजीविका के लिए क्रिकेट पर निर्भर अंपायरों और स्कोररों की मदद के लिए एक कोष बनाया है। हमने सदस्यों से स्वेच्छा से योगदान करने की अपील की थी। हमने उन स्कोररों और अंपायरों की पहचान की है जो आजीविका के लिए स्थानीय मैचों पर निर्भर हैं। अय्यर ने कहा, अभी तक हम 2.5 लाख रुपए जुटाने में सफल रहे है और धन जुटाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। शुरुआत तक 47 अंपायरों और 15 स्कोररों में से प्रत्येक को 3000 रुपए की धनराशि दी गई। दूसरी किस्त अगले सात-दस दिन में दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कुछ अंपायरों और स्कोररों के बच्चे अच्छी नौकरी करते है और उन्होंने धनराशि लेने से इंकार कर दिया और पहले जरूरतमंदों की मदद करने को कहा।

ईसीबी को हो सकता है 30 करोड़ पौंड का नुकसान

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रमुख टॉम हैरिसन ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण अगर आगामी सत्र मे क्रिकेट नही खेला जाता है तो ईसीबी को 30 करोड़ पौंड से अधिक का नुकसान हो सकता है। हैरिसन ईसीबी के उन कर्मचारियो मे शामिल है जो इस संकट से पार पाने के लिए अपने वेतन मे कटौती कर रहे है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार एक अन्य घटनाक्रम मे इंग्लैंड के केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी ईसीबी के वेतन मे 20 प्रतिशत कटौती के प्रस्ताव को अस्वीकार कर सकते है। बोर्ड महामारी के कारण पैदा हुई चुनौतियो से पार पाने के लिए इस तरह की योजना बना रहा है। ईसीबी ने मंगलवार को वर्तमान संकट से निपटने के लिए छह करोड़ दस लाख पौंड के पैकेज की घोषणा की थी। पेशेवर क्रिकेटर्स संघ (पीसीए) प्रमुख टोनी आइरिस को भेजे गए पत्र मे हैरिसन ने महामारी से पड़ने वाले लंबी अवधि के प्रभावो को लेकर चिंता जताई है। अपने इस पत्र मे हैरिसन ने दावा किया वह कम से कम आगामी तीन महीने तक अपने वेतन मे 25 प्रतिशत की कटौती कर रहे है। हैरिसन ने लिखा है, खेलो के लिए अभी यह महामारी सबसे बड़ी चुनौती है हालांकि क्रिकेट पर इसके संपूर्ण प्रभाव का अभी पता नही है लेकिन यह स्पष्ट है कि यह बेहद महत्वपूर्ण होगा। ईसीबी की जमा पूंजी 2016-16 मे सात करोड़ 30 लाख पौंड थी जो 2018-19 मे घटकर एक करोड़ दस लाख पौंड रह गई थी। ऐसे मे अगर इस सत्र मे क्रिकेट नही खेला जाता है तो ईसीबी के वित्तीय कोष पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। हम केवल खेल पर कुल वित्तीय प्रभाव का अनुमान लगा सकते है जो कि कुछ समय तक स्पष्ट नही होगा। लेकिन अनुमानो के अनुसार पूरा क्रिकेट सत्र गंवाने पर इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट को 30 करोड़ पौंड से भी अधिक का नुकसान होगा।

गंभीर दो साल का वेतन देंगे

नई दिल्ली। क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने गौतम गंभीर ने गुरुवार को कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए सांसद के तौर पर अपना दो साल का वेतन आपात स्थिति प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) मे देने का फैसला किया जबकि खेल जगत से जुड़े अन्य लोगो ने भी योगदान दिया। पूर्वी दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने अपने ट्विटर पेज पर लोगो से इस महामारी से बचाव के लिए योगदान देने की अपील की। गंभीर ने कहा, लोग पूछते है कि उनका देश उनके लिए क्या कर सकता है। असली सवाल तो यह है कि आप अपने देश के लिए क्या कर सकते है। मै अपना दो साल का वेतन पीएम केयर्स फंड मे दान कर रहा हूं। आपको भी आगे आना चाहिए। गंभीर ने इससे पहले अपना एक माह का वेतन और सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम कोष से एक करोड़ रुपए देने का फैसला किया था। भारतीय क्रिकेट टीम के क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर ने भी ट्वीट करके चार लाख रुपए देने की घोषणा की। श्रीधर ने ट्वीट किया, गौरवांवित भारतीय नागरिक होने के नाते, यह मेरी जिम्मेदारी है और मै पीएम केयर्स फंड मे दो लाख रुपए, तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय मे एक लाख 50 हजार रुपए और छावनी बोर्ड सचिवालय मे 50 हजार रुपए का योगदान देकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। राष्ट्रमंडल खेल 2014 की स्वर्ण पदक विजेता और विश्व कप मे कई बार स्वर्ण पदक जीतने वाली राइफल निशानेबाज अपूर्वी चंदेला ने भी इस महामारी से निपटने के लिए पीएम केयर्स कोष मे तीन लाख रुपए और राजस्थान मुख्यमंत्री राहत कोष मे दो लाख रुपए का योगदान दिया।

वान ने सितंबर में पांच हफ्ते का आईपीएल कराने का सुझाव दिया

भाषा। लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान का मानना है कि अगर कोविड-19 महामारी लेकर बनी स्थिति नियंत्रित हो जाती है तो अक्टूबर और नवंबर मे होने वाले टी20 विश्व कप से पहले पांच हफ्ते की इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन व्यावहारिक होगा। भारत मे अब तक कोरोना वायरस के दो हजार से अधिक मामले सामने आ चुके है और 50 लोगो की मौत हुई है। भारत मे 21 दिन का लाकडाउन घोषित किया गया है। दुनिया भर मे इस संक्रमण के कारण लगभग 50 हजार मौत हो चुकी है। आईपीएल को 15 अप्रैल तक निलंबित किया गया है और मई मे कम अवधि के टूर्नामेंट के आयोजन की संभावित काफी कम है क्योकि स्थिति को सामान्य होने मे महीनो लग सकते हैं। वान ने ट्वीट किया, एक विचार है... आस्ट्रेलिया मे होने वाले टी20 विश्व कप से पहले पांच हफ्ते का आईपीएल... सभी खिलाड़ी इसका इस्तेमाल विश्व कप के लिए अभ्यास के रूप मे कर सकते है... इसके बाद विश्व कप होगा। खेल के लिए महत्वपूर्ण है कि आईपीएल हो और विश्व कप भी। वान के सुझाव पर गौर किया जाए तो इसका मतलब हुआ कि वह 18 अक्टूबर से आस्ट्रेलिया मे शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले सितंबर मे आईपीएल के आयोजन की उम्मीद कर रहे है। सितंबर मे भारत के यूएई मे एशिया कप मे हिस्सा लेने का कार्यक्रम है जिसकी मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को करनी है। इसके बाद इंग्लैंड के तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए भारत आने का कार्यक्रम है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने नाम जाहिर नही करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, सितंबर मे भारत मे मानसून का समय होता है। मुंबई मे काफी बारिश होती है, चेन्नई मे भी बारिश हो सकती है। इस फैसले को हल्के मे नही लिया जा सकता।

दो साझेदारियों ने दिलाया था भारत को दूसरा विश्व कप

भाषा। नई दिल्ली

भारत के सामने 275 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य था और उसके दोनों धुरंधर सलामी बल्लेबाज सातवें ओवर तक पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में निभाई जाती हैं दो महत्वपूर्ण साझेदारियां जिनके दम पर आज से ठीक नौ साल पहले भारत दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने में सफल रहा था। वह दो अप्रैल 2011 का दिन था। स्थान था मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम और भारत के सामने खिताबी मुकाबले में खड़ा था श्रीलंका जो टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 274 रन का स्कोर बनाता है। माहेला जयवर्धने नाबाद 103 रन की शानदार पारी खेलते हैं। मतलब भारत को अगर 1983 के बाद फिर से चैंपियन बनना है तो उसे विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकार्ड बनाना होगा। लेकिन यह क्या? वीरेंद्र सहवाग पारी की दूसरी गेंद पर पवेलियन लौट जाते हैं। लसिथ मलिंगा इसके बाद सचिन तेंदुलकर को भी विकेट के पीछे कैच करवा देते हैं। भारत का स्कोर हो जाता है दो विकेट पर 31 रन। गौतम गंभीर (97) ने एक छोर संभाले रखा। वह विराट कोहली (35) के साथ 15.3 ओवर में 83 रन की साझेदारी निभाते हैं और फिर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 91) के साथ चौथे विकेट के लिए 19.4 ओवर में 109 रन जोड़ते हैं। इन दोनों साझेदारियों की विशेषता यह थी इनमें भारतीय बल्लेबाजों ने लंबे शाट खेलने के बजाय विकेटों के बीच दौड़ लगाकर अधिक रन बटोरे थे। गंभीर और कोहली की साझेदारी में केवल आठ चौके लगे थे। गंभीर और धोनी की साझेदारी में भी आठ बार ही गेंद सीमा रेखा के पार गई थी लेकिन तब भी उन्होंने 5.54 के रन रेट से रन बनाए थे। आखिर में धोनी का नुवान कुलशेखरा पर लगाया गया छक्का भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के जेहन में रच बस गया। इस छक्के से भारत विश्व कप फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज करने वाली तीसरी टीम बन गई थी। इस छक्के का आज भी जिक्र होता है लेकिन गंभीर का मानना है कि ऐसा टीम के अन्य साथियों के प्रयास के साथ सही नहीं होगा। गंभीर ने गुरुवार को ईएसपीएनक्रिकइन्फो के इस छक्के को लेकर किए गए ट्वीट पर जवाब दिया, विश्व कप 2011 पूरे भारत ने, पूरी भारतीय टीम और सभी सहयोगी स्टाफ ने जीता था। अब समय है जबकि तुम इस छक्के प्रति अपने मोह का त्याग कर दो। इस विश्व कप के साथ ही तेंदुलकर का विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा बनने का सपना भी साकार हो गया था।

सीओएआई ने सीतारमण को लिखा पत्र, दूरसंचार क्षेत्र के लिए मांगी राहत

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनियो के संगठन सेल्युलर आपरेटर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (सीओएआई) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर क्षेत्र के लिए तत्काल राहत उपाय किए जाने का आग्रह किया है। सीओएआई ने पत्र में कहा है कि कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए दूरसंचार कंपनियो के लिए विभिन्न शुल्को को घटाने के उपाय करने की जरूरत है। उद्योग संगठन ने कहा कि यह महामारी फैलने के बावजूद आपरेटर लोगो, कंपनियों, संचालन सेवाओं, आपात और अन्य सेवाओं को जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। सीओएआई ने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय मे इन सेवाओ को जारी रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वित्त मंत्री को 28 मार्च को लिखे पत्र मे सीओएआई ने कहा है कि दूरसंचार सेवाप्रदाताओं पर नियामकीय शुल्को के भारी बोझ को तत्काल सुसंगत करने की जरूरत है। सीओएआई के सदस्यो मे भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया जैसी दूरसंचार कंपनियां शामिल है।

श्रम संगठनों ने नौकरी से निकाले जाने, वेतन कटौती पर रोक के लिए श्रम मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली। विभिन्न श्रमिक संगठनो ने लोगो को नौकरी से निकाले जाने तथा वेतन में कटौती पर लगाने के लिए श्रम मंत्री संतोष गंगवार को बृहस्पतिवार को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की। संगठनो ने असंगठित क्षेत्र के 40 करोड़ से अधिक कामगारो के लिए आय मे समर्थन देने की भी मांग की। दस श्रमिक संगठनो इंटक, एटक, एचएमएस, सीटू, एआईयूटक, टीयूसीसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटक ने श्रम मंत्री को संयुक्त पत्र लिखकर ए मांगे की। असंगठित अनौपचारिक क्षेत्र के सभी कामगारो के लिए विस्तृत आय समर्थन इस वक्त की जरूरत है और हम सरकार से अनुरोध करते है कि वह सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से देश के कामगारो के बहुमत को बचाए। रोजगार को लेकर संगठनो ने कहा, हमे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देशभर से अभी भी ऐसी खबरे मिल रही है कि लोगो को जबरन अवैतनिक अवकाश पर भेजा जा रहा है। श्रम मंत्रालय और गृह मंत्रालय दोनो के द्वारा जारी अपील व परामर्श का जमीन पर कोई असर नही पड़ रहा है।

आरबीआई निदेशक मराठे ने छोटे-मझोले उद्योगों के लिए साहसिक कदम उठाने पर जोर दिया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशक सतीश मराठे ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के चलते पैदा हुई संकट से उबरने मे छोटे और मझोले (एमएसएमई) उद्योगो की मदद करने के लिए सरकार और आरबीआई को एक साहसिक और व्यापक पैकेज लाने की जरूरत है। मराठे ने पीटीआई-भाषा को बताया कि टुकड़ो मे मदद करने से उद्योगो को राहत नही मिलेगी, क्योकि यह एक असाधारण संकट है और इसके लिए असाधारण उपायो की जरूरत है। उन्होने कहा कि उम्मीद है कि कोरोना वायरस संकट अगले तीन से छह महीनो मे खत्म हो जाएगा, लेकिन लेकिन उद्योगो को ठीक होने मे ज्यादा समय लगेगा, जो 2019 मे आर्थिक सुस्ती का सामना कर चुके है।

अर्थव्यवस्था को हर दिन 4.64 अरब डॉलर का नुकसान

बीते वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भारतीय कंपनियों का ऋण अनुपात तीन साल के निचले स्तर पर: क्रिसिल

मुंबई। भारतीय कंपनियो का ऋण अनुपात बीते वित्त वर्ष 2019-20 की दूसरी छमाही मे गिरकर तीन साल से अधिक के निचले स्तर पर आ गया। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने 2020-21 के लिए कंपनियो के ऋण अनुपात परिदृश्य को नकारात्मक रखा है। क्रिसिल का कहना कि कोविड-19 महामारी की वजह से कंपनियो की साख मे सुधार, साख घटने की तुलना मे कम रहेगा। रेटिंग मे कमी वाली कंपनियो के मुकाबले रेटिंग मे सुधार वाली कंपनियो का अनुपात यानी ऋण अनुपात सितंबर, 2019 से मार्च, 2020 की अवधि के दौरान घटकर 0.77 प्रतिशत पर आ गया। इससे पिछली छमाही मे यह 1.21 प्रतिशत पर था। एजेंसी ने कहा कि कोविड-19 संकट के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष मे इसमे सुधार की गुंजाइश नगण्य लगती है।

● एक्यूट रेटिंग्स

भाषा। नई दिल्ली

देश भर में कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (बंद) से उड़ान, परिवहन के अन्य साधन समेत आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह ठप हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को हर दिन करीब 4.64 अरब डॉलर का तथा पूरे 21 दिन में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) को 98 अरब डॉलर का नुकसान होगा। रेटिंग एजेंसी एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बृहस्पतिवार को यह कहा। कोरोना वायरस के तेजी से फैलने से वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई हैं। भारत में इसके कारण मार्च के शुरू से ही आंशिक बंद की स्थिति थी और 25 मार्च से इसमें पूर्ण बंद की घोषणा की गई। साख निर्धारण एजेंसी ने एक बयान में कहा, देशव्यापी बंद 15 अप्रैल से समाप्त होगा। लेकिन महामारी के तेजी से फैलने पर आर्थिक गतिविधियों के लंबे समय तक प्रभावित रहने का खतरा है। मौजूदा संकट के दुनिया के साथ ही भारत में गंभीर आर्थिक परिणाम होंगे। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष पहले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए मंदी की आशंका जता चुका है। एक्यूट रेटिंग्स के अनुसार चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में 5-6 प्रतिशत की गिरावट की आशंका है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भी वृद्धि अगर होगी भी तो बहुत हल्की होगी। रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 में आर्थिक वृद्धि दर 2 से 3 प्रतिशत ही रहेगी। यह स्थिति इस आधार पर है कि वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी छमाही में आर्थिक पुनरूद्धार तेजी से होगा। एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शंकर चक्रवर्ती ने कहा, हमारा अनुमान है कि लॉकडाउन से हर दिन करीब 4.64 अरब डॉलर का नुकसान अर्थव्यवस्था को होगा।

ओएनजीसी को गैस की घटी कीमत से 4,000 करोड़ नुकसान की आशंका, मूल्य नियंत्रण हटाने की मांग

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) को गैस के दाम घटने से राजस्व में 4,000 करोड़ रुपए का नुकसान का अनुमान है। सरकार ने गैस मूल्य निर्धारण फार्मूले के आधार पर गैस के दाम मे 26 प्रतिशत की बड़ी कटौती की है। उर्वरक, बिजली उत्पादन और वाहनो मे उपयोग के लिए सीएनजी तथा घरो मे पाइप के जरिए पहुंचने वाली रसोई गैस के रूप मे उपयोग होने वाली प्राकृतिक गैस की कीमत एक अप्रैल से घटकर 2.39 डॉलर प्रति यूनिट (10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट) कर दी गई है। हालांकि, गैस का यह दाम उसकी उत्पादन लागत से करीब 37 प्रतिशत कम है।

सेबी ने बीआरएच वेल्थ क्रिएटर्स को छह महीने तक नया ग्राहक बनाने से रोका

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ब्रोकर संबंधी प्रावधानों का उल्लंघन करने को लेकर बीआरएच वेल्थ क्रिएटर्स पर छह महीने तक नया ग्राहक बनाने से रोक लगा दी। सेबी ने बीआरएच वेल्थ क्रिएटर्स के 12 फरवरी से 22 फरवरी 2012 के बीच के खातो तथा लेखा-जोखा की जांच की।

स्वास्थ्य बीमा, थर्ड पार्टी मोटर बीमा पॉलिसीधारकों को राहत

नई दिल्ली। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (बंद) को देखते हुए स्वास्थ्य बीमाधारको और थर्ड पार्टी मोटर बीमाधारको को राहत दी है। इसके तहत जिन बीमाधारको की पॉलिसी का नवीनीकरण 25 मार्च 2020 से 14 अप्रैल 2020 के बीच होना था, वे उसे अब 21 अप्रैल 2020 तक करा सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इसके लिए अधिसूचना जारी की गई है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से कहा, धान किसानों को अधिक समर्थन देने के लिए शांति उपबंध का उपयोग किया

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने अपनी गरीब आबादी की घरेलू खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए विपणन वर्ष 2018-19 के लिए धान की खेती करने वाले किसानों को अधिक समर्थन देने को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के शांति उपबंध (पीस क्लॉज) का उपयोग किया है। शांति उपबंध के तहत डब्ल्यूटीओ सदस्य देश विकासशील देशों द्वारा निर्धारित सब्सिडी सीमा से अधिक देने पर जिनेवा स्थित संगठन के विवाद निपटान मंच पर चुनौती नहीं दे सकते हैं। निर्धारित सीमा से अधिक सब्सिडी को कारोबार बिगाड़ने वाले के रूप में देखा जाता है। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह सीमा खाद्य उत्पादन मूल्य का 10 प्रतिशत तय है। भारत ने एक अधिसूचना में डब्ल्यूटीओ को सूचित किया है कि चावल उत्पादन का मूल्य 2018-19 में 43.67 अरब डॉलर था और उसने उसके लिए 5 अरब डॉलर मूल्य की सब्सिडी दी है जो निर्धारित सीमा 10 प्रतिशत से अधिक है। इसमें कहा गया है, भारत ने कृषि पर समझौता के प्रावधान के तहत अपने परंपरागत खाद्य पदार्थ चावल के मामले में प्रतिबद्धता को तोड़ा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो सकती है एक प्रतिशत की कमी: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था 2020 में करीब एक प्रतिशत तक घट सकती है, जबकि पहले इसमें 2.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान था। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि पर्याप्त वित्तीय राहत का इंतजाम किए बिना आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिबंध बढ़ाया जाता है, तो ए गिरावट और अधिक हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के एक विश्लेषण में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बाधित कर रही है। पिछले महीने के दौरान लगभग 100 देशों के राष्ट्रीय सीमाओं को बंद करने से लोगों की आवाजाही और पर्यटन में एक डरावना ठहराव आ गया है। डीईएसए ने कहा, "इन देशों में लाखों श्रमिकों को अपनी नौकरी खोने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है। सरकारें अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मंदी में जाने से रोकने के लिए बड़े प्रोत्साहन पैकेजों पर विचार कर रही हैं। सबसे खराब स्थिति में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2020 में 0.9 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज कर सकती है। इसके साथ ही डीईएसए ने अगर हालात संभल गए तो भी इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था 1.2 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज कर सकती है। लेकिन ऐसा तभी होगा जबकि निजी खपत में मामूली गिरावट हो और निवेश, निर्यात तथा सरकारी खर्च में वृद्धि हो।

अपहृत की तलाश

नेहा कुमारी

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की (फोटो में दर्शाई गई) जिसका नामः **नेहा कुमारी** पुत्री **शिव शंकर भगत** पता **कैप्टन के मकान पास, नेहरू एन्क्लेव, अलीपुर, दिल्ली** जो थाना अलीपुर दिल्ली से दिनांक **02.03.2020** से लापता/ अपहृत है। इस संदर्भ में **एफआईआर संख्या 58/20 धारा 363 आईपीसी** दिनांक **02.03.2020 थाना अलीपुर दिल्ली** में रिपोर्ट दर्ज है। स्थानीय पुलिस ने इस लड़की का पता लगाने के लिए गंभीर प्रयास किए लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

जिसका हुलिया नीचे दिया गया है:–

लिंगः महिला, **आयुः** 17 वर्ष, **कदः** 5' फीट, **रंगः** काली, **चेहराः** गोल, **कदकाठीः** मजबूत, **पहनावाः** सफेद रंग की सलवार, फिरोजी रंग की सूट और पैरों में जूते पहने हुई है।

अगर किसी को इस गुमशुदा/अपहृत लड़की की बारे में कोई जानकारी मिले तो निम्नलिखित पतों पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना अलीपुर, दिल्ली
फोन नं.: 011-27202265,27202290
मो. नं.: 7065036325

वेबसाइटः http://cbi.nic.in
ई–मेलः cic@cbi.gov.in
टेली. नं.: 011-24368638/24368641
फैक्स नं.: 011-24368639

DP/114/ON/2020

अमेरिका के अस्पतालों में मरीजों की बाढ़ से जूझ रहे हैं डॉक्टर

एएफपी। वाशिंगटन

अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है और विभिन्न अस्पतालों में डॉक्टर मरीजों की बाढ़ से जूझ रहे हैं और उनके लिए यह फैसला लेना मुश्किल हो रहा है कि किन मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया जाए और किन्हें नहीं।

मैरीलैंड के बाल्टीमोर में जॉन्स हॉप्किन्स अस्पताल के आपात विभाग में डॉक्टर डेनियल ब्रेनर कोविड-19 के कई मरीजों का इलाज कर रहे हैं। मैरीलैंड में अभी तक 24 लोग जान गंवा चुके हैं और करीब 2000 मामले सामने आए हैं।सैकड़ों मामले सामने आने पर ब्रेनर ने कहा कि यह पहचान करना बहुत मुश्किल हो गया है कि किन्हें अस्पताल में भर्ती किया जाए। उन मरीजों को, जिनमें बीमारी के गंभीर लक्षण देखे गए और उन्हें ऑक्सीजन देने की जरूरत है या उन्हें जो घर पर भी इस बीमारी से उबर सकते हैं। इस वक्त सही फैसला करना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। ब्रेनर ने पूछा, क्या बुजुर्ग लोगों को ज्यादा जरूरत है? या पहले से ही बीमार लोगों को? उन्होंने कहा कि अलग-अलग डॉक्टरों की अलग-अलग राय है और देश में कोई आम सहमति नहीं है कि कौन-सा रुख सही है क्योंकि इस बीमारी का केवल दो महीने से ही अध्ययन किया जा रहा है। कोरोना वायरस मरीज के लिए सबसे गंभीर बात एक्यूट रेस्पीरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस) है जिसमें फेफड़ें सिकुड़ जाते हैं और उनमें सूजन आ जाती है तथा शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।ब्रेनर ने कहा कि कोविड-19 के मरीजों को वेंटीलेटर पर अन्य माध्यमों से एआरडीएस से पीड़ित होने वाले मरीजों के मुकाबले हवा के अधिक दबाव की आवश्यकता होती है। न्यूयॉर्क जैसे क्षेत्रों में अस्पतालों में निजी रक्षा उपकरणों की भारी कमी है और डॉक्टर इन चुनौतियों का भी सामना कर रहे हैं। ब्रेनर ने कहा कि कोरोना वायरस के मामलों के अलावा हमारे पास और भी मरीज हैं जो गंभीर रूप से बीमार हैं। उनकी भी देखभाल करनी है। अगर किसी मरीज को दिल का दौरा आता है और उसे खांसी भी है तो उन्हें कोविड-19 का संदिग्ध समझा जाता है।

रूस में गुरुवार को कोरोना वायरस के कारण घोषित लॉकडाउन के बाद मास्को में सड़कों पर पसरा पूरी तरह सन्नाटा

अमेरिका ने कोरोना वायरस को हराने के लिए हर मोर्चे पर युद्ध छेड़ रखा है: ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने खतरनाक कोरोना वायरस को पूरी तरह से हराने के लिए उसके खिलाफ हर मोर्चे पर युद्ध छेड़ रखा है। अमेरिका में अब तक इस वायरस से 5,000 लोगों की मौत हो चुकी है और यहां संक्रमित लोगों की संख्या 200,000 के पार जा चुकी है जो कि दुनिया में सबसे ज्यादा है। जॉन हॉपकिन्स कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के अनुसार बुधवार रात तक अमेरिका में 214,000 लोग संक्रमित हो चुके हैं और 5,093 लोगों की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, अमेरिका इस खतरनाक वायरस, बेहद खतरनाक वायरस के खिलाफ युद्ध जारी रखेगा। आपने देखा कि यह कितना खतरनाक है खास तौर पर आपने कल की संख्या तो देखी ही होगी। अमेरिका में हर गुजरते दिन के साथ संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है। ऐसी स्थिति का सामना अमेरिका ने दशकों तक नहीं किया था। व्हाइट हाउस कोरोना वायरस कार्य बल ने कड़े उपायों के बावजूद 100,000 से 200,000 के बीच लोगों की मौत की आशंका जताई है।पूरे देश मे कोरोना वायरस से निपटने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं और बंद है। हालांकि यह बंद भारत की तरह नहीं है। ट्रंप ने अपने नियमित संवाददाता सम्मलेन में कहा कि हर मोर्चे से वायरस पर हमला किया जा रहा है चाहे वह सामाजिक दूसरी, श्रमिकों को आर्थिक सहयता पहुंचाना, त्वरित चिकित्सा देना हो या उन देशों की यात्रा बंद करना हो जहां से देश के नागरिकों को खतरा हो।

यूरोप मे जान गंवाने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के थे 95 प्रतिशत लोग

एपी। जेनेवा

विश्व स्वास्थ्य संगठन के यूरोप प्रमुख ने कहा है कि आंकड़े दर्शाते हैं कि इस क्षेत्र में कोरोना वायरस से जान गंवाने वाले 95 प्रतिशत से अधिक लोगों की आयु 60 वर्ष से अधिक थी। लेकिन डॉ हांस क्लुगे ने कहा कि केवल आयु ही बीमारी में एकमात्र जोखिम नहीं है।

क्लुगे ने कहा, ये धारणा तथ्यात्मक रूप से गलत है कि कोविड-19 केवल बुजुर्ग लोगों पर प्रभाव डालता है। कोपेनहेगन में बृहस्पतिवार को ऑनलाइन प्रेसवार्ता में क्लुगे ने कहा, युवा लोग भी इससे अपराजित नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य संस्था का कहना है कि 50 से कम आयु वर्ग के लोगों में मध्यम या गंभीर संक्रमण होता है। क्लुगे ने कहा, किशोरों और 20 वर्ष के आसपास की आयु वाले लोगों में भी गंभीर संक्रमण देखा गया और इनमें से कई को गहन चिकित्सा की जरूरत पड़ी जबकि दुर्भाग्य से कुछ की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ताजा आंकड़ों के मुताबिक, यूरोप में अब तक 30,098 लोगों की मौत हुई, जिनमें से अधिकतर इटली, फ्रांस और स्पेन के थे। क्लुगे ने कहा, हम जानते हैं कि इन मौतों में से 95 प्रतिशत लोग 60 से अधिक आयु वर्ग के थे जबकि इनमें से आधे लोगों की उम्र 80 वर्ष से अधिक थी। उन्होंने कहा कि मरने वाले पांच में से चार लोग मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों में से किसी एक से पहले ही पीड़ित थे। क्लुगे ने कहा, एक सकारात्मक पहलु के तहत, ऐसी सूचनाएं हैं कि अस्पताल में भर्ती 100 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग कोविड-19 से ठीक हुए हैं।

कोरएक्स क्रिस्टी में कोरोना वायरस से पीड़ितों के इलाज के लिए आवश्यक वस्तुओं उपकरणों की मांग को लेकर प्रदर्शन करतीं नर्सें

विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोलाल्ड ट्रंप से कहा

आत्मरक्षा में कदम उठाता है ईरान

एएफपी। तेहरान

ईरान ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह कोई भी कदम सिर्फ आत्मरक्षा में उठाता है। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी थी कि यदि ईरान या ईरान समर्थित समूह इराक में अमेरिकी बलों या प्रतिष्ठानों पर हमला करते हैं तो वे अमेरिका की ओर से कड़ी कार्वाई के लिए तैयार रहें। विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने ट्वीट किया, अमेरिका जो झूठ बोलता है, धोखाधड़ी करता है और हत्याओं को अंजाम देता है, उसके विपरित ईरान केवल आत्मरक्षा में ही कार्वाई करता है। उन्होंने कहा, युद्ध भड़काने वालों की बातों से गुमराह नहीं हों। ईरान कोई जंग शुरू नहीं करता है लेकिन जो यह करता है, वह उसे सबक सिखाता है। ट्रंप के ऐतिहासिक परमाणु समझौते से 2018 में अलग होने और ईरान पर फिर से पाबंदियां लगाने के बाद से दोनों मुल्कों में तनाव बढ़ा हुआ है। जनवरी में अमेरिकी हमले में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की बगदाद हवाई अड्डे के बाहर मौत के बाद से अमेरिका और ईरान में और तनाव बढ़ गया है। इसके बाद ईरान ने इराक में अमिरिकी सैन्य अड्डों पर जवाबी गोलाबारी की।

त्विक न्यूज

फंसे हुए जहाज से लोगों को बाहर निकालेगा अमेरिका : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए फ्लोरिडा मे एक फंसे एक जहाज को कई दक्षिणी अमेरिकी देशो द्वारा मदद से इनकार के बाद अमेरिकी अधिकारी इस जहाज पर फंसे लोगो को बाहर निकालेगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस जहाज पर मेडिकल टीम को भेज रहा है और लोगो को बाहर निकालेगा और विदेशियो को उनके घर भेजेगा। उन्होने कहा, हम कनाडा के लोगो को बाहर निकालेगे और उन्हे कनाडा के अधिकारियो को सौपेगे। ठीक इसी तरह ब्रिटेन के लोगो के साथ भी किया जाएगा।

तीन लाख से अधिक लोगों ने खुद को बेरोजगार बताया

मैड्रिड। स्पेन मे मार्च मे 302,265 लोगो ने खुद को बेरोजगार के तौर पर पंजीकृत करवाया है। श्रम मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।बताया जा रहा है कि यूरोप की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले स्पेन मे ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी एक महीने मे इतनी बड़ी तादाद मे लोगो ने खुद को बेरोजगार के तौर पर पंजीकृत करया हो। स्पेन मे कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए 14 मार्च से राष्ट्रव्यापी लॉक्डाउन लागू है।

कोविड-19 के संभावित टीके का परीक्षण शुरू किया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिको ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे कोविड-19 के दो संभावित टीको का परीक्षण कर रहे है जो प्रयोगशाला परीक्षणो मे मील का पत्थर साबित हो सकते है। कॉमनवेल्थ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (सीएसआईआरओ) के वैज्ञानिको ने कहा कि वे यह परीक्षण कर रहे है कि कोविड-19 का टीका कितना प्रभावशाली है। वे बचाव के लिहाज से टीका देने के लिए इंजेक्शन लगाने या नाक के स्प्रे जैसे बेहतर तरीके भी खोज रहे है। ऑस्ट्रेलियन एनिमल हैल्थ लेबोरेटरी के निदेशक प्रो. ट्रेवर डू ने कहा, हम जनवरी से सार्स सीओवी-2 का अध्ययन कर रहे है। अनुसंधानकर्ताओ ने कहा कि परीक्षण मे तीन महीने लग सकते है।

यूरोप में पांच लाख से अधिक कोरोना मामलों की पुष्टि

पेरिस। यूरोप मे कोरोना वायरस संक्रमण के पांच लाख से अधिक मामलो की पुष्टि हुई है। आधिकारिक सूत्रो के आधार पर समाचार एजेंसी एएफपी की गणना के मुताबिक इस महाद्वीप मे कोरोना वायरस के 508,271 मामले दर्ज किए गए है और 34,571 लोगो की मौत हुई है। दुनियाभर मे वायरस के 9,40,815 मामले सामने आए है और 47,836 लोगो की मौत हुई है। इटली सबसे प्रभावित देशो मे है जहां 13,155 लोगो की मौत हुई है जबकि स्पेन मे 10,003 लोगो की इस महामारी से जान गई है।

ट्रंप व फ्लोरिडा बीच पर इकट्ठे हुए लोग देश में सबसे मूर्ख!

लॉस एंजिलिस। वैश्विक महामारी कोविड-19 से निपटने के तरीको मे चूक के चलते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और लॉक्डाउन को तोड़ फ्लोरिडा मे बीच पर इकट्ठे हुए अमेरिकी छात्रो को लोगो ने देश का सबसे बड़ा मूर्ख माना है। कोरोनो वायरस के संक्रमण के खतरे को नजरअंदाज कर बीच पर सैर सपाटा करते कई हजार लोगो की तस्वीरे पिछले महीने सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी, जिसकी कड़ी आलोचना हुई थी। वही कोविड-19 से निपटने के तरीको, जांच मे देरी और जल्दबाजी मे ईस्टर पर देश को खोलने के फैसले को वापस लेने के लिए ट्रम्प की भी काफी आलोचना हो रही है। अमेरिकी मीडिया सलाहकार ने अप्रैल फूल डे पर किया गया एक सर्वेक्षण जारी किया, जिसमे जनता ने दोनो की कड़ी आलोचना की। सर्वेक्षण मे 1000 से अधिक अमेरिकियो को 25 से 27 मार्च के बीच फोन किया गया, जिनमे से 51 प्रतिशत लोगो ने ट्रम्प के मूर्खतापूर्ण तरीके से पेश आने की बात मानी, जबकि 50 प्रतिशत लोगो की यही राय मियामी मे इकट्ठी हुई भीड़ को लेकर भी थी।सर्वेक्षण के आयोजक जेफ बार्ज ने दोनो की करीबी टक्कर देखते हुए इसे टाई (बराबर) घोषित किया। साथ ही उन्होने कहा कि सर्वेक्षण केवल मजाक मे किया गया।

नए मोड़ पर पहुंचे चीन-भारत संबंधों को नए अवसर मिल रहे हैं: शी ने कोविंद से कहा

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपने भारतीय समकक्ष रामनाथ कोविंद के साथ भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय राजनयिक संबंधो की स्थापाना की 70वी वर्षगांठ पर बधाई संदेश का आदान-प्रदान करते हुए बुधवार को कहा, चीन-भारत संबंध एक नए मोड़ पर खड़े है और संबंधो को और आगे बढ़ाने के लिए नए-नए अवसर मिल रहे है।भारत एक अप्रैल, 1950 को पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करने वाला एशिया का पहला गैर-कम्युनिस्ट देश बना था। कोविंद को भेजे अपने संदेश मे, शी ने कहा कि चीन-भारत संबंधो ने पिछले 70 वर्षो के दौरान असाधारण विकास किया है।उन्होने कहा कि दोनो पक्षो के संयुक्त प्रयासो से, दोनो देशो ने शांति और समृद्धि के लिए एक रणनीतिक और आपसी सहयोगात्मक साझेदारी स्थापित की है, और विकास की और अधिक गहरी साझेदारी बनाने का प्रयास कर रहे है।

इजराइल के स्वास्थ्य मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित

भाषा। यरुशलम

- मोसाद प्रमुख और एनएसए भी रहेंगे पृथक

इजराइल के स्वास्थ्य मंत्री याकोव लित्जमैन को कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद पृथक रखा गया है। इसके बाद उनके संपर्क में आने वाले मोसाद प्रमुख योस्सी कोहेन तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मीर बेन शब्बात समेत सभी शीर्ष अधिकारियों को पृथक कर दिया गया है।

एक शीर्ष सहायक के संक्रमित पाए जाने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी पृथक रह रहे थे लेकिन वे अभी तक जांच में संक्रमित नहीं पाए गए।स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि लित्जमैन और उनकी पत्नी पृथक रह रहे हैं, वे ठीक हैं तथा उनका इलाज चल रहा है। पिछले दो हफ्तों में मंत्री के संपर्क में आने वाले लोगों से भी पृथक रहने का अनुरोध किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, मंत्रालय के कार्यालय में सलाहकारों, सहायकों और सचिवालय कर्मियों की टीम घर से काम करती रहेगी और जरूरत पड़ने पर मंत्री के साथ टेलीफोन पर लगातार संवाद बनाए रखेगी जो अपने घर से इस संकट से निपट रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने चैनल 12 न्यूज को बताया कि मंत्री को बीमारी के संपर्क में आने के बाद कोरोना वायरस के हल्के लक्षण हैं। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि वह इस संक्रामक रोग की चपेट में कैसे आए।

मंत्रालय के उप महानिदेशक डॉ. इतामार ग्रोटो ने चैनल को बताया, उनमें कुछ लक्षण दिखाई दिए हैं लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं है। ग्रोटो ने कहा कि लित्जमैन बीमार होने के बावजूद घर से काम कर पाएंगे। इजराइल के दैनिक अखबार हारेत्ज के अनुसार मोसाद प्रमुख कोहेन और एनएसए शब्बात दोनों पृथक रहेंगे। कोरोना वायरस से इजराइल में बृहस्पतिवार तड़के मरने वालों की संख्या 31 पर पहुंच गई। अभी तक 6,211 इजराइली संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से 107 की हालत गंभीर है। एक इजराइली पर्यटक की इटली में मौत हो गई है। अभी तक संक्रमित पाए जाने के बाद 241 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

जांच में जबरदस्त तेजी लाई जाएगी

- कोरोना वायरस को लेकर निशाने पर आए थे जॉनसन

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोरोना वायरस की जांच का दायरा व्यापक न कर पाने को लेकर अपनी सरकार की बढ़ती आलोचना के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि देश में वायरस की जांच में जबरदस्त तेजी लाई जाएगी।जॉनसन ने 27 मार्च को ऐलान किया था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और उन्होंने डॉउनिंग स्ट्रीट में खुद को अलग रख रखा है। बुधवार रात उन्होंने डॉउनिंग स्ट्रीट से एक ऑनलाइन वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि जांच धीमी चल रही है। उन्होंने कहा, हम जांच की रफ्तार तेज कर रहे हैं। मैं हफ्तों पहले ही कह चुका हूं कि जांच की धीमी रफ्तार रही है। हम इसे काफी तेज कर रहे हैं। जॉनसन ने कहा, इस तरीके से हम कोरोना वायरस को हरा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने यह प्रतिक्रिया विशेषतौर पर मीडिया द्वारा की जा रही सरकार की आलोचना के जवाब में दी। इससे पहले अधिकारियों ने खुलासा किया था कि सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के कुल पांच लाख में से केवल 2 हजार लोगों की कोरोना वायरस के लिए जांच की गई है।बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार ब्रिटेन में कोरोना वायरस के संक्रमण से 2,352 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार को एक दिन में सबसे अधिक 563 लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में दो चिकित्साकर्मी भी थे। इसके अलावा आम लोगों की भी बड़े पैमाने पर जांच नहीं की जा रही , जिसके चलते सरकार की आलोचना हो रही है। मंगलवार को इंग्लैंड में 10 हजार आम लोगों और एनएचएस के कर्मचारियों की ही जांच हुई जो कि दिन के औसत लक्ष्य 25 हजार से आधे से भी कम है। वहीं जर्मनी में एक दिन में लगभग 70 हजार लोगों की जांच की जा रही है।

उत्तर कोरिया का दावा, वह कोरोना वायरस के संक्रमण से है मुक्त

एएफपी। सियोल

- उत्तर कोरिया ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब दुनियाभर में संक्रमण के मामले करीब दस लाख पहुंच गए है।

उत्तर कोरिया के एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने दावा किया कि उनका देश कोरोना वायरस संक्रमण से पूरी तरह मुक्त है।

उत्तर कोरिया ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब दुनियाभर में संक्रमण के मामले करीब दस लाख पहुंच गए हैं। पहले से ही अलग-थलग परमाणु संपन्न उत्तर कोरिया ने चीन में संक्रमण के मामले आने के तुरंत बाद जनवरी में अपनी सीमाएं बंद कर दी थी और इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाए थे।

उत्तर कोरिया के केंद्रीय आपात महामारी रोधी मुख्यालय के महामारी रोधी विभाग के निदेशक पाक म्योंग सु ने दावा किया कि देश के प्रयास पूरी तरह सफल रहे। पाक ने कहा, हमारे देश में अभी तक एक भी व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हमने हमारे देश में प्रवेश करने वाले सभी कर्मियों को पृथक करने तथा सभी वस्तुओं को संक्रमण मुक्त करने के साथ ही सीमाओं को बंद करने तथा समुद्र और हवाई मार्ग को बंद करने जैसे कदम उठाए। दक्षिण कोरिया में अमेरिका के शीर्ष सैन्य कमांडर ने गत महीने कहा था कि उन्हें पूरा यकीन है कि उत्तर कोरिया में संक्रमण के मामले हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा था कि उत्तर कोरिया में कुछ चल रहा है और उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को भेजे निजी पत्र में महामारी रोधी काम में सहयोग की पेशकश की थी।

न्यूयॉर्क में 16 हजार लोगों की मौत हो सकती है : गवर्नर

कोरोना वायरस

भाषा। न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने अमेरिका के अन्य गवर्नरों से अपील की है कि वे कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए तुरंत कार्वाई शुरू करें। साथ ही कुओमो ने चेताया कि उनके शहरों को भी न्यूयॉर्क जैसे हालात का सामना करना पड़ सकता है, जहां संक्रमण से करीब 16 हजार लोगों की जान जा सकती है। महामारी पर अपनी दैनिक प्रेसवार्ता में कुओमो ने गेट्स फाउंडेशन से जुड़े एक समूह के हवाले से दर्शाए गए मौत के अनुमानों के आंकड़ों की ओर ध्यान दिलाया। इन अनुमानों के मुताबिक, महामारी के समाप्त होने तक 93000 अमेरिकियों और 16000 न्यूयॉर्क वासियों की मौत हो जाएगी।कुओमो ने कहा, लेकिन बाकी देश को यह बताता है कि केवल न्यूयॉर्क नहीं है। अगर आप इस संख्या पर भरोसा करते हैं तो न्यूयॉर्क में 16000 मौतें, इसका मतलब है कि न्यूयॉर्क के बाहर भी हजारों मौतें होने जा रही हैं।

कुओमो ने अन्य राज्यों के गवर्नरों को आगाह करते हुए कहा कि यह आज न्यूयॉर्क की समस्या हो सकती है लेकिन यह कल कंसास, टेक्सास और न्यू मेक्सिको की समस्या हो सकती है। उन्होंने अन्य राज्य के गवर्नरों को न्यूयॉर्क के वर्तमान हालात देखकर सचेत रहने की चेतावनी भी दी।वहीं, कुओमो ने देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की लेकिन नमूनों की जांच की संख्या पर गर्व महसूस करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, जितनी अधिक जांच आप करते हैं, उतना ही अच्छा आप कर रहे हैं।

स्पेन के मैड्रिड में कोरोना वायरस से पीड़ित लोगों के इलाज के दौरान अस्पताल से बाहर खड़े मेडिकल स्टाफ का लोगों ने किया अभिवादन

'क्या करना है नहीं पता था लेकिन पता था, क्या नहीं करना है'

बॉलिवुड अभिनेता विजय वर्मा को 'पिंक, मानसून शूटआउट, गलीब्वॉय और बागी 3 जैसी लोकप्रिय फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। अब वो नेटफ्लिक्स पर 'शी' नाम से एक शो में काम कर रहे हैं। पायनियर संवाददाता मुज़बा हाशमी ने उनसे फिल्म इंडस्ट्री में उनके प्रारंभिक दिनों सहित विविध विषयों पर बात की..

■ आप अपने इस शो 'शी' के बारे में कुछ बताइये...

इसमें मैं सस्य की भूमिका निभा रहा हूं जो दुष्ट प्रवृत्तियों वाला व्यक्ति है और उसके काम करने का ढंग अत्यंत रहस्यमयी है। कोई नहीं जानता कि वो कौन है और लेकिन वो नारकोटिक्स विभाग के शीर्ष लोगों में से है जिसके पास अत्यंत महत्वपूर्ण सूचनाएं रहती हैं जिनके आधार पर नारकोटिक्स के अवैध व्यापार की दुनिया के टॉप अपराधियों को दबोचा जा सकता है। वो तेलंगाना-आंध्रप्रदेश पट्टी से आता है और अत्यंत जटिल और समस्याकारी व्यक्तित्व का स्वामी है।

■ आपने ये रोल क्या सोचकर लिया था?

जब मैंने इम्तियाज़ अली से इसकी कहानी सुनी तो मैं अवाक रह गया और मुझे जोर का झटका भी लगा। झटका इसलिये लगा क्योंकि लोग इम्तियाज़ से जिस प्रकार की फिल्मों की आशा करते हैं ये उस छवि के बिलकुल विपरीत है। ये उनके मस्तिष्क की उपज है ये सोचकर मैं सन्न रह गया था। इसके बाद उन्होंने मुझे मेरी भूमिका के बारे में बताया जो मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था मैं इसे करने से डर रहा था लेकिन फिर भी मैंने इसे करने का निश्चय किया। शूटिंग के दौरान मुझे ये काफी रोचक लगा।

■ आपने चितगांग में झुंकू और फिर बागी 3 में अख्तर लाहौरी की भूमिकाएं की हैं। बॉलिवुड में आपकी अब तक की यात्रा कैसी रही है?

झुन्कू के रोल के माध्यम से मैं बड़े परदे पर पहली बार आया था। उसके बाद से अब तक ये यात्रा काफी लंबी रही है। मेरी अब तक की यात्रा न तो अधिक कठिन और न ही बहुत सरल थी। मैं बस काम करता रहा और अपने हर प्रयास में अपनी क्षमता का शतप्रतिशत योगदान करने का प्रयास करता रहता था। लेकिन मुझे अधिकांशत: असफलता ही हाथ लगी। इसके बाद आई फिल्म पिंक और गली ब्वॉय, जिनमें मेरे अभिनय की सभी ने प्रषंसा की। ऐसा प्रतीत होता था कि ये यात्रा असंभव होगी लेकिन मुझे प्रसन्नता है कि मैं यहां तक पहुंचने में सफल रहा। क्योंकि इंडस्ट्री में आकर किसी छोटे से रोल के माध्यम से अपनी एक अलग छवि बना पाना आसान नहीं होता। लेकिन फिल्म गली ब्वॉय ने मेरे कॅरियर की गति को तीव्रता प्रदान की। इस फिल्म के बाद से मुझे काफी काम मिला और आज मुझे यहां तक आकर अच्छा लग रहा है। यही वो उपलब्धि थी जिसके लिए मैंने इतने सालों तक अत्यंत धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की है और आज जब मैं यहां पहुंचने में सफल हुआ हूं तो मैं हर क्षण का पूरा आनंद ले रहा हूं।

कहा जाना चाहिये या क्या करना सही रहेगा और क्या नही करना सही रहेगा। लेकिन इंडस्ट्री में सफल होने के लिए ये पता होना जरूरी है कि आपको क्या नहीं पसंद है। मैंने भी बस इसी सोच के साथ अपने कॅरियर का आरंभ किया। मुझे भी नहीं पता था कि मुझे क्या पसंद है और मैं क्या क्या कर सकता था लेकिन मुझे पक्के रूप से पता था कि मुझे क्या करना बिलकुल पसंद नहीं है।

■ अभिनय के प्रति आपका दृष्टिकोण क्या रहता है?

जब मैं किसी प्रोजेक्ट को लेता हूं तो मैं अपने चरित्र में, या यूं कहें कि कहानी पढ़कर या सुनकर ये सुनिश्चित करने का प्रयास करता हूं कि इसमें सच्चाई कितनी है। यदि मैं किसी काल्पनिक या विचित्र टाइप का चरित्र ही क्यों न निभा रहा हूं, लेकिन मेरा प्रयास चरित्र से किसी न किसी प्रकार से जुड़ाव की खोज करना रहता है। मैं चरित्र में एक प्रकार की अंतर्दृष्टि देने का प्रयास करता हूं ताकि लोग किसी न किसी प्रकार से इससे स्वयं को जुड़ा हुआ अनुभव कर सकें। मैं अपनी कला के माध्यम से कुछ सच्चाई लोगों के सामने लाने का ही प्रयास करता हूं ताकि लोगों को उस चरित्र से किसी न किसी प्रकार से जुड़ाव लगे और वे चरित्र को ध्यान से सुनें।

■ आपकी पहली फिल्म थी 'शोर'। उस फिल्म में आपको कैसे रोल मिला?

मैं ऑन कैंपस-कास्टिंग में था। राज और कृष्णा डीके कुछ युवा अभिनेताओं की तलाष कर रहे थे जो कम पैसों में फिल्म का हिस्सा बनने को सहमत हो जाएं। मैं एफटीआईआई, में अध्ययन कर रहा था। वे कैंपस में आए हुए थे। हम लोग मिले और मैं उन्हें उनकी आवयश्यकता के अनुसार फिट लगा। इसके बाद हम मुंबई गए और फिल्म के लिए कुछ दिन की शूटिंग की। बस यही मेरे उस फिल्म में लिये जाने की कहानी है।

■ अभिनेता बनने का आपका निर्णय आपके माता-पिता को नहीं भाया था। आपने उन्हें कैसे मनाया?

मुझे उन्हें मनाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी क्योंकि मैं स्वयं में ही स्पष्ट नहीं था कि मैं फिल्म इंडस्ट्री में कुछ विशेष कर पाऊंगा। जब उन्होंने देश की मैगज़ीनों तथा समाचार पत्रों में मेरा नाम पढ़ा तो वे स्वयं ही संतुष्ट हो गए। जब उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ मेरी फिल्म देखी तो वे बहुत प्रसन्न हुए थे। बस इसके बाद उन्होंने मेरे कॅरियर चयन पर किसी प्रकार का प्रश्नवाचक चिन्ह नहीं लगाया।

■ क्या आप भी इंडस्ट्री में आने के बाद किसी विशेष रोल को करने के बारे में सोचते हैं?

पहले तो मुझे पता ही नहीं था कि मैं किस प्रकार का रोल करना चाहता था लेकिन मुझे ये अच्छे से पता था कि किस प्रकार का रोल मैं नहीं करना चाहता था। ये ऐसे है कि जब आप इस इंडस्ट्री में यकायक बाहर से आते हैं और आपके पास संसाधन भी नहीं होते और आप इस संषय में होते हैं कि कैसे क्या होगा? कहा जाना चाहिये या क्या करना सही रहेगा और क्या नही करना सही रहेगा। लेकिन इंडस्ट्री में सफल होने के लिए ये पता होना जरूरी है कि आपको क्या नहीं पसंद है। मैंने भी बस इसी सोच के साथ अपने कॅरियर का आरंभ किया। मुझे भी नहीं पता था कि मुझे क्या पसंद है और मैं क्या क्या कर सकता था लेकिन मुझे पक्के रूप से पता था कि मुझे क्या करना बिलकुल पसंद नहीं है। जैसे कि मैं प्रारंभ में टीवी में काम नहीं करना चाहता था यही कारण है कि उस ओर मैंने कोई प्रयास नहीं किया। पहले पहल तो मैंने कुछ कामों को न कह दिया। फिर धीरे धीरे मुझे वो काम मिलने लगा जो मैं करना चाहता था और मैंने वे प्रोजेक्ट लेने प्रारंभ कर दिये। आज भी मुझे ये नहीं पता है कि मैं क्या करना चाहता हूं और क्या मेरी योग्यता के अनुसार काम मिलेगा भी या नहीं।

■ आप अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में कुछ बताएंगे?

देखिये फिल्म 'शी' रिलीज़ हो चुकी है। इसके बाद में एक और सीरीज़ 'द सूटेबल ब्वॉय' में भी काम कर रहा हूं। इसमें मेरी भूमिका काफी रोचक है। फिर मैं 'हुड़दंग' नामक प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हूं। इसके बाद मैं एक विज्ञान कथा पर आधारित कॉमेडी का हिस्सा बनूंगा। इसमें आनंद गांधी भी हैं। मैं 'फॅलेन' का हिस्सा भी हूं। ये वास्तव में अमेजॉन प्राइम सीरीज है जिसमें बॉलिवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी हैं।

सारा अली खान ने शास्त्रीय नृत्य का वीडियो जारी किया

भाषा। मुंबई

बॉलिवुड की उभरती हुई ऐक्ट्रेस सारा अली खान ने अपनी प्रतिभा से लोगों का ध्यान खींचा है। सारा अली खान ने अभी तक केदारनाथ, संबा और लव आज कल जैसी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने से जुड़े वीडियो और फोटो शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने क्लास्किल डांस के प्रैक्टिस सेशन का एक वीडियो शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने फैंस के लिए एक विडियो शेयर किया है। इसमें आप देख सकते हैं कि वह भारतीय परिधान में नजर आ रही हैं और एक अन्य लड़की के साथ क्लास्किल डांस कर रही हैं। इसमें ऐक्ट्रेस के डांस मूव्स और उनके एक्सप्रेशन देखने वाले हैं। बताते चलें कि कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के चलते इस समय देश में 21 दिन का लॉकडाउन चल रहा है। इस दौरान सभी अपने घर पर हैं और कुछ ना कुछ ऐक्टिविटी कर रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान स्टार्स अपने घरों पर करने वाले कार्यों को सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। उल्लेखनीय है कि सारा अली खान अब फिल्म कुली नं 1 में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। डेविड धवन के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 1 मई को रिलीज होगी। इसके अलावा वह डायरेक्टर आनंद एल राय की फिल्म अतरंगी रे में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और धनुष दिखाई देंगे। यह फिल्म 21 फरवरी 2021 को रिलीज होगी।

फिल्म निर्देशक सुधीर मिश्रा के पिता का निधन

मुंबई। फिल्म निर्माता सुधीर मिश्रा के पिता देवेंद्र नाथ मिश्रा का दिल की बीमारी से बृत्सपतिवार को सुबह निधन हो गया। सुधीर मिश्रा ने ट्वीटर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मेरे पिता देवेंद्र नाथ मिश्रा का आज सुबह निधन हो गया। वह लखनऊ के थे और अपने जीवन में कई पदों पर रहे। वे गणितज्ञ, सागर विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर, शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त शिक्षा सलाहकार, सीएसआईआर के उप निदेशक, एमपी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख, बीएचयू के कुलपति जैसे पदों पर आसीन रहे। निर्देशक अनुभव सिन्हा ने ट्वीट किया कि बृहस्पतिवार शाम को जोगेश्वरी श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। फिल्म निर्माता निखिल आडवाणी ने कहा कि कई लोग फिल्म उद्योग में सुधीर मिश्रा के माता-पिता के योगदान से अनजान थे। उन्होंने ट्वीट किया, एक सज्जन, दूरदर्शी विचारक और शिक्षक के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। कई लोग फिल्म उद्योग में सुधीर मिश्रा के माता-पिता के योगदान से अनजान है। उन्होंने सभी सपने देखने वालों के लिए अपना घर और दिल खोल रखा था। भगवान डी एन मिश्रा की आत्मा को शांति दे।

यह धर्म स्थलों पर एकत्रित होकर अव्यवस्था पैदा करने का वक्त नहीं : एआर रहमान

भाषा। चेन्नई

दिग्गज संगीतकार ए आर रहमान ने लोगों से खुद को पृथक रखने की सरकार की सलाह का पालन करने का अनुरोध करते हुए कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर धार्मिक स्थानों पर जुटने से अव्यवस्था पैदा होगी। ऑस्कर पुरस्कार विजेता ने यह अपील ऐसे समय में की है जब दिल्ली के निजामुद्दीन (पश्चिम) में तबलीगी जमात का मरकज देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड-19 को फैलाने का केंद्र बनकर सामने आया है। मरकज में। से 15 मार्च तक हुए धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों ने भाग लिया था। बुधवार को ट्विटर पर पोस्ट किए बड़े से बयान में रहमान ने लोगों से दयालु और समझदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा, ईश्वर आपके मन में है (सबसे पवित्र धर्म स्थल) इसलिए धार्मिक स्थानों पर एकत्रित होकर यह अव्यवस्था पैदा करने का वक्त नहीं है। सरकार की सलाह सुनिए। कुछ हफ्तों के लिए खुद को पृथक रखने से आपको कई और साल मिल सकते हैं। उन्होंने कहा, विषाणु मत फैलाइए और बाकी के लोगों को नुकसान न पहुंचाए। यह बीमारी न केवल आपको आगाह करती है कि आप एक माध्यम है बल्कि यह भी मत मानिए कि आप संक्रमित नहीं हैं। यह झूठी अफवाहों तथा और घबराहट फैलाने का वक्त नहीं है। रहमान ने देश में कई जानों को बचाने के लिए इस वैश्विक महामारी से लड़ रहे स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों का भी आभार जताया। 53 वर्षीय संगीतकार ने कहा, यह संदेश भारत के अस्पतालों और क्लिनिकों में काम कर रहे डॉक्टरों, नर्सों तथा सभी कर्मचारियों की बहादुरी तथा निस्वार्थ सेवा के लिए उनका शुक्रिया अदा करने के वास्ते है। यह देखकर दिल भर जाता है कि वे सबसे घातक इस महामारी से निपटने के लिए कितने तैयार हैंउ वे हमारी जान बचाने के लिए अपनी जान खतरे में डालते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संकट के इस समय में व्यक्ति को अपने पड़ोसियों, वरिष्ठ नागरिकों, वंचित लोगों और प्रवासी मजदूरों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह वक्त अपने मतभेदों को भुलाने और इस अदृश्य दुश्मन के खिलाफ एकजुट होने का है जिसने दुनिया को नीचे धकेल दिया है। यह वक्त मानवता और आध्यात्मिकता की खूबसूरती को सामने लाने का है।

गायक हैरी स्टाइल्स अमेरिका में फंसे

भाषा। लॉस एंजिलिस

अभिनेता-गायक हैरी स्टाइल्स ने कहा कि वह कोरोना वायरस के मद्देनजर उड़ानों के परिचालन रद्द होने की वजह से अमेरिका में फंस गए हैं। कई देशों ने कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए बंद लागू किया है जिसकी वजह से उड़ानें रद्द हैं। कैपिटल एफएम ब्रेकफास्ट शो से बात करते हुए अमेरिका के गायक ने कहा कि वह घर जाने वाले थे लेकिन महामारी की वजह से कैलिफोर्निया में फंस गए। स्टाइल्स ने कहा, मैं एक तरह से कैलिफोर्निया में फंस गया हूं। मैं विमान से घर जाने वाले था लेकिन उसी दिन अमेरिका ने सभी विमानों को रद्द करने का निर्णय लिया और मुझे यहां रुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि अभी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि लोग सुरक्षित रहें।

सौंन्दर्य और अभिनय का अनूठा संगम है जयाप्रदा

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड में जया प्रदा का नाम उन गिनी-चुनी अभिनेत्रियों में हैं जिनमें सौंदर्य और अभिनय का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

महान फिल्मकार सत्यजीत रे जयाप्रदा के सौंदर्य और अभिनय से इतने अधिक प्रभावित थे कि उन्होंने जयप्रदा को विश्व की सुंदरतम महिलाओं में एक माना था। सत्यजीत रे उन्हें लेकर एक बांग्ला फिल्म बनाने के लिये इच्छुक थे लेकिन स्वास्थ्य खराब रहने के कारण उनकी योजना अधूरी रह गयी।

जया प्रदा (मूल नाम ललिता रानी) का जन्म आंध्रप्रदेश के एक छोटे से गांव राजमुंदरी में तीन अप्रैल 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता कृष्णा तेलुगु फिल्मों के वितरक थे। बचपन से ही जयाप्रदा का रूझान नृत्य की ओर था। उनकी मां नीलावनी ने नृत्य के प्रति उनके बढ़ते रूझान को देख लिया और उन्हें नृत्य सीखने के लिये दाखिला दिला दिया। चौदह वर्ष की उम्र में जयाप्रदा को अपने स्कूल में नृत्य कार्यक्रम पेश करने का मौका मिला जिसे देखकर एक फिल्म निर्देशक उनसे काफी प्रभावित हुये और अपनी फिल्म 'भूमिकोसम' में उनसे नृत्य करने की पेशकश की लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। बाद में अपने माता-पिता के जोर देने पर जयाप्रदा ने फिल्म में नृत्य करना स्वीकार कर लिया इस फिल्म के लिए जयाप्रदा को पारश्रमिक के रूप में महज 10 रुपये प्राप्त हुये लेकिन उनके तीन मिनट के नृत्य को देखकर दक्षिण भारत के कई फिल्म निर्माता-निर्देशक काफी प्रभावित हुये और उनसे अपनी फिल्मों में काम करने की पेशकश की जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

वर्ष 1976 जयाप्रदा के सिने कैरियर का महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उन्होंने केण्बालचंद्रन की अंथुलेनी कथाए केण्विश्वनाथ की श्री श्री मुभा और वृहत पैमाने पर बनी एक धार्मिक फिल्म 'सीता कल्याणम' में सीता की भूमिका निभाई। इन फिल्मों की सफलता के बाद जयाप्रदा दक्षिण भारत में अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गयीं। वर्ष 1977 में जयाप्रदा के सिने कैरियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म 'आदावी रामाडु' प्रदर्शित हुयी जिसने टिकट खिड़की पर नये कीर्तिमान स्थापित किये। इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता एनण्टीण् रामाराव के साथ काम किया और शोहरत की बुलंदियो पर जा पहुंचीं। वर्ष 1979 में केण्विश्वनाथ की ष्श्री श्री मुवाष् की हिंदी में रिमेक फिल्म ष्सरगमष् के जरिये जयाप्रदा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रख दिया। इस फिल्म की सफलता के बाद वह रातो रात हिंदी सिनेमा जगत में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गयी और अपने दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित भी क ी गयी। सरगम की सफलता के बाद जयाप्रदा ने लोक परलोक टक्कर टैक्सी ड्राइवर और प्यारा तराना जैसी कई दोयम दर्जे की फिल्मों में काम किया लेकिन इनमें से कोई फिल्म टिकट खिड़की पर स फल नहीं हुयी। इस बीच जयाप्रदा ने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना जारी रखा। वर्ष 1982 में के. विश्वनाथ ने जयाप्रदा को अपनी फिल्म 'कामचोर' के जरिये दूसरी बार हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लांच किया। इस फिल्म की सफलता के बाद वह एक बार फिर से हिंदी फिल्मों में अपनी खोयी हुयी पहचान बनाने में कामयाब हो गयी और यह साबित कर दिया कि वह अब हिंदी बोलने में भी पूरी तरह सक्षम है। वर्ष 1984 में जयाप्रदा के सिने कैरियर की एक और सुपरहिट फिल्म 'शराबी' प्रदर्शित हुयी। इस फिल्म में उन्हें सुपर स्टार अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी। इसमें उनपर फिल्मायागीत 'दे दे प्यार दे' श्रोताओं के बीच उन दिनों क्रेज बन गया था। वर्ष 1985 में जयाप्रदा को एक बार फिर से के' विश्वनाथ की फिल्म 'संजोग' में काम करने का अवसर मिला जो उनके सिने कैरियर की एक और सुपरहिट फिल्म साबित हुयी। इस फिल्म में जयाप्रदा ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया जो अपने बेटे की असमय मौत से अपना मानसिक संतुलन खो देती है। अपने इस किरदार को जयप्रदा ने सधे हुये अंदाज से निभाकर दर्शको का दिल जीत लिया। हिंदी फिल्मों में सफल होने के बावजूद जयाप्रदा ने दक्षिण भारतीय सिनेमा से भी अपना सामंजस्य बिठाये रखा। वर्ष 1986 में उन्होंने फिल्म निर्माता श्रीकांत नाहटा के साथ शादी कर ली। लेकिन फिल्मों मे काम करना जारी रखा। इस दौरान उनकी घरानाए ऐलाने जंगए मजबूर और शहजादे जैसी फिल्में प्रदर्शित हुयी जिनमें जया प्रदा के अभिनय के विविध रूप दर्शकों को देखने को मिले। वर्ष 1992 में प्रदर्शित फिल्म 'मां' जया प्रदा के सिने कैरियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में एक है। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी मां के किरदार निभाया जो अपनी असमय मौत के बाद अपने बच्चे को दुश्मनों से बचाती है। अपने इस किरदार को उन्होंने भावपूर्ण तरीके से निभाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जयाप्रदा के सिने कैरियर में उनकी जोड़ी जितेन्द्र और अमिताभ बच्चन के साथ काफी पसंद की गयी। जया प्रदा ने अपने तीन दशक लंबे सिने करियर में लगभग 200 फिल्मों में अभिनय किया है।

जन्मदिन आज